नई दिल्ली । शुक्रवार, 05 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष पंचमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :150/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक विश्व केसरी

नई दिल्ली संस्करण

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में गोल करने वाले 5 सबसे..
@ विचार क्या जन प्रतिनिधि कानून से ऊपर है ...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार करीब सपाट बंद, एनर्जी ...

भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए जारी की प्रत्याशियों की पहली लिस्ट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भाजपा ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, मणिपुर और राजस्थान जैसे प्रमुख राज्यों के लिए नाम शामिल हैं। पार्टी ने विभिन्न क्षेत्रों से नए चेहरों और अनुभवी नेताओं को मौका देकर क्षेत्रीय संतुलन साधने का प्रयास किया है, जिससे भविष्य की राजनीतिक रणनीति पर भी संकेत मिलते हैं।

भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश से ताई तगाक को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, गुजरात से राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा और मानसिंह परमार पर पार्टी ने भरोसा जताया है। मध्य प्रदेश से तरूण चुघ और रजनीश अग्रवाल को मौका दिया जा रहा है। मणिपुर से ए. शारदा देवी राज्यसभा आएंगी। इसके साथ ही राजस्थान से अलका गुर्जर और सतीश पूनिया को मौका दिया गया है। बीजेपी ने 2026 के उपचुनाव के लिए ओडिशा से देबाशीष सामंतराय को उम्मीदवार बनाया है।

इससे पहले चुनाव आयोग ने दस राज्यों की राज्यसभा की 24 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया था। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा, केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन और रवनीत सिंह सहित कई सदस्य अगले महीने अपना कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में चार-चार सीटें, राजस्थान और मध्य प्रदेश में तीन-तीन सीटें, झारखंड में दो सीटें और मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में एक-एक सीट रिक्त होंगी।

आयोग के अनुसार, अधिसूचना 1 जून को जारी की जाएगी और मतदान 18 जून को होगा। मतगणना भी उसी दिन होगी।

इंडिया गठबंधन में दरार

डीएमके करेगा बहिष्कार, कांग्रेस पर 'विश्वासघात' का आरोप

एजेंसी ■ चेन्नई

द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली इंडी गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। पार्टी ने इस निर्णय के पीछे तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस के कथित 'विश्वासघात' को वजह बताया है।

डीएमके ने कहा कि उसे इंडी गठबंधन की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए उसने बैठक से दूर रहने का निर्णय लिया है। पार्टी का दावा है कि तमिलनाडु चुनावों के बाद कांग्रेस के रवैये से उसके कार्यकर्ता बेहद आहत हैं। बयान में डीएमके ने कहा कि वह लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और राज्यों के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है। पार्टी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट), निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, 'वन नेशन, वन इलेक्शन' प्रस्ताव, वक्फ अधिनियम में संशोधन और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) में बदलाव जैसे मुद्दों पर अपने विरोध का उल्लेख किया। पार्टी ने कहा कि इन मुद्दों को लेकर उसने संसद में बहस, विधायी मंचों पर हस्तक्षेप, जनआंदोलनों और कानूनी कार्रवाई जैसे लोकतांत्रिक माध्यमों का सहारा लिया है। डीएमके ने यह भी दावा किया कि इंडी गठबंधन के गठन और संचालन में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है और वह शुरुआत से ही इस विपक्षी गठबंधन के प्रमुख स्तंभों में से एक रही है।

पार्टी ने कहा कि उसके अध्यक्ष एमके स्टालिन राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर लगातार मुखर रहे हैं और गठबंधन में उनके योगदान को अन्य दलों ने भी स्वीकार किया है।

हालांकि, डीएमके ने स्पष्ट किया कि तमिलनाडु चुनावों के बाद कांग्रेस के व्यवहार को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में गहरी नाराजगी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसी कारण कांग्रेस की मौजूदगी वाली इस बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया गया है।

इसके बावजूद डीएमके ने कहा कि वह राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज उठाती रहेगी और विपक्षी दलों तथा इंडी गठबंधन में उठने वाले महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखती रहेगी।

जेवर एयरपोर्ट फ्लाईओवर निर्माण कार्य में हादसा, कई दबे, एक की मौत

एजेंसी ■ फरीदाबाद

पनहेड़ा खुर्द गांव के पास जेवर एयरपोर्ट से जुड़े फ्लाईओवर निर्माण कार्य के दौरान गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। गार्डर उठाने में लगी एक भारी क्रेन अचानक असंतुलित होकर पलट गई, जिससे निर्माण स्थल पर काम कर रहे कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई है और 4 और के फंसे होने की आशंका है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम हुई तेज बारिश के कारण निर्माण स्थल पर कीचड़ और फिसलन हो गई थी। बारिश थमने के बाद मजदूर दोबारा काम में जुटे हुए थे। इसी दौरान फ्लाईओवर के लिए गार्डर उठाने का काम चल रहा था कि अचानक भारी क्रेन का संतुलन बिगड़ गया और वह भरभराकर जमीन पर पलट गई।

उस समय मौके पर करीब छह से सात मजदूर मौजूद थे। बताया जा रहा है कि इनमें से तीन से चार मजदूर क्रेन के नीचे दब गए।

केरलम पहुंचा मानसून, 24 राज्यों में बारिश-आंधी का अलर्ट

एजेंसी ■ चेन्नई

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने तीन दिन की देरी से केरलम में दस्तक दे दी है। इसके साथ ही देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार अगले दो से तीन दिनों में मानसून गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु के अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ सकता है। वहीं बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों तथा पूर्वोत्तर राज्यों में भी मानसून के सक्रिय होने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग ने केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में अगले सात दिनों के दौरान कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। केरल में लगातार हो रही बारिश के चलते अलप्पुझा, कोट्टायम और एर्नाकुलम जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। ऑरेंज अलर्ट का अर्थ है कि इन क्षेत्रों में 11 से 20 सेंटीमीटर तक वर्षा हो सकती है। दूसरी ओर, प्री-मानसून गतिविधियों के कारण मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली समेत उत्तर और मध्य भारत के कई राज्यों में तेज आंधी और बारिश का दौर जारी है। गुरुवार को मध्य प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश के साथ करीब 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। आंधी के कारण 200 से अधिक स्थानों पर पेड़ों की शाखाएं टूटकर गिर गईं। दिल्ली-एनसीआर में भी दोपहर बाद अचानक मौसम बदल गया। तेज बारिश और धूलभरी आंधी के कारण कई इलाकों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और पेड़ों के गिरने की घटनाएं सामने आईं।

आईएमडी ने ओडिशा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, तेलंगाना सहित 24 राज्यों में बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना जताई है। राजस्थान, हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं को लेकर विशेष अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि मानसून की दस्तक के बावजूद गुजरात, पश्चिमी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के कई हिस्सों में तापमान अब भी 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों में मानसून की रफ्तार बढ़ने के साथ देश के अधिकांश हिस्सों में गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

सैन्य कमांडरों की वित्तीय शक्तियों में वृद्धि रक्षा खरीद व आत्मनिर्भरता को मजबूती

1.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक की रक्षा खरीद को नई गति मिलेगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश की रक्षा सेवाओं के लिए संशोधित वित्तीय शक्तियों को मंजूरी दे दी है। देश की रक्षा तैयारियों व सैन्य आवश्यकताओं को तीव्रता से पूरा करने के उद्देश्य से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह यह मंजूरी प्रदान की है। इससे 1.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक की रक्षा खरीद को नई गति मिलेगी। यह नई व्यवस्था के सेना, नौसेना और वायुसेना के फील्ड कमांडरों को पहले की तुलना में कहीं अधिक वित्तीय अधिकार देती है। इस व्यवस्था से रक्षा खरीद, परियोजनाओं के क्रियान्वयन और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं को समय पर पूरा करने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक नई वित्तीय शक्तियों में कई मामलों में 100 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है। वहीं कुछ श्रेणियों में यह वृद्धि दोगुने से भी अधिक है। इसका सीधा लाभ जमीनी स्तर पर तैनात सैन्य कमांडरों को मिलेगा। सैन्य कमांडर्स अब आवश्यक उपकरणों और सेवाओं की खरीद के लिए पहले से अधिक स्वायत्तता के साथ निर्णय ले सकेंगे। संशोधित वित्तीय शक्तियों के लागू होने का फायदा चालू वित्तीय वर्ष में भी मिलेगा। बजटीय प्रावधानों के अनुरूप राजस्व मद के माध्यम से 1.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक की रक्षा खरीद को गति मिलने का अनुमान है। इससे रक्षा बलों की आवश्यकताओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सकेगा।

वहीं, खरीद प्रक्रियाओं में लगने वाला समय भी कम होगा। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए स्वदेशीकरण और अनुसंधान एवं विकास से संबंधित वित्तीय शक्तियों को दोगुना कर दिया गया है। सरकार का उद्देश्य विदेशी रक्षा कंपनियों और मूल उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता कम करना तथा देश में ही आधुनिक रक्षा तकनीकों और प्रणालियों के विकास को प्रोत्साहन देना है। इस निर्णय से भारतीय रक्षा उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और नवाचार से जुड़े संगठनों को भी लाभ मिलेगा। साथ ही, स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलने से दीर्घकालिक रणनीतिक आत्मनिर्भरता का लक्ष्य और मजबूत होगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार सेना, नौसेना और वायुसेना के कमांडरों को दी गई विशेष वित्तीय शक्तियों में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। त्वरित परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निर्धारित कुल वित्तीय सीमा को 100 प्रतिशत बढ़ाया गया है। इससे किसी भी आपात या विशेष परिस्थिति में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

वेनेजुएला और भारत के बीच डील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी और डेल्सी रोड्रिगेज के बीच हुई वार्ता में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, परिवहन, खनिज संपदा और दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी पर गहन चर्चा हुई। बैठक इतनी अहम रही कि औपचारिक वार्ता कार्यकारी भोज तक चली।

दुनिया की तेल राजनीति में इस समय सबसे गजब का मोर्चा नई दिल्ली में खुलता दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता ने साफ कर दिया है कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक हितों के लिए नई धुरी तैयार कर रहा है।

पांच दिन के भारत दौरे पर पहुंचीं रोड्रिगेज अपने साथ विदेश, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, परिवहन और सूचना मंत्रालयों के वरिष्ठ मंत्रियों का विशाल प्रतिनिधिमंडल लेकर आई हैं।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 : 42 पंचायतों को मिला सम्मान

'ग्रामोदय से भारत उदय, विकसित भारत का रास्ता है': राजीव रंजन सिंह

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय पंचायती राज और मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने नई दिल्ली में देशभर की 42 उत्कृष्ट पंचायतों को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 प्रदान किये। इस अवसर पर पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल, असम सरकार के रूपांतरण और विकास, श्रम कल्याण, चाय जनजाति और आदिवासी कल्याण मंत्री रमेश्वर तेली, पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज, केंद्रीय और राज्य के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधि उपस्थित थे। ये पुरस्कार देश भर में पंचायतो द्वारा समावेशी, सहभागी और सतत ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में किए गए उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हैं, जो विकसित भारत 2047 की दृष्टि के अनुरूप हैं। इस कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 से सम्मानित पंचायतो के कार्यों और सर्वोत्तम तौर-तरीकों पर एक ई-पुस्तक और पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सर्वोत्तम तौर-तरीकों का संकलन भी जारी किया गया। इन प्रकाशनों का उद्देश्य समान स्तर पर सीखने और जमीनी स्तर पर सफल शासन मॉडल अपनाने को सुविधाजनक बनाना है।

इस अवसर पर, केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने पुरस्कार विजेता पंचायतों को उनकी निष्ठा, नवाचार और जन-केंद्रित शासन के प्रति प्रतिबद्धता के लिए बधाई दी। पुरस्कार विजेता पंचायतों के प्रतिनिधियों और देश भर से वर्चुअल रूप में जुड़े प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि ये पुरस्कार जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की बढ़ती ताकत और विकासित भारत के विज़न को साकार करने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रतिबिंबित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि विकसित भारत की यात्रा सशक्त गांवों द्वारा संचालित होनी चाहिए, जो 'ग्रामोदय से भारत उदय' के सिद्धांत से मार्गदर्शित हो।

केंद्रीय मंत्री ने यह बताते हुए संतोष व्यक्त किया कि 42 पुरस्कार विजेता पंचायतों में से 22 का नेतृत्व महिलायें कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह ग्रामीण भारत में महिलाओं के नेतृत्व और समावेशी शासन के परिवर्तनकारी प्रभाव का प्रमाण है। पंचायत प्रगति सूचकांक (पीएआई) 2.0, ई-ग्रामस्वराज, एआई-सक्षम सभासार प्लेटफॉर्म जैसी मंत्रालय की पहलों का उल्लेख करते हुए श्री सिंह ने कहा कि पंचायतों को तकनीक, संसाधनों और क्षमता निर्माण समर्थन के साथ सशक्त बनाया जा रहा है, ताकि पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित शासन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने पुरस्कार विजेता पंचायतों से कहा कि वे सर्वोत्तम तौर-तरीकों को साझा करके, नवाचार को बढ़ावा देकर, महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को मजबूत करके और अंतिम सिरे तक सेवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करके आदर्श मॉडल के रूप में कार्य करें। श्री सिंह ने पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्टि की और कहा कि 16वीं वित्त आयोग के तहत अनुशंसित ?4.35 लाख करोड़ (15वीं वित्त आयोग की तुलना में आवंटनों में 84 प्रतिशत की वृद्धि) की धनराशि जमीनी स्तर पर शासन को और अधिक सशक्त बनाएंगे और 'विकसित भारत' विज़न का समर्थन करेंगे।

केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल ने कहा कि पूरे देश के 2.5 लाख से अधिक पंचायतों में से 42 पुरस्कार विजेता पंचायतों का चयन पारदर्शी और सघन मूल्यांकन प्रक्रिया को प्रतिबिंबित करता है।

'मुझे बहुत तकलीफ होती है... कहें तो इस्तीफा दे दूं'

हुमायूं कबीर का ममता बनर्जी को बड़ा ऑफर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की राजनीति में गुरुवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब एजेयूपी के संस्थापक हुमायूं कबीर ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को विधानसभा में वापसी का खुला प्रस्ताव दिया। हाल ही में तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले कबीर ने कहा कि यदि ममता बनर्जी चाहें तो वह रेजिनगर सीट खाली कर उनके लिए रास्ता बना सकते हैं।

मुर्शिदाबाद जिले की नवादा और रेजिनगर सीट से 2026 विधानसभा चुनाव जीतने वाले हुमायूं कबीर ने कहा कि नंदीग्राम से ममता बनर्जी की जीत मुश्किल हो सकती है, लेकिन रेजिनगर से वह आसानी से विधानसभा पहुंच सकती हैं।

समाचार एजेंसी पीटाई के अनुसार, हुमायू कबीर ने कहा, 'अगर ममता बनर्जी मेरे पास आती हैं, तो मैं उन्हें रेजिनगर से विधानसभा भेज सकता हूं। अगर वह नंदीग्राम से चुनाव लड़ेंगी तो जीत नहीं पाएंगी। लेकिन अगर वह चाहें, तो मैं इस्तीफा देकर उनकी जीत सुनिश्चित करूंगा।' हुमायूं कबीर ने ममता बनर्जी के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि उनकी मौजूदा राजनीतिक स्थिति उन्हें दुख पहुंचाती है। उन्होंने कहा, 'आज जिस स्थिति में वह हैं, उसे देखकर मुझे तकलीफ होती है। मैं आज जो कुछ भी हूं, उनकी वजह से हूं।' हालांकि, कबीर ने अपने क्षेत्रीय प्रभाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब शायद उनकी बात हर कोई न सुने, लेकिन रेजिनगर में हुमायूं कबीर ही आखिरी शब्द हैं।

राजनीतिक रिश्तों में बड़ा बदलाव

कभी टीएमसी के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले हुमायूं कबीर का यह बयान राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा का विषय बन गया है। पिछले साल पार्टी नेतृत्व से लंबे विवाद के बाद उन्हें टीएमसी से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने आम जनता उन्नयन पार्टी बनाई और राज्य सरकार के मुखर आलोचक बनकर उभरे।

उन्होंने लगातार ममता सरकार पर निशाना साधा था और सत्ता परिवर्तन की मांग की थी। ऐसे में अब ममता बनर्जी को विधानसभा पहुंचाने का प्रस्ताव देना उनके राजनीतिक रुख में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

मुश्किल दौर से गुजर रही हैं ममता बनर्जी

टीएमसी को हालिया विधानसभा चुनाव में झटका लगने और पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष के बीच ममता बनर्जी राजनीतिक दबाव का सामना कर रही हैं।

दिन में छाया अंधेरा, काले बादलों और तेज आंधी-तूफान ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा 4 और 5 जून के लिए जारी किए गए येलो अलर्ट के बीच गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर का मौसम अचानक बदल गया। दोपहर के समय आसमान पर घने काले बादल छा गए और कई इलाकों में दिन में ही अंधेरा जैसा माहौल बन गया। तेज आंधी, धूल भरी हवाओं और बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। सड़कों पर निकले लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 4 जून को दिल्ली-एनसीआर में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई थी। विभाग ने चेतावनी दी थी कि पूर्वाह्न और दोपहर के दौरान तेज सतही हवाएं चल सकती हैं तथा गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार कई क्षेत्रों में हवाओं की रफ्तार 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची, जिससे पेड़ों की शाखाएं हिलती रहीं और कई स्थानों पर यातायात प्रभावित हुआ।

आईएमडी के स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 4 जून को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान था। विभाग ने विशेष रूप से चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि दिनभर गरज-चमक, बिजली गिरने की संभावना और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चल सकती हैं। येलो अलर्ट के दूसरे दिन यानी 5 जून के लिए भी मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार इस दिन अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। पूर्वानुमान के अनुसार सुबह, पूर्वाह्न और रात के समय गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी परिस्थितियों के प्रभाव से दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों तक मौसम सुहावना बना रह सकता है।

6 जून को अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन भी गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, हालांकि कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है। वहीं 7 जून को मौसम साफ रहने की संभावना है तथा अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। गुरुवार को आए तेज तूफान और बारिश से गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन अचानक बदले मौसम ने लोगों की मुश्किलें भी बढ़ा दीं। कई स्थानों पर वाहन चालकों को कम दृश्यता और तेज हवाओं के कारण सावधानी बरतनी पड़ी। मौसम विभाग ने नागरिकों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, कमजोर ढांचों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की अपील की है। येलो अलर्ट के मद्देनजर प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां भी सतर्क हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटे तक मौसम की गतिविधियों पर नजर बनाए रखने की आवश्यकता है और लोगों को समय-समय पर जारी होने वाली मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करना चाहिए।

आईजीपी कश्मीर ने अमरनाथ यात्रा के लिए बालटाल बेस कैंप में सुरक्षा की समीक्षा की

गांदरबल। आगामी श्री अमरनाथ यात्रा 2026 की तैयारी को लेकर आईजीपी कश्मीर वीके बिर्दी ने डीआईजी सेंट्रल कश्मीर रेंज राजीव पांडे और एसएसपी गांदरबल सुधांशु धामा के साथ बालटाल बेस कैंप का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने यात्रा के सुचारू संचालन के लिए की जा रही सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स व्यवस्थाओं की प्रगति की समीक्षा की।

दौरे के दौरान अधिकारियों ने यात्रा ड्यूटी पर तैनात जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के जवानों के लिए स्थापित विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने बेस कैंप में सुरक्षा बुनियादी ढांचे, आवास, संचार सुविधाओं और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारियों का जायजा लिया। आईजीपी कश्मीर ने एक सुरक्षित, महफूज और बाधा-मुक्त तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच समन्वित प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे तैयारियों के उच्चतम मानकों को बनाए रखें और यात्रा शुरू होने से काफी पहले सभी व्यवस्थाओं का समय पर पूरा होना सुनिश्चित करें। गांदरबल पुलिस वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने और इसके सुचारू संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि एक दिन पहले श्रीनगर पुलिस ने बुधवार को आगामी श्री अमरनाथ यात्रा 2026 के दौरान ड्यूटी के लिए केंद्र सरकार द्वारा तैनात सीआरपीएफ कंपनियों का स्वागत किया। आगामी अमरनाथ यात्रा 2026 की सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए श्रीनगर में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की कंपनियां पहुंच गई हैं। इन जवानों का श्रीनगर पुलिस के अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यात्रा को सुरक्षित और सुचारू बनाने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। सीएपीएफ और स्थानीय पुलिस के बीच बेहतर तालमेल और सहयोग से यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा। तैनात बलों की सुविधा और परिचालन तत्परता सुनिश्चित करने के लिए श्रीनगर पुलिस ने आवास, बोर्डिंग और लॉजिंग, परिवहन, चिकित्सा सहायता, संचार सुविधाओं और अन्य आवश्यक रसद सहित विस्तृत व्यवस्था की है। सीएपीएफ अधिकारियों और कर्मियों ने गर्मजोशी से किए गए स्वागत और उनके रहने और तैनाती के लिए श्रीनगर पुलिस द्वारा की गई व्यवस्था की सराहना की।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी गिरोह पर ईडी का कसा शिकंजा, 21 ठिकानों पर छापेमारी

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई स्थित जोनल ऑफिस ने 2 और 3 जून को मुंबई, सूरत, अंकलेश्वर और राजकोट में 21 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। यह अभियान मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत, सलीम इस्माइल डोला और उसके साथियों द्वारा चलाए जा रहे 'अंतरराष्ट्रीय संगठित नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह' के खिलाफ जारी जांच के सिलसिले में चलाया गया। इस तलाशी अभियान में सलीम डोला के संगठित नशीले पदार्थों के नेटवर्क को शामिल किया गया, जिसमें गिरोह के शुरू से आखिर तक के सभी अहम हिस्से शामिल थे, जैसे कि प्रीकर्सर केमिकल सप्लायर, केमिकल व्यापारी, सिंथेटिक नशीले पदार्थ मेफेड्रोन (एमडी) के निर्माता/वितरक, हवाला ऑपरेटर और वे लोग जिनके पास इस संगठित ड्रग गिरोह से कमाए गए पैसों से खरीदी गई करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्तियां थीं। इस तलाशी अभियान का मकसद अवैध सप्लाई चेन और मनी लॉन्ड्रिंग के तंत्र की अहम कड़ियों को निशाना बनाना था, ताकि गिरोह की काम करने की क्षमता और उसके वित्तीय ढांचे को बुरी तरह से बाधित किया जा सके।

बंगाल सरकार ने बदला गहरे समुद्री बंदरगाह परियोजना का स्थान, ताजपुर की जगह दादनपत्रबार में बनेगा पोर्ट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को राज्य की प्रस्तावित गहरे समुद्री बंदरगाह (डीप-सी पोर्ट) परियोजना के लिए नया स्थान घोषित किया। उन्होंने बताया कि पूर्वी मिदनापुर जिले के ताजपुर को इस परियोजना के लिए अनुपयुक्त मानते हुए अब उससे लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित दादनपत्रबार को नए स्थल के रूप में चुना गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ताजपुर में परियोजना के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण यह फैसला लिया गया। उन्होंने बताया कि डीप-सी पोर्ट परियोजना के लिए करीब 1,700 एकड़ सरकारी (वेस्टेड) भूमि की जरूरत है, जो दादनपत्रबार में उपलब्ध है। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा, 'ताजपुर में परियोजना के लिए आवश्यक विशाल भूमि राज्य सरकार के पास उपलब्ध नहीं है। इसलिए उसी जिले में ताजपुर से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित दादनपत्रबार को नए स्थान के रूप में चुना गया है।'

मालवीय नगर आग हादसा, होटल मालिक को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में बहुमंजिला 'फ्लोरिश स्टे बीएंडबी' में भीषण आग लगने की घटना के एक दिन बाद गुरुवार को प्रॉपर्टी के मालिक लवकेश बजाज को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इस भीषण आग हादसे में 21 लोगों की जान चली गई थी।

दिल्ली पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाने के बाद लवकेश बजाज को गिरफ्तार किया। पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी भर में कई जगहों पर छापेमारी की थी। गुरुवार को लवकेश बजाज को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया।

इस बीच, आरोपी के वकील ने कहा कि उन्हें एफआईआर की कॉपी नहीं मिली है, जिस पर दिल्ली पुलिस ने कहा कि वे कॉपी उपलब्ध करा देंगे।

पुलिस ने बजाज की चार दिन की हिरासत मांगते हुए होटल स्टाफ के बारे में जानकारी मांगी है, और कहा है कि अब तक केवल दो स्टाफ सदस्यों का विवरण ही उपलब्ध कराया गया है। जांचकर्ताओं ने होटल के दस्तावेजों और रिकॉर्ड से संबंधित जानकारी भी मांगी है।

लवकेश बजाज के वकील ने तर्क दिया कि दिल्ली पुलिस को स्पष्ट करना चाहिए कि बजाज को गिरफ्तार क्यों किया गया है। बचाव पक्ष के अनुसार, बजाज को केवल इसलिए गिरफ्तार किया गया है क्योंकि वह होटल के मालिक हैं।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि आग इतनी भीषण थी कि फोरेंसिक जांच अभी तक पूरी नहीं हो पाई है।

पुलिस ने अदालत को बताया कि होटल स्टाफ से पूछताछ करना आवश्यक है, क्योंकि होटल लवकेश बजाज की देखरेख में ही संचालित हो रहा था। पुलिस ने बजाज की रिमांड मांगते हुए अदालत को बताया कि जांच अभी भी शुरुआती चरण में है।

अधिकारियों ने कहा, 'फोरेंसिक विशेषज्ञ अभी तक विस्तृत जांच शुरू नहीं कर पाए हैं, और स्टाफ उनके निर्देशों के तहत ही काम कर रहा था। इसी कारण जांच के लिए हिरासत में लेकर पूछताछ करना आवश्यक है।'

ज्ञान बिंदु कोचिंग संस्थान के निदेशक की रिहाई को लेकर सैकड़ों छात्र सड़क पर उतरे

पटना। बिहार की राजधानी पटना में कोचिंग का विवाद अब सड़कों पर उतर गया है। गुरुवार की शाम को ज्ञान बिंदु कोचिंग संस्थान के निदेशक रौशन आनंद की रिहाई की मांग को लेकर सैकड़ों छात्र सड़क पर उतरे और कैंडल मार्च निकालकर उनकी गिरफ्तारी का विरोध जताया।

जानकारी के मुताबिक, रौशन आनंद की रिहाई की मांग को लेकर बड़ी संख्या में छात्र पटना के कारगिल चौक पर एकत्रित हुए और कैंडल मार्च निकाला। छात्रों ने उनकी रिहाई की मांग को लेकर नारेबाजी भी की। सभी छात्रों के हाथ में नारे लिखी तख्तियां भी थीं।

पटना टाउन के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी)-1 राजेश रंजन ने बताया कि प्रदर्शन में शामिल छात्र रौशन आनंद की रिहाई की मांग कर रहे थे। छात्रों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी।

भारत-यूके साझेदारी को नई मजबूती : क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी सेंटर का हुआ शुभारंभ

नई दिल्ली। भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों (नरेंद्र मोदी और कीर स्टार्मर) द्वारा वर्ष 2025 में क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी स्थापित करने की घोषणा के बाद अब इस दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। गुरुवार को केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेटे कूपर ने संयुक्त रूप से भारत-यूके क्रिटिकल मिनरल्स ग्लोबल सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी (जीएससीओ) सैटेलाइट सेंटर का उद्घाटन किया। गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि यह ऑब्जर्वेटरी दुनिया भर में क्रिटिकल मिनरल्स की सुरक्षित, टिकाऊ और भरोसेमंद सप्लाई चेन विकसित करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत तकनीकों और डिजिटल परिवर्तन के तेजी से विस्तार के साथ क्रिटिकल मिनरल्स वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनते जा रहे हैं। यह ऑब्जर्वेटरी दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल मटेरियल फ्लो मैप का प्रमुख केंद्र बनेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए क्रिटिकल मिनरल्स क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी उद्देश्य से 4 अरब डॉलर के नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन की शुरुआत की गई है। इस मिशन का लक्ष्य खनिजों की खोज, खनन, प्रसंस्करण, रीसाइक्लिंग और नवाचार को मजबूत बनाना है।

पूर्व कर्मचारी के धर्मांतरण के लिए दबाव डालने के आरोप पर विप्रो ने कहा- जांच में कर रहे पूरा सहयोग

पुणे/नई दिल्ली। पूर्व कर्मचारी के धर्मांतरण के लिए दबाव डालने और जबरन इस्तीफे के कथित आरोपों पर आईटी कंपनी विप्रो ने गुरुवार को कहा कि उसने पुणे पुलिस के साथ सभी जरूरी दस्तावेजों को शेयर कर दिया है और इस मामले की जांच में पूरा सहयोग कर रही है। कंपनी ने कहा कि वह चल रही जांच में पूरा सहयोग कर रही है और एक सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्यस्थल बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईटी कंपनी ने कहा, 'विप्रो में, कर्मचारियों का कल्याण, गरिमा और सम्मान सर्वोपरि है। हम किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार, भेदभाव, उत्पीड़न या ऐसे कार्यों के प्रति जीरो-टोलरेंस की नीति अपनाते हैं जो किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता को खतरे में डालते हैं।' कंपनी ने आगे कहा कि मामला फिलहाल जांच के अधीन है, इसलिए हम मामले की विशिष्टताओं पर टिप्पणी नहीं कर सकते। हम अपने सभी कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और सम्मानजनक कार्यस्थल बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कंपनी का यह बयान पूर्व महिला कर्मचारी की शिकायत के बाद आया है, जो उसके हिंजवाड़ी ऑफिस में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर तैनात थी। पुलिस के पास दर्ज शिकायत में महिला ने कहा कि उसे धार्मिक उत्पीड़न का शिकार बनाया गया और उसके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उस पर इस्तीफा देने का दबाव डाला गया।

भारत की ओर बढ़ रहा है दीर्घकालिक वैश्विक निवेश, निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद गंतव्य बना देश : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि दुनिया भर का दीर्घकालिक निवेश अब तेजी से भारत की ओर रुख कर रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में न्यूयॉर्क और टोरंटो के प्रमुख निवेशकों के साथ हुई उनकी बैठकों में हर चर्चा ने भारत की भविष्य की विकास यात्रा पर भरोसे को और मजबूत किया।

उन्होंने कहा कि अब निवेशकों के सामने सवाल यह नहीं है कि भारत में निवेश करना है या नहीं, बल्कि यह है कि वे भारत की विकास गाथा को कितनी जल्दी पहचानते हैं और उसमें कितनी तेजी से भागीदारी करते हैं। मुंबई में आयोजित 'सिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस 2026' को वर्चुअली संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारत को दुनिया का सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बताया। उन्होंने विनिर्माण, कारोबार करने में आसानी, बुनियादी ढांचे, तकनीक अपनाने और वैश्विक व्यापार साझेदारी को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी रूपरेखा प्रस्तुत की। वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत के नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में पहचाना जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले दो दशकों से अधिक समय तक भी भारत इस स्थिति को बनाए रखेगा। गोयल ने कहा कि भारत ने हर संकट को अवसर में बदलने का काम किया है। देश ने बदलते भू-राजनीतिक और आर्थिक हालात के अनुरूप अपनी प्रक्रियाओं और कारोबारी रणनीतियों को ढाला है, जबकि व्यापार, विनिर्माण, निवेश और उद्योग के लिए आकर्षक गंतव्य बना हुआ है।

दिल्ली दंगा मामला : आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में टला फैसला

नई दिल्ली। साल 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या से जुड़े मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने गुरुवार को अपना फैसला टाल दिया। अब इस हाई-प्रोफाइल केस में अदालत 11 जून को अपना फैसला सुनाएगी।

इस मामले में पूर्व आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद ताहिर हुसैन समेत कुल 11 आरोपी कटघरे में हैं। अदालत को गुरुवार को फैसला सुनाना था, लेकिन अब सुनवाई की तारीख 11 जून तय की गई है।

यह मामला फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़की हिंसा के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या से जुड़ा है। 26 फरवरी 2020 को उनका शव खजूरी खास इलाके के एक नाले से बरामद किया गया था। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि ताहिर हुसैन और अन्य आरोपी एक गैरकानूनी भीड़ और साजिश का हिस्सा थे, जिसने दंगों के दौरान अंकित शर्मा की हत्या की। अंकित शर्मा के पिता रविंदर कुमार की शिकायत पर 26 फरवरी 2020 को एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत के अनुसार, 25 फरवरी को अंकित शर्मा घर का सामान खरीदने निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। बाद में स्थानीय लोगों से जानकारी मिली कि चांद बाग इलाके से एक युवक को नाले में फेंका गया है। इसके बाद नाले से अंकित शर्मा का शव बरामद हुआ। मार्च 2023 में कड़कड़डूमा कोर्ट ने ताहिर हुसैन समेत सभी 11 आरोपियों के खिलाफ दंगा, घातक हथियार के साथ दंगा, विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने, हत्या और आपराधिक साजिश जैसी गंभीर धाराओं के तहत आरोप तय किए थे।

निकाय उपचुनाव में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का दमदार प्रदर्शन

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के विभिन्न नगरीय निकायों में हुए उपचुनावों के नतीजों ने राज्य की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। नगर निगमों की दोनों महत्वपूर्ण सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज कर भाजपा को झटका दिया, वहीं नगर पंचायतों के चुनाव परिणामों में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। कुल मिलाकर उपचुनावों में कांग्रेस ने 6 और भाजपा ने 3 सीटों पर जीत हासिल की है।

बिलासपुर और जगदलपुर में कांग्रेस का दबदबा

सबसे अधिक चर्चा बिलासपुर और जगदलपुर नगर निगम के उपचुनावों की रही। बिलासपुर नगर निगम के वार्ड क्रमांक 29 (संजय गांधी नगर) में कांग्रेस प्रत्याशी शेख आजम ने भाजपा के मधुसूदन राव को 1062 वोटों से हराया। यह वार्ड पिछले चार दशक से कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता है।

जगदलपुर नगर निगम के इंदिरा वार्ड में कांग्रेस प्रत्याशी रामकृष्ण तिवारी ने भाजपा प्रत्याशी मनोहर दत्त तिवारी को 436 मतों से पराजित किया। मनोहर दत्त तिवारी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव के करीबी माने जाते हैं। इंदिरा वार्ड में पिछले 30 वर्षों से कांग्रेस का वर्चस्व कायम है और इस बार भी पार्टी ने अपनी पकड़ बरकरार रखी। जगदलपुर की यह सीट वरिष्ठ कांग्रेस पार्षद अब्दुल रशीद के निधन के बाद रिक्त हुई थी। वे लगातार चार बार पार्षद चुने गए थे, जबकि उनकी माता भी दो बार इस वार्ड का प्रतिनिधित्व कर चुकी थीं। इसी तरह बिलासपुर में भी पार्षद शेख असलम के निधन के बाद उपचुनाव कराया गया था।

नगर पंचायतों में मिश्रित परिणाम

नगर पंचायत चुनावों में तस्वीर कुछ अलग रही। राजनांदगांव जिले की घुमका नगर पंचायत में कांग्रेस प्रत्याशी फूलमती वर्मा ने अध्यक्ष पद पर 85 वोटों से जीत हासिल कर इतिहास रचा और पहली अध्यक्ष बनीं। हालांकि परिषद में भाजपा का दबदबा रहा, जहां 14 में से 10 वार्ड भाजपा के खाते में गए, जबकि कांग्रेस को 3 और एक वार्ड निर्दलीय उम्मीदवार ने जीता।

सूरजपुर जिले की शिवनंदनपुर नगर पंचायत में अध्यक्ष पद भाजपा के खाते में गया। भाजपा प्रत्याशी रितेश जायसवाल अध्यक्ष चुने गए, जबकि परिषद में कांग्रेस को बढ़त मिली। यहां 15 वार्डों में कांग्रेस ने 8 और भाजपा ने 7 वार्डों में जीत दर्ज की। बालोद जिले की पलारी नगर पंचायत में कांग्रेस ने अध्यक्ष पद के साथ परिषद पर भी कब्जा जमाया। कांग्रेस प्रत्याशी यानेश साहू ने भाजपा के लखनलाल गुरुपंच को 506 मतों से हराया। 15 वार्डों में कांग्रेस को 10 और भाजपा को 5 वार्डों में जीत मिली।

चारामा और पखांजूर में भी कांग्रेस को बढ़त

कांकेर जिले के चारामा नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 13 में कांग्रेस प्रत्याशी मोहित नायक ने 286 वोटों से जीत दर्ज की। वहीं पखांजूर के वार्ड क्रमांक 9 में कांग्रेस के रघुमणि एड्डी ने भाजपा प्रत्याशी संजीता विश्वास को 65 मतों से पराजित किया।

दूसरी ओर कवर्धा जिले के सहसपुर लोहारा में भाजपा की सरिता संतोष मिश्रा ने कांग्रेस प्रत्याशी रोशन वैष्णव को 762 वोटों से हराया। जांजगीर-चांपा जिले की बमनीडीह नगर पंचायत में भाजपा प्रत्याशी रमेश डड़सेना 889 मतों से अध्यक्ष निर्वाचित हुए। यहां 15 में से 11 वार्ड भाजपा, 3 कांग्रेस और 1 निर्दलीय के खाते में गया।

राजनीतिक संदेश और दावे

उपचुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस नेताओं ने इसे राज्य सरकार के खिलाफ जनता के बढ़ते असंतोष का संकेत बताया। कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे दर्शाते हैं कि भाजपा सरकार से जनता का भरोसा कम हुआ है और आने वाले चुनावों में कांग्रेस को इसका लाभ मिलेगा।वहीं भाजपा नेताओं का कहना है कि नगर पंचायतों में पार्टी की मजबूत उपस्थिति और कई अध्यक्ष पदों पर जीत यह साबित करती है कि संगठन जमीनी स्तर पर मजबूत बना हुआ है। भाजपा का मानना है कि स्थानीय परिस्थितियों और पारंपरिक वोट बैंक का असर कई स्थानों पर परिणामों में स्पष्ट दिखाई दिया है।

सत्ता और विपक्ष दोनों के लिए संकेत

उपचुनावों के नतीजे भले ही सीमित क्षेत्रों तक हों, लेकिन उन्होंने यह संकेत जरूर दिया है कि शहरी क्षेत्रों में कांग्रेस अभी भी अपनी पकड़ बनाए हुए है, जबकि नगर पंचायत स्तर पर भाजपा की संगठनात्मक ताकत बरकरार है। ऐसे में आगामी स्थानीय और विधानसभा चुनावों की रणनीति तय करने में ये परिणाम दोनों दलों के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश माने जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

रायपुरिया कर्तव्य सम्मान 2026 एवं फ्रेशर्स-फेयरवेल पार्टी का आयोजन 7 जून को

रायपुर। BIT-BYTE INFO TECH (Computer Institute) द्वारा संस्था की 9 वर्षों की सफल उपलब्धियों के उपलक्ष्य में 'रायपुरिया कर्तव्य सम्मान 2026' एवं Students Fresher & Farewell Party का भव्य आयोजन 07 जून 2026 को प्रातः 10:30 बजे से रेलवे इंस्टिट्यूट, W.R.S. कॉलोनी, रायपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज सेवा, शिक्षा, मानव कल्याण, चिकित्सा, महिला सशक्तिकरण एवं निस्वार्थ भाव से समाज हित में निरंतर उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मानित करना है। संस्था द्वारा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में Dr. Varnika Sharma, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार एवं संरक्षण आयोग, रायपुर उपस्थित रहेंगी। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में Dr. Kavita Kumbhaj, संस्थापक, निदेशक एवं सीईओ, पारस ग्रुप तथा Kamlesh Jain, इंदिरा देवी जैन चैरिटेबल ट्रस्ट, चांपा विशेष रूप से अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करेंगे। संस्था की डायरेक्टर प्रिया गुप्ता एवं संरक्षक रिंकी यादव ने सभी सम्मानित अतिथियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों से कार्यक्रम में सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

पेट्रोल-डीजल की कमी से ऑटोमोबाइल व्यवसाय प्रभावित, राडा प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से की मुलाकात

रायपुर। प्रदेश में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति में आ रही कमी का असर अब ऑटोमोबाइल व्यवसाय पर भी पड़ने लगा है। इसी विषय को लेकर रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर कलेक्टर गौरव कुमार एवं कीर्तिमान राठौर से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि नई दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की डिलीवरी के समय प्रत्येक वाहन में 2 से 5 लीटर पेट्रोल अथवा डीजल डालना आवश्यक होता है। इसके अलावा शोरूम एवं सर्विस संचालन के लिए उपयोग किए जाने वाले जनरेटरों में भी डीजल की आवश्यकता पड़ती है। वर्तमान में ईंधन की सीमित उपलब्धता के कारण वाहन डिलीवरी एवं व्यावसायिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। राडा पदाधिकारियों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि ऑटोमोबाइल डीलर्स को ड्रम अथवा कैन के माध्यम से पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध कराने की विशेष व्यवस्था की जाए, ताकि ग्राहकों को समय पर वाहनों की डिलीवरी सुनिश्चित की जा सके। कलेक्टर गौरव कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि समस्या का शीघ्र समाधान करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे तथा ऑटोमोबाइल उद्योग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर राडा की ओर से अमर पारवानी, विवेक गर्ग, कैलाश खेमानी एवं अभिनव ऋषि

छत्तीसगढ़ में आंधी-बारिश और वज्रपात का अलर्ट, 5 दिन सतर्क रहने की सलाह

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की दस्तक से पहले ही मौसम का मिजाज बदलने लगा है,मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में आगामी पांच दिनों तक आंधी, गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है, मौसम विभाग ने कई जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी करते हुए लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है,मौसम विभाग के अनुसार 4 जून से प्रदेश में वर्षा गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जबकि कुछ स्थानों पर तेज हवाओं के साथ गरज-चमक की स्थिति बन सकती है,इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई गई है,मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 5 और 6 जून को भी मौसम का यही रुख बना रहेगा, कई जिलों में घने बादल छाने, गरज-चमक और वज्रपात की घटनाएं होने की आशंका है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

देश के सबसे बड़े व्यापार मेले में दिखेगी छत्तीसगढ़ की औद्योगिक ताकत और स्वदेशी उत्पादों की चमक

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले देश के सबसे बड़े व्यापार मेले भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 के संबंध में आज कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन

अमर पारवानी एवं कैट छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ शासन के माननीय उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन से सौजन्य मुलाकात कर महोत्सव की रूपरेखा, प्रदेश की औद्योगिक सहभागिता एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र की संभावनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की।बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र, नवाचार आधारित उद्योगों, स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प, इस्पात एवं एल्युमिनियम आधारित उद्योगों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों एवं 'वोकल फॉर लोकल' उत्पादों को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने पर सकारात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 प्रदेश के उद्यमियों, व्यापारियों एवं निर्माताओं के लिए देशभर के व्यापारिक नेटवर्क, निवेशकों एवं खरीदारों से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा।

सीसीपीएल- रायपुर रायनोज ने 90 रन से जीता उद्घाटन मुकाबला

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) के तीसरे संस्करण का आगाज रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में खेले गए पहले मैच में रायपुर रायनोज ने राजनांदगांव पैंथर्स को 90 रन से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की।

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी राजनांदगांव पैंथर्स के सामने रायपुर रायनोज ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 228 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। कप्तान अमनदीप खरे ने 55 गेंदों में 102 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। वहीं अमित कुमार यादव ने 45 गेंदों पर 85 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत आधार दिया। 229 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजनांदगांव पैंथर्स की शुरुआत खराब रही और पूरी टीम 16 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। कप्तान अजय मंडल ने 74 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। रायपुर की ओर से गौरव चतुर्वेदी ने 4 विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई। शानदार शतक के लिए अमनदीप खरे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

30 करोड़ वसूले, लेकिन कहां हैं रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम?

छत्तीसगढ़ के निकायों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग फंड में 30 करोड़ से अधिक जमा, सिस्टम की अनदेखी पर सरकार सख्त

रायपुर (संवाददाता)। प्रदेश के नगरीय निकायों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के नाम पर लोगों से वसूली गई राशि का बड़ा मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, राज्य के विभिन्न नगर निगमों और नगर पालिकाओं में इस मद में 30 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है। यह वसूली भवन निर्माण के नक्शा पास कराने के दौरान अनिवार्य रूप से की जाती है, लेकिन सिस्टम लगाने और उसकी निगरानी में गंभीर लापरवाही सामने आई है।

नियमों के अनुसार, भवन निर्माण पूरा होने के बाद संबंधित निकायों की जिम्मेदारी होती है कि वे स्थल निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया गया है या नहीं। यदि सिस्टम लगाया गया हो, तो रजिस्टर्ड हाइड्रोलॉजिस्ट से प्रमाण पत्र जमा करने पर वसूली गई राशि वापस की जाती है। हालांकि, अधिकांश निकायों में इस प्रक्रिया का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो रहा है।

निगरानी व्यवस्था कमजोर, सिस्टम या तो बंद या अनुपस्थित

राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के किसी भी नगरीय निकाय में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की नियमित जांच के लिए मजबूत व्यवस्था नहीं है। नतीजतन, हजारों निर्माणों में यह सिस्टम या तो लगाया ही नहीं गया है या फिर लगाए गए सिस्टम खराब हालत में पड़े हैं। रायपुर नगर निगम में लगभग 7 हजार रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाने का दावा किया जाता है, लेकिन इनमें से करीब 3,500 से 4,000 निर्माणों में सिस्टम नहीं लगे हैं। वहीं, कई सरकारी भवनों में भी यह व्यवस्था अनुपस्थित पाई गई है।

नियम 2009 से लागू, लेकिन पालन कमजोर

राज्य सरकार ने वर्ष 2009 में नियम जारी कर दिया था कि 1500 वर्गफुट से अधिक क्षेत्रफल वाले भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा। नियम के तहत यदि भवन स्वामी सिस्टम नहीं लगाता है, तो निकायों को सुरक्षा निधि जब्त करने का अधिकार है। साथ ही, इस राशि का उपयोग संबंधित भवन के खुले भूभाग में सिस्टम लगाने के लिए किया जाना था। इसके बावजूद पुराने और नए दोनों निर्माणों में नियमों का पालन कमजोर रहा है। नियम के अनुसार 1500 वर्गमीटर से अधिक भवनों पर प्रति 100 वर्गमीटर एक हजार रुपये वार्षिक जुर्माना लगाने का भी प्रावधान है, लेकिन इसकी प्रभावी वसूली नहीं हो सकी है।

करोड़ों की वसूली, लेकिन उपयोग और निगरानी सवालों के घेरे में

नगरीय निकायों द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग के नाम पर वसूली गई राशि में रायपुर नगर निगम में ही 10 करोड़ रुपये से अधिक जमा हैं, जबकि अन्य निकायों में यह आंकड़ा 30 करोड़ रुपये से ऊपर बताया जा रहा है। नियमों के अनुसार आवासीय, रो-हाउस, अपार्टमेंट और कमर्शियल भवनों से प्रति वर्गमीटर 55 रुपये तक शुल्क लिया जाता है, जिसकी अधिकतम सीमा अलग-अलग श्रेणियों में निर्धारित है।

सरकार ने दिए जांच के निर्देश

नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव आर. संगीता ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी निकायों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही, जिलों में नियुक्त नोडल अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर सभी निकायों का निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट शासन को सौंपने के आदेश दिए गए हैं। इसके अलावा, भूजल स्तर की स्थिति की भी समीक्षा करने को कहा गया है ताकि जल संरक्षण की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके।

नए भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग जरूरी

जिस तरीके से रायपुर में भू-जल स्तर गिरता जा रहा है, उसको ध्यान में रखते हुए हमारे लिए जल संरक्षण जरूरी है। हमारे द्वारा नगर निगम रायपुर को प्रत्येक नए स्थानों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनाए जाने के संबंध में टारगेट दिया गया है, ताकि पानी बचाओ महत्वपूर्ण रूप से किया जा सके।

-मीनल चौबे (महापौर, रायपुर)

स्काई वॉक फिर पटरी से उतरा, मार्च 2026 की डेडलाइन खत्म; सुरक्षा पर भी सवाल

स्काई वॉक प्रोजेक्ट फिर लेट, सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

रायपुर (संवाददाता)। राजधानी रायपुर के बहुप्रतीक्षित और महत्वाकांक्षी जीई रोड स्काई वॉक प्रोजेक्ट की रफ्तार एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मार्च 2026 तक निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया था, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए परियोजना अभी भी अधूरी है। निर्माण की धीमी गति के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्थाओं में लापरवाही भी चिंता का विषय बनती जा रही है। हाल ही में आई तेज आंधी के दौरान स्काई वॉक के ऊपरी हिस्से में लगी पॉली कार्बोनेट शीट टूटकर नीचे गिर गई थी। घटना के बाद कुछ समय के लिए जीई रोड पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने निर्माण स्थल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

मानसून की दस्तक से पहले ही स्काई वॉक के ऊपर और नीचे बड़ी मात्रा में निर्माण सामग्री खुली पड़ी हुई है। ऊपरी हिस्से में लोहे के एंगल, सीढ़ियां, प्लास्टिक ड्रम और अन्य सामान बिना पर्याप्त सुरक्षा के रखा गया है। वहीं जीई रोड किनारे महीनों से भारी-भरकम लोहे के स्ट्रक्चर पड़े हुए हैं। स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों का कहना है कि तेज हवा या बारिश के दौरान यह सामग्री कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकती है। निरीक्षण के दौरान तहसील कार्यालय की ओर से स्काई वॉक पर पहुंचने का रास्ता खुला मिला, जबकि शास्त्री चौक की दिशा का प्रवेश द्वार बंद था। जय स्तंभ चौक की ओर जाने वाले हिस्से में कुछ कर्मचारी मौजूद थे, लेकिन निर्माण कार्य बंद मिला। कर्मचारियों ने इसे लंच टाइम बताया। वहीं कई स्थानों पर सुरक्षा घेराबंदी अधूरी दिखाई दी और भारी निर्माण सामग्री खुले में रखी मिली।

भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद लंबे समय से बंद पड़े इस प्रोजेक्ट को पुनर्जीवित करने के लिए 21 मई 2025 को नया वर्कऑर्डर जारी किया गया था। निर्माण एजेंसी को 10 महीने के भीतर, यानी मार्च 2026 तक काम पूरा करने की जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि आठ महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद परियोजना का लगभग 60 प्रतिशत कार्य अभी भी शेष बताया जा रहा है। करीब 1470 मीटर लंबे इस स्काई वॉक में कुल 63 गर्डर और 25 स्लैब लगाए जाने हैं। इसके अलावा शास्त्री चौक पर प्रस्तावित रोटेटरी का निर्माण भी अब तक शुरू नहीं हो सका है। जानकारी के अनुसार रोटेटरी और कुछ अन्य संरचनाओं का निर्माण भिलाई स्थित यार्ड में किया जा रहा है।

परियोजना के तहत 12 स्थानों पर लिफ्ट और एस्केलेटर लगाने, एसीपी शीट और एल्युमिनियम फ्रेम स्थापित करने, डिवाइडर रेलिंग, सीसीटीवी नेटवर्क, कंट्रोल रूम तथा एंट्री-एग्जिट प्वाइंट विकसित करने का काम भी बाकी है। फिलहाल अधिकांश हिस्सों में केवल बुनियादी ढांचा ही तैयार हो पाया है। इस संबंध में **ब्रिज विभाग के चीफ इंजीनियर एस.के. कोरी का कहना है कि शहर के बीच पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण गर्डर और रोटेटरी का निर्माण भिलाई यार्ड में किया जा रहा है।** उन्होंने दावा किया कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जा रही है और परियोजना को जल्द पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उनके अनुसार स्काई वॉक शुरू होने के बाद शहरवासियों को यातायात और पैदल आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी।

हालांकि लगातार बढ़ती देरी और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बीच अब लोगों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आखिर यह बहुप्रतीक्षित परियोजना कब पूरी होकर जनता के लिए शुरू हो पाएगी।

किसानों की आय बढ़ाने छत्तीसगढ़ में बासमती धान मिशन की तैयारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में विविधीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बासमती धान की खेती के विस्तार पर राज्य सरकार ने पहल शुरू कर दी है। कृषि विकास मंत्री श्री राम विचार नेताम की अध्यक्षता में अटल नगर, नवा रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में इस विषय पर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, कृषि संचालक राहुल देव, अनुसंधान संचालक डॉ संजय त्रिपाठी, बीज निगम, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य के साथ बासमती धान की खेती को प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने अधिकारियों को इस दिशा में गंभीरता और तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। नेताम ने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और उनकी आमदनी बढ़ाने के लिए जो भी आवश्यक कदम होंगे, सरकार उन्हें प्राथमिकता के साथ लागू करेगी।

संपादकीय

ममता बनर्जी की राजनीति खत्म या पिक्चर अभी बाकी है? Operation Crown Prince ने कैसे मचाया भूचाल?

नीरज कुमार दुबे

हम आपको याद दिला दें कि तृणमूल कांग्रेस की स्थापना ममता बनर्जी ने 1998 में कांग्रेस से अलग होकर की थी। इसके बाद उन्होंने वाम मोर्चे के लंबे शासन के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा किया और 2011 में ऐतिहासिक जीत हासिल कर बंगाल की सत्ता पर कब्जा जमाया।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में पिछले कुछ सप्ताहों के भीतर जिस तेजी से घटनाक्रम बदला है, उसने तृणमूल कांग्रेस और उसकी संस्थापक ममता बनर्जी के राजनीतिक भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कभी बंगाल की राजनीति पर मजबूत पकड़ रखने वाली तृणमूल कांग्रेस आज अपने सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद पार्टी के भीतर लंबे समय से सुलग रहा असंतोष अब खुली बगावत में बदल चुका है। महज 13 दिनों के भीतर घटनाओं की ऐसी श्रृंखला सामने आई, जिसने 28 वर्ष पुरानी पार्टी को विभाजन की कगार पर पहुंचा दिया।

हम आपको याद दिला दें कि तृणमूल कांग्रेस की स्थापना ममता बनर्जी ने 1998 में कांग्रेस से अलग होकर की थी। इसके बाद उन्होंने वाम मोर्चे के लंबे शासन के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा किया और 2011 में ऐतिहासिक जीत हासिल कर बंगाल की सत्ता पर कब्जा जमाया। 2016 और 2021 के चुनावों में भी पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली हार ने पार्टी की राजनीतिक जमीन हिला दी। सबसे बड़ा झटका यह था कि ममता बनर्जी को अपने पारंपरिक गढ़ भवानीपुर में शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही विधानसभा में टीएमसी की संख्या घटकर केवल 80 विधायकों तक सिमट गई।

चुनावी हार के बाद ही पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर असंतोष बढ़ने लगा था। कई विधायकों को लगने लगा कि संगठन और निर्णय प्रक्रिया

में सांसद अभिषेक बनर्जी का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। पार्टी के भीतर यह धारणा मजबूत होने लगी कि तृणमूल का केंद्र धीरे-धीरे एक परिवार तक सीमित होता जा रहा है। छह मई को नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में ममता बनर्जी द्वारा अभिषेक बनर्जी के लिए खड़े होकर तालियां बजाने का आग्रह इस असंतोष को और बढ़ाने वाला साबित हुआ।

पार्टी में मतभेद पहली बार खुलकर 19 मई को सामने आए, जब रितब्रता बनर्जी और संदीपन साहा ने पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि चुनाव से हटने की घोषणा करने वाले विधायक जहांगीर खान के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई? चूंकि जहांगीर को अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता था, इसलिए इसे सीधे तौर पर अभिषेक के प्रभाव को चुनौती माना गया। इसके बाद घटनाओं ने तेजी पकड़ ली। 22 मई को दिल्ली के बंग भवन में रितब्रता बनर्जी और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की कथित मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। रितब्रता ने बाद में विपक्षी नेताओं को प्रशासनिक बैठकों में बुलाने के शुभेंदु अधिकारी के फैसले की सार्वजनिक सराहना की। इससे तृणमूल के भीतर संदेह और गहरा गया।

25 मई को विवाद ने नया मोड़ लिया, जब विधायक दल के नेतृत्व से जुड़े दस्तावेजों पर जाली हस्ताक्षर किए जाने के आरोप सामने आए। रितब्रता बनर्जी और संदीपन साहा ने विधानसभा अध्यक्ष से इसकी औपचारिक शिकायत की। मामला पुलिस और सीआईडी जांच तक पहुंच गया। इसके साथ ही पार्टी के भीतर का असंतोष खुली राजनीतिक लड़ाई में बदल गया। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब 30 मई को अभिषेक बनर्जी पर सोनारपुर में हमला हुआ। हालांकि सभी दलों ने इसकी निंदा की, लेकिन तृणमूल के भीतर अपेक्षित एकजुटता दिखाई नहीं दी। इससे साफ संकेत मिला कि नेतृत्व और विधायकों के एक हिस्से के बीच दूरी बढ़ चुकी है।

31 मई को ममता बनर्जी ने अपने कालीघाट आवास पर बैठक बुलाई, लेकिन उसमें कम उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि पार्टी पर उनकी पकड़ कमजोर पड़ रही है। आखिरकार एक जून को पार्टी ने रितब्रता बनर्जी और संदीपन साहा को निष्कासित कर दिया। लेकिन यह कदम बगावत रोकने की बजाय उसे और तेज करने वाला साबित हुआ। बागी खेमे ने अपनी मुहिम को 'ऑपरेशन क्राउन प्रिंस' नाम दिया, जिसे अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ अभियान के रूप में देखा गया। बुधवार को यह संकट निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया, जब 58 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपकर रितब्रता बनर्जी को विधायक दल का नेता चुनने की जानकारी दी।

[रोहतक से उठी बहस] → क्या जन प्रतिनिधि कानून से ऊपर है?

डॉ. सत्यवान सौरभ

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आचरण, मर्यादा और संस्थाओं के प्रति सम्मान की एक सतत प्रक्रिया भी है। किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति उसके संविधान, कानूनों और संस्थाओं में निहित होती है। जब जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का सम्मान करते हुए कार्य करते हैं, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब इन दोनों के बीच टकराव सार्वजनिक रूप से सामने आता है, तब यह केवल व्यक्तियों का विवाद नहीं रह जाता बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, प्रशासनिक स्वायत्तता और राजनीतिक संस्कृति पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर देता है। हाल ही में हरियाणा के रोहतक में इंडियन नेशनल लोकदल के विधायक अर्जुन चौटाला और पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित के बीच हुआ विवाद इसी प्रकार की बहस को जन्म देने वाला प्रकरण बन गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो और उसके बाद सामने आई प्रतिक्रियाओं ने इस घटना को केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं रहने दिया, बल्कि इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं और संस्थागत सम्मान के प्रश्न से जोड़ दिया है।

भारत का लोकतंत्र जनप्रतिनिधियों को जनता की आवाज उठाने का अधिकार देता है। विरोध प्रदर्शन, धरना, ज्ञापन और आंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था के अभिन्न अंग हैं। किसी भी सरकार की नीतियों का विरोध करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं बल्कि दायित्व भी है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनहित से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक दलों द्वारा आवाज उठाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र यह भी अपेक्षा करता है कि विरोध की अभिव्यक्ति शालीनता और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर हो। जब जनप्रतिनिधि स्वयं उन सीमाओं को लांघने लगते हैं जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी वे दूसरों से अपेक्षित करते हैं, तब लोकतांत्रिक संस्कृति को क्षति पहुंचती है।

रोहतक की घटना में उपलब्ध वीडियो और सार्वजनिक रिपोर्टों के आधार पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि प्रदर्शन के दौरान विधायक और पुलिस अधीक्षक के बीच तीखी बहस हुई। वीडियो में प्रयुक्त भाषा और संवाद की शैली ने व्यापक जनचर्चा को जन्म दिया। विवाद के बाद हरियाणा आईपीएस एसोसिएशन का सार्वजनिक रूप से सामने आना और पुलिस अधिकारी के समर्थन में बयान जारी करना इस मामले को और महत्वपूर्ण बना देता है। सामान्यतः प्रशासनिक संगठनों द्वारा राजनीतिक विवादों पर सार्वजनिक टिप्पणी कम ही देखने को मिलती है। ऐसे में जब एक पेशेवर संगठन अपने अधिकारी के समर्थन में खुलकर सामने आता है, तो यह संकेत देता है कि मामला केवल व्यक्तिगत असहमति तक सीमित नहीं माना जा रहा।

यह सच है कि किसी भी घटना का अंतिम मूल्यांकन तथ्यों की निष्पक्ष जांच के बाद ही होना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी व्यक्ति को केवल वायरल वीडियो या सोशल मीडिया के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं माना जा सकता। किसी भी पक्ष को अपना पक्ष रखने का पूरा अधिकार है। विधायक ने भी अपनी सफाई में कहा कि उनका उद्देश्य किसी अधिकारी का अपमान करना नहीं था और विवाद परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हुआ। लोकतांत्रिक न्याय की दृष्टि से इस पक्ष को भी सुना जाना चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या कोई भी परिस्थिति किसी जनप्रतिनिधि को सार्वजनिक रूप से किसी अधिकारी के प्रति अपमानजनक भाषा प्रयोग करने का नैतिक अधिकार प्रदान कर सकती है? लोकतांत्रिक राजनीति में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन असहमति और अभद्रता के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है।

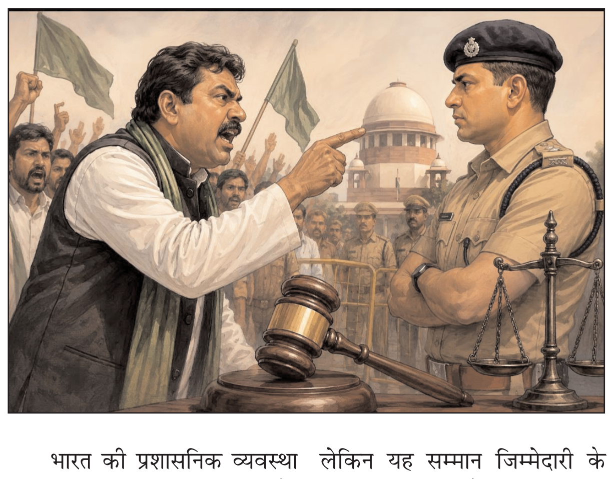

भारत की प्रशासनिक व्यवस्था संविधान द्वारा संचालित होती है। पुलिस अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी निर्वाचित नहीं होते, लेकिन वे राज्य की संस्थागत संरचना का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनका कार्य कानून का निष्पक्ष क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होता है। दूसरी ओर जनप्रतिनिधि जनता द्वारा चुने जाते हैं और जनहित के मुद्दों को सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाते हैं। इन दोनों भूमिकाओं के बीच सहयोग और संवाद लोकतांत्रिक प्रशासन की आधारशिला है। यदि जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारियों को केवल अधीनस्थ मानने लगें या प्रशासनिक अधिकारी जनप्रतिनिधियों को महत्वहीन समझने लगें, तो शासन व्यवस्था में संतुलन समाप्त हो जाएगा। इसलिए दोनों पक्षों के बीच सम्मानजनक व्यवहार अनिवार्य है।

यह भी समझना होगा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों को विशेषाधिकार अवश्य प्राप्त होते हैं, लेकिन वे कानून से ऊपर नहीं होते। संविधान ने किसी भी निर्वाचित प्रतिनिधि को यह अधिकार नहीं दिया है कि वह सार्वजनिक पद पर कार्यरत किसी अधिकारी के साथ अपमानजनक व्यवहार करे। जनप्रतिनिधि का पद सम्माननीय है, लेकिन यह सम्मान जिम्मेदारी के साथ जुड़ा हुआ है। जनता अपने प्रतिनिधियों से केवल राजनीतिक संघर्ष की अपेक्षा नहीं करती, बल्कि वह उनसे संयम, शालीनता और आदर्श व्यवहार की भी उम्मीद करती है। जब कोई जनप्रतिनिधि सार्वजनिक मंच पर अपनी भाषा और व्यवहार पर नियंत्रण खो देता है, तो उसका प्रभाव केवल उस घटना तक सीमित नहीं रहता। वह समाज में एक संदेश भी देता है कि शक्ति और प्रभाव के आधार पर मर्यादाओं को दरकिनार किया जा सकता है।

भारतीय राजनीति में दुर्भाग्यवश ऐसी घटनाएं नई नहीं हैं। समय-समय पर विभिन्न राज्यों में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच टकराव की खबरें सामने आती रही हैं। कभी किसी अधिकारी को धमकाने का आरोप लगता है, कभी किसी कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आता है और कभी प्रशासनिक निर्णयों में राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर विवाद उत्पन्न होते हैं। इन घटनाओं का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि जनता का संस्थाओं पर विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। जब लोग देखते हैं कि सत्ता से जुड़े व्यक्ति सार्वजनिक रूप से अधिकारियों को अपमानित कर रहे हैं, तो कानून के प्रति सम्मान भी प्रभावित होता है।

इस घटना का एक महत्वपूर्ण पक्ष प्रशासनिक स्वायत्तता से भी जुड़ा है। भारत में लंबे समय से यह बहस चलती रही है कि पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त होना चाहिए। विभिन्न आयोगों और न्यायालयों ने भी पुलिस सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया है। यदि अधिकारी यह महसूस करें कि किसी भी समय राजनीतिक दबाव या सार्वजनिक अपमान का सामना करना पड़ सकता है, तो उनकी निष्पक्ष कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि अधिकारी जनप्रतिनिधियों के प्रति असहयोगी या असंवेदनशील हो जाएं, तो लोकतांत्रिक जवाबदेही कमजोर पड़ सकती है। इसलिए संतुलन और संवाद दोनों आवश्यक हैं।

सोशल मीडिया ने इस पूरे विवाद को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया। आज किसी भी घटना का वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। यह पारदर्शिता का सकारात्मक पहलू है क्योंकि इससे सत्ता और प्रशासन दोनों की जवाबदेही बढ़ती है। लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है। अधूरी जानकारी, संपादित वीडियो और भावनात्मक प्रतिक्रियाएं कई बार वास्तविक तथ्यों को पीछे छोड़ देती हैं। सोशल मीडिया पर लोग अक्सर पहले निर्णय सुना देते हैं और बाद में तथ्यों की तलाश करते हैं। इसलिए ऐसे मामलों में संयमित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पत्रकारिता का उद्देश्य किसी पक्ष का प्रचार करना नहीं बल्कि तथ्यों को सामने लाना है। यदि मीडिया केवल सनसनी पर केंद्रित हो जाए और निष्पक्षता को छोड़ दे, तो समाज में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। लोकतंत्र में मीडिया को चौथे स्तंभ की संज्ञा इसलिए दी गई है क्योंकि उससे अपेक्षा की जाती है कि वह सत्ता, राजनीति और प्रशासन सभी की जवाबदेही सुनिश्चित करे। इस घटना की रिपोर्टिंग में भी मीडिया को तथ्यों, संदर्भों और सभी पक्षों के दृष्टिकोण को समान महत्व देना चाहिए।

जनमानस की प्रतिक्रिया से यह स्पष्ट है कि समाज अब सार्वजनिक जीवन में शालीनता और जवाबदेही की अपेक्षा करता है। लोग राजनीतिक दलों की विचारधाराओं में भिन्नता रख सकते हैं, लेकिन अधिकांश नागरिक यह मानते हैं कि लोकतंत्र में संवाद का स्तर गिरना नहीं चाहिए। विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन विरोध की भाषा और शैली भी लोकतांत्रिक होनी चाहिए। यदि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा व्यक्तिगत अपमान और शक्ति प्रदर्शन में बदल जाए, तो लोकतांत्रिक विमर्श का स्तर कमजोर पड़ जाता है।

शिक्षा का बाजारीकरण और छात्रों का भविष्य

महेन्द्र तिवारी

भारत में शिक्षा अब केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं रह गई है। यह धीरे धीरे एक विशाल व्यापार में बदल चुकी है। इस व्यापार का सबसे चमकदार और सबसे खतरनाक चेहरा निजी प्रतियोगी शिक्षण उद्योग है। शहरों की दीवारों से लेकर चलचित्र पटल तक हर जगह सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की मुस्कान, चयनित विद्यार्थियों की तस्वीरें और सफलता के बड़े बड़े दावे दिखाई देते हैं। ऐसा माहौल बना दिया गया है कि बिना इन संस्थानों के सफलता असंभव लगने लगती है। लाखों परिवार अपनी आर्थिक स्थिति से ऊपर उठकर बच्चों को इन केंद्रों में भेज रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि यही उनके भविष्य का एकमात्र रास्ता है।

सरकारी सर्वेक्षणों के अनुसार आज भारत में लगभग 27 से 33 प्रतिशत छात्र किसी न किसी प्रकार की निजी शिक्षा ले रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में यह संख्या और अधिक है। दिल्ली जैसे शहरों में लगभग 39 प्रतिशत छात्र इन संस्थानों से जुड़े हुए पाए गए हैं। यह आंकड़ा केवल शिक्षा की स्थिति नहीं बताता बल्कि उस मानसिक दबाव को भी दिखाता है जिसमें समाज जी रहा है। विद्यालयों और महाविद्यालयों पर भरोसा कम हुआ है और इन व्यापारिक केंद्रों को सफलता का संक्षिप्त मार्ग मान लिया गया है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस उद्योग का बड़ा हिस्सा शिक्षा से ज्यादा विपणन पर टिका हुआ है। आज आभासी माध्यमों से छात्रों को जोड़ने का काम बड़े स्तर पर किया जा रहा है। एक प्रतिवेदन के अनुसार लगभग 62 प्रतिशत प्रवेश अब अंतर्जाल आधारित प्रचार के माध्यम से हो रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि शिक्षा अब विज्ञापन और पहचान निर्माण के उसी प्रतिरूप पर चल रही है जिस पर कोई बड़ा व्यावसायिक प्रतिष्ठान चलता है। फर्क केवल इतना है कि यहां उत्पाद कोई वस्तु नहीं बल्कि छात्रों का भविष्य है।

इन संस्थानों की सबसे बड़ी चाल उनका चयन प्रदर्शन होता है। हजारों और लाखों छात्रों की भीड़ में यदि 5 या 10 छात्रों का चयन हो जाए, तो वही चेहरे हर विज्ञापन पट्ट पर दिखाई देने लगते हैं। ऐसा माहौल तैयार किया जाता है कि हर छात्र को लगे कि अगला चेहरा उसी का होगा। लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि बाकी हजारों छात्रों का क्या हुआ। वे छात्र जो वर्षों तक शुल्क भरते रहे, जो किराये के कमरों में रहकर तैयारी करते रहे, जिनके परिवार कर्ज में डूब गए, उनका संघर्ष किसी विज्ञापन में जगह नहीं पाता।

यहां सबसे बड़ा खेल संख्या का है। कुछ संस्थान कम शुल्क रखकर गरीब और मध्यमवर्गीय छात्रों की भारी भीड़ जुटाते हैं। 1000 या 2000 रुपये का शुल्क सुनकर छात्रों को लगता है कि उन्हें बहुत बड़ा अवसर मिल रहा है। लेकिन जब ऐसे लाखों छात्र जुड़ते हैं तो यही छोटी रकम करोड़ों का कारोबार बना देती है। कम शुल्क का मतलब सेवा भावना नहीं होता। कई बार यह भीड़ इकट्ठा करने की रणनीति होती है। जितनी बड़ी भीड़, उतना बड़ा मुनाफा और उतनी ही बड़ी सफलता की कहानी।

विडंबना यह है कि छात्र मेहनत अपनी करते हैं लेकिन श्रेय पूरा संस्थान ले जाता है। यदि कोई छात्र सफल हो जाए, तो संस्था कहती है कि यह उसकी शिक्षा का परिणाम है। लेकिन यदि लाखों छात्र असफल हो जाएं तो उसकी जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। असफल छात्र को कहा जाता है कि उसने पर्याप्त मेहनत नहीं की। इस तरह सफलता संस्थान की और असफलता छात्र की बना दी जाती है।

बोध कथा

महानता और संपूर्णता का आधार है संतुलित जीवन

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। राजपुर नामक एक सुंदर राज्य में अर्जुन नाम का एक बुद्धिमान व्यापारी रहता था। वह अपने व्यापार में अत्यंत सफल था, लेकिन उसे हमेशा अधिक धन कमाने की लालसा रहती थी। इसी कारण, वह दिन-रात काम करता और अपने परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक जीवन की उपेक्षा करता था। एक दिन, वह एक संत के पास पहुंचा और बोला, 'महाराज, मैंने जीवन में बहुत धन कमाया है, लेकिन फिर भी मन अशांत रहता है। कृपया मुझे शांति का मार्ग दिखाएं। संत मुस्कुराए और उसे एक जलपात्र दिया, जो पानी से भरा हुआ था। उन्होंने अर्जुन से कहा, इसे लेकर इस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चलो, लेकिन ध्यान रहे कि एक भी बूंद पानी गिरे नहीं। अर्जुन बहुत सावधानी से चलने लगा। जब वह संत के पास लौटा तो संत ने पूछा- क्या तुमने रास्ते के सुंदर पेड़, चहकते पक्षी और ठंडी हवा का आनंद लिया? अर्जुन ने उत्तर दिया- नहीं महाराज, मैं तो केवल इस पात्र को संभालने में लगा रहा, ताकि पानी गिर न जाए। संत मुस्कुराए और बोले- यही तुम्हारी समस्या है। तुम केवल धन कमाने में इतने व्यस्त हो कि जीवन के बाकी पहलुओं का आनंद नहीं ले पा रहे। जीवन में सच्ची शांति और आनंद पाने के लिए, संतुलन आवश्यक है - कार्य, परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता में समरसता होनी चाहिए। अर्जुन को अपनी भूल का अहसास हुआ। उसने निश्चय किया कि अब वह केवल धन ही नहीं, बल्कि अपने परिवार, स्वास्थ्य और आत्मिक शांति का भी ध्यान रखेगा। कहने का भाव यही है कि जीवन में जब हम हर पहलु और पक्ष का ध्यान रखते हैं, जीवन के उतार-चढ़ाव के बीच साक्षी भाव से जीवन में घटने वाली हर परिस्थिति में समान रहते हैं।

तीर तेवर — सागर कुमार

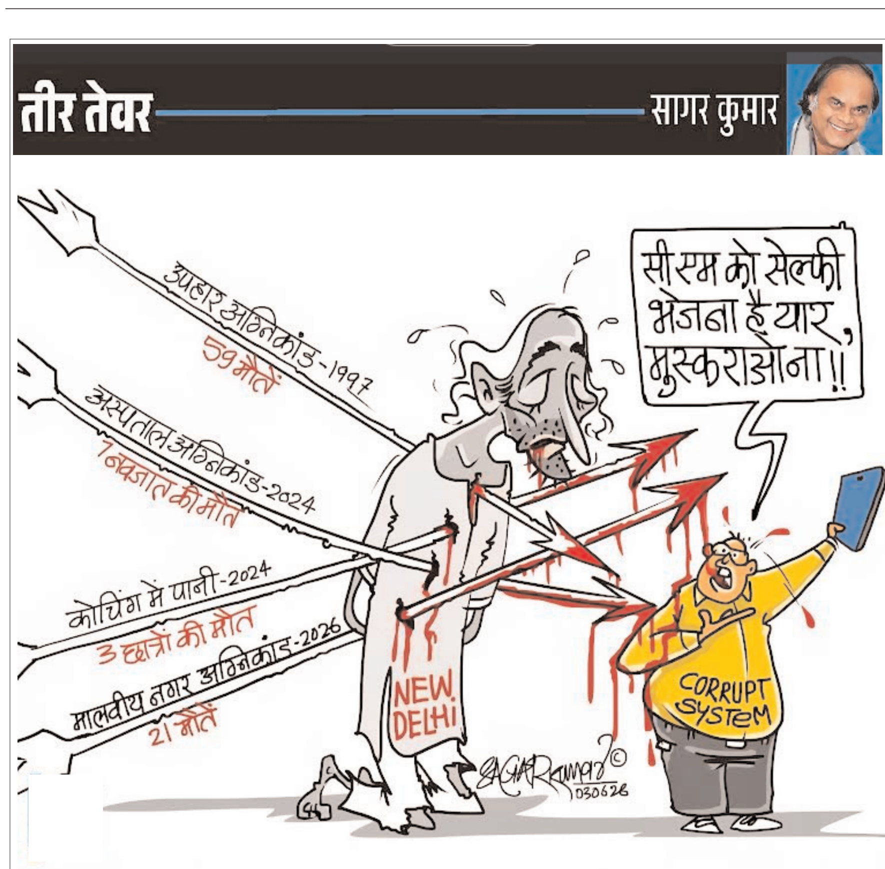

व्यंग्य केसरी

जय हो छद्म पुरस्कारों की..

साकार श्रीवास्तव

अटपटेलाल जी को बचपन से तुकबंदी करने का शौक़ था। लिखते तो किसी को सुनाए, बिना उन्हें चैन नहीं मिलता। सो कुछ न कुछ समय-असमय, जगह -बेजगह बस! कोई मिला और अपनी रचना सुनाना शुरू कर देते। पास के सगे अपने और दूर के सम्बन्धी ,आस-पड़ौस, यार-दोस्त सभी इनसे परेशान रहते। अब तो जब अटपटेलाल छोटे से बड़े भी हो गए लेकिन उनकी यह बीमारी भी सत्यनारायण जी की कथा में शुक्ल पक्ष के चाँद की तरह कलावती -सी बढ़ती जा रही थी। यहाँ तक कि उनके मिलने वाले भी उन्हें देख कर कन्नी काट जाते। वो यहाँ तो लोग वहाँ।

उनको अपनी शायरी पर बड़ा गुमान था या यूँ कहें उनको मुगालता था कि वो बहुत बड़े शायर हो गए हैं। इतना ही नहीं, उनको पुख्ता यक़ीन भी हो गया कि एक दिन पद्म पुरस्कार तो मिल ही जाएगा। सोशल मीडिया के इस युग में जब खरपतवार की तरह उग आए साहित्यिक पटल और संस्थाएँ सब ओर छायी हुई हैं तो अटपटेलाल की तो पौ बारह हो गए। जितने भी पटल हैं उन पर रचनाएँ भेजते और यदि फ़ेसबुकिया पटल पर रचनाएँ पढ़ने का मौक़ा मिलता,तो कभी नहीं चूकते। पटलवाले भी ए आई से तैयार सुंदर सम्मान पत्र ऑनलाइन भेज देते। 'हींग लगे न फिटकरी रंग भी चोखो आए'। उन्हें कभी 'साहित्यश्री' कभी 'साहित्य पंडित', 'साहित्य महारथी' जैसे सम्मान उपाधियों से नवाज़ देते। अटपटे लाल को मानो बेरी का झाड़ मिल गया। कुछ संस्थाएँ तो सम्मान /पुरस्कार के शुल्क भी वसूलने लगीं। ऐसे ही एक संस्था ने मोटी फ़ीस और साधारण सा साक्षात्कार लेकर ऑनलाइन डॉक्टरेट की उपाधि से भी अलंकृत कर दिया। वो अटपटेलाल जिन्होंने बीए भी पाँच साल में थर्ड डिविजन से पास किया था,अपने नाम के साथ डॉक्टर लगाने लगे। सीना तान कर अपना नाम डॉ. अटपटेलाल बताने लगे। पद्म पुरस्कार का सपना छद्म पुरस्कार से जो साकार हो गया था।

वो रचनाएँ जिन्हें कोई सुनना भी पसंद नहीं करता था, उनका संग्रह भी पुस्तक रूप में छप कर आ गया। आलीशान होटल में शानदार डिनर के साथ विमोचन भी हुआ। पान खाए, लाल-पीले दांतों के साथ खींसे निपोरते हँसते हुए, फ़ोटो भी खींचे गए। पत्रकारों का हुजूम, जिन्हें बाद में लिफ़ाफ़े दिए गए मौजूद था। दूसरे दिन अख़बारों में अच्छा- खास कवरेज मिला।। मोटे अक्षरों में खबर थी साहित्यश्री, साहित्य पंडित, साहित्य महारथी, साहित्य भूषण, कर्मयोगी डॉ अटपटेलाल जी की बहुप्रतीक्षित पुस्तक का माननीयजी द्वारा विमोचन।

जब से उन्हें इन पुरस्कार बाँटने वाली संस्थाओं का सुराग मिला है वो भी इस धंधे में उतरने के लिए कमर कस कर तैयार हो गए हैं। 2-4 व्यापारीनुमा साहित्यकारों के साथ मिल कर उन्होंने भी सशुल्क सम्मान बाँटने का स्टार्टअप शुरू किया है। उनका धंधा चल निकला है. संस्था मुनाफ़े में है। अपने जैसे सैंकड़ों अटपटेलालों को डॉक्टर बनाने में लगे हैं। अटपटेलाल जी ने सम्मान पाने में जो पूँजी लगाई थी,अब ब्याज सहित पा रहे हैं।...जय हो छद्म पुरस्कारों की।

इतिहास

4 जून को इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं। 1989 में आज ही के दिन चीन में तियानमेन स्क्वायर नरसंहार हुआ था, जहां लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर सेना ने कार्रवाई की थी। वहीं 1896 में आज ही के दिन हेनरी फोर्ड ने अपनी पहली सफल 'फोर्ड क्वाड्रिसाइकल' चलाई थी, जो आधुनिक ऑटोमोबाइल युग की शुरुआत थी।इतिहास के पन्नों में 4 जून की कुछ अन्य प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं:विश्व और राष्ट्रीय इतिहास (4 जून)1784: एलिज़ाबेथ थिबल ने फ्रांस में पहली बार फ्री-हॉट एयर बैलून में उड़ान भरी और वे ऐसा करने वाली इतिहास की पहली महिला बनीं। 1896: हेनरी फोर्ड ने डेट्रॉइट में अपनी पहली कार 'फोर्ड क्वाड्रीसाइकिल' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। 1919: अमेरिकी कांग्रेस ने महिलाओं को मतदान का अधिकार देने वाले '19वें संशोधन' को मंजूरी दी।

संक्षिप्त खबरें

6 जून को महात्मा गांधी कला मंदिर में सजेगी ग़ज़लों की महफ़िल

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र की स्मृति को समर्पित विशेष सांस्कृतिक संध्या 'एक शाम बशीर बद्र के नाम' का आयोजन 06 जून 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर में सायं 7:30 बजे से किया जाएगा। ग़ज़ल, संगीत और साहित्य की समृद्ध परंपरा को समर्पित यह आयोजन सांस्कृतिक एवं साहित्यिक रसिकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध ग़ज़ल गायिका डॉ. साधना रहाटगांवकर, युवा ग़ज़ल गायक परन राज भाटिया तथा अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त भजन एवं ग़ज़ल गायक प्रभंजय चतुर्वेदी अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भावविभोर करेंगे। इस अवसर पर पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र की कालजयी रचनाओं एवं लोकप्रिय ग़ज़लों की संगीतमय प्रस्तुति के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। संगत के लिए इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के ख्यातिलब्ध कलाकारों के साथ-साथ भिलाई के राष्ट्रीय स्तर के कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत, ग़ज़ल गायन और साहित्यिक अभिव्यक्ति का समन्वय देखने को मिलेगा। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने नगरवासियों, साहित्य प्रेमियों एवं संगीत रसिकों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने की अपील की है। कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा।

महादेव एप मनी लॉन्ड्रिंग मामला : हाईकोर्ट ने दी फ्रीज शेयर बेचने की अनुमति

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप और मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी कंपनियों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा फ्रीज किए गए करीब 423 करोड़ रुपए मूल्य के शेयरों और डीमैट खातों की वैल्यू सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। साथ ही कहा है कि शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहता है और यदि फ्रीज किए गए शेयरों की कीमत गिरती है तो इससे भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है।

जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच ने अपने दिए गए फैसले में कंपनियों को यह छूट दी है कि वे फ्रीज किए गए शेयरों को बेचकर प्राप्त रकम को ईडी की निगरानी में सुरक्षित म्यूचुअल फंड या सरकारी सिक्योरिटीज में निवेश कर सकती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पूरी राशि ईडी के नियंत्रण में ही रहेगी और कंपनियां उसे निकाल नहीं सकेंगी। बता दें कि ईडी ने वर्ष 2022 में महादेव ऑनलाइन बुक सट्टा एप मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। जांच के दौरान एजेंसी को जानकारी मिली कि सट्टेबाजी से अर्जित कथित अवैध धन को कोलकाता के कारोबारी हरि शंकर टिबरेवाल और सूरज चोखानी के माध्यम से विभिन्न कंपनियों में निवेश किया गया। ईडी के मुताबिक इस रकम का इस्तेमाल शेयर बाजार में निवेश के लिए किया गया था। इसके बाद 28 फरवरी 2024 को ईडी ने कार्रवाई करते हुए आठ कंपनियों के डीमैट और ट्रेडिंग खाते फ्रीज कर दिए थे। इन खातों में मौजूद शेयरों की कुल वैल्यू 29 फरवरी 2024 की स्थिति में करीब 423.60 करोड़ रुपये आंकी गई थी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि पीएमएलए कानून के तहत संपत्ति को फ्रीज या अटैच करने का उद्देश्य उसे सुरक्षित रखना होता है। केवल कागजी तौर पर अधिकार बनाए रखना पर्याप्त नहीं है।

डेढ़ साल की बच्ची को किनारे में छोड़कर गंगरेल बांध में महिला ने लगाई छलांग

धमतरी। पति की प्रताडऩा से तंग आकर गंगरेल बांध में महिला ने अपनी डेढ़ साल की बेटी को छोड़कर छलांग लगा दी, हालांकि राहत की बात ये रही कि आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह से महिला को बाहर निकाला और उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला की पहचान सतवंतीन निर्मलकर के रूप में हुई है, जो मूल रूप से पूरी गांव की रहने वाली है। महिला पिछले कुछ महीनों से नगरी के छिपलीपारा स्थित अपने मायके में रह रही थी। महिला का आरोप है कि उसका पति उसे लगातार प्रताड़ित करता था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान थी। इसी प्रताडऩा से तंग आकर महिला अपनी डेढ़ वर्षीय बच्ची को लेकर गंगरेल पहुंची और आत्महत्या का प्रयास किया। बच्ची को किनारे छोड़कर महिला पानी में उतर गई, लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने समय रहते उसे देख लिया और सुरक्षित बाहर निकाल लिया। फिलहाल महिला का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। मामले की जानकारी पुलिस को भी दे दी गई है और आगे की जांच की जा रही है।

बीएसपी ने 21,800 वर्गफीट भूमि को अतिक्रमण से कराया मुक्त

2026 के दौरान व्यापक अभियान चलाया गया

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रवर्तन विभाग द्वारा टाउनशिप क्षेत्र में अवैध कब्जों, अतिक्रमणों तथा नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध मई 2026 के दौरान व्यापक अभियान चलाया गया। अभियान के तहत आवासीय परिसरों, सार्वजनिक स्थलों तथा संयंत्र की मूल्यवान भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के साथ-साथ सड़क सुरक्षा, नगर सौंदर्यीकरण एवं सुव्यवस्थित शहरी प्रबंधन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई।

माहभर चले अभियान के दौरान सेक्टर-6 स्थित अनफिट ब्लॉकों के 40 आवासों से अवैध कब्जे हटाए गए। इसके अतिरिक्त टाउनशिप के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित 32 अन्य आवासों को भी अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया। प्रवर्तन विभाग ने 16 विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 21,800 वर्गफीट मूल्यवान भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया। इस कार्रवाई से भिलाई इस्पात संयंत्र की परिसंपत्तियों के संरक्षण तथा सुव्यवस्थित विकास को बल मिला है। अभियान के अंतर्गत टाउनशिप के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, विशेषकर सिविक सेंटर एवं पंथी चौक क्षेत्र में संचालित अवैध ठेलों एवं अस्थायी अतिक्रमणों को भी हटाया गया। इस दौरान अवैध रूप से संचालित खाद्य सामग्री के ठेलों को हटाकर यातायात व्यवस्था तथा सार्वजनिक सुविधाओं के सुचारु संचालन को सुनिश्चित किया गया। सड़क सुरक्षा एवं नगर सौंदर्यीकरण को ध्यान में रखते हुए प्रवर्तन विभाग ने 25 अवैध होर्डिंग संरचनाओं को ध्वस्त किया तथा विभिन्न क्षेत्रों से 975 अवैध बैनर एवं पोस्टर हटाए। इसके अतिरिक्त नियमों का उल्लंघन करने वाले आवासों, दुकानों एवं अन्य परिसरों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 53 विद्युत कनेक्शन विच्छेदित कराने में भी विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह संपूर्ण अभियान महाप्रबंधक प्रभारी, नगर सेवाएं विभाग, श्री ए. बी. श्रीनिवास के निर्देशन में संचालित किया गया। अभियान का नेतृत्व सहायक महाप्रबंधक, प्रवर्तन विभाग, श्री रेमी थॉमस ने किया। कार्रवाई के सफल संचालन में सहायक प्रबंधक, प्रवर्तन विभाग, श्री मुकुंद दास मानिकपुरी, संपदा निरीक्षक श्री राममूर्ति, श्री रमाकांत यादव, श्री भगवान, श्री बलराम शुक्ला, श्री ललन सिंह, श्री अजय मिश्रा, श्री ज्ञानचंद जैन एवं श्री राम सहित प्रवर्तन विभाग के पुरुष एवं महिला सुरक्षा कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रवर्तन विभाग द्वारा अवैध कब्जाधारियों एवं नियम उल्लंघनकर्ताओं को लगातार चेतावनी एवं जागरूकता संबंधी नोटिस जारी किए जा रहे हैं। विभाग ने पुनः अपील की है कि संबंधित व्यक्ति संभावित आर्थिक नुकसान एवं प्रशासनिक कार्रवाई से बचने के लिए स्वयं ही अवैध कब्जे तथा निर्माण सामग्री हटाकर भिलाई इस्पात संयंत्र के नियमों का पालन सुनिश्चित करेंगे।

सीसीपीएल सीजन-3 : छत्तीसगढ़ी भाषा में होगी रनिंग कॉमेंट्री

धमतरी। छत्तीसगढ़ के खेल इतिहास में एक नया गोल्डनिम चैप्टर शामिल हो रहा है। जब क्रिकेट की पिच पर शैल्फ-चक्कों की बॉल होगी, तब स्टेडियम से लेकर टीवी स्क्रीन तक हमारी अपनी माटी की 'गुरूतुर' बोली का जादू। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ (सीएससीएस) द्वारा आयोजित होने वाले बहुप्रतिष्ठित छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) सीजन-3 में इस बार कमेंट्री बॉक्स से इतिहास रचा जाएगा। कुरुद क्षेत्र के गौरव और बहुप्रतिभाशाली प्रतिभा के धनी रिच देवांगनको की टिप्पणी इस बड़े मंच पर लाइव छत्तीसगढ़ी करने के लिए आधिकारिक तौर पर चुनी गई है।

छत्तीसगढ़ी बोली और संस्कृति को ग्लोबल मंच पर प्रोमोट करने के लिए सीएससीएस ने पूरे प्रदेश से आवेदन आमंत्रित किया था। क्लासिकल के बीच में अमूर्त की खेल की झलकियां और दर्शकों की टिप्पणियों के आक्षेपों की जांच की गई। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ की निर्णायक जूरी ने मिर्ज़ा स्कूल भाठागांव के खेल शिक्षक और सीएससीएस रायशा देवांगन के साहस पर अपनी अंतिम छाप छोड़ी। अब अंतरराष्ट्रीय स्तर के हिंदी टिप्पणीकारों के साथ सुर में दुनिया भर के खेल प्रेमी जनता तक छत्तीसगढ़ी भाषा का गौरव पहुंचाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर का अनुभव है

हरीश देवांगन केवल शब्दों के जादूगर नहीं हैं, बल्कि खेल की गरिमा के भी गुण हैं। स्कूल गेम फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया (एसजीएफआई) के राष्ट्रीय क्रिकेट अंपायर हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश, मुंबई, इंदौर, कोलकाता और हैदराबाद जैसे बड़े शहरों में अंपायरिंग और कमेंट्री का अनुभव शामिल है। इतना ही नहीं, दुबई में आयोजित इंडियन जूनियर प्रीमियर लीग में भी वे कोच के रूप में भारत के प्रतिनिधि बने हुए हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केशकाल में पदस्थ शराबी डॉक्टर ने किया जमकर हंगामा

कोंडागांव। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केशकाल में पदस्थ शराबी डॉक्टर के हंगामें का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शराबी डॉक्टर शैलेंद्र भोयर (37) पर शराब के नशे में ड्यूटी करने और अटेंडरों से बदसलूकी करने का आरोप है। यह भी आरोप है कि नशे में धुत डॉक्टर ने मरीज का इलाज करने से मना कर दिया। वहीं, मीडिया के लोगों से हाथापाई करने की कोशिश करता दिखा। इस दौरान मौके पर पंहुचे ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर डीके बिसेन के सामने बैठकर वह हंसते नजर आया।

शराबी डॉक्टर से पीडित वसीम मेमन ने बताया कि वह अपने बीमार पिता का इलाज कराने अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने डॉक्टर शैलेंद्र भोयर से इलाज करने का निवेदन किया तो डॉक्टर भड़क गया और वसीम के साथ बदसलूकी करते हुए मारपीट करने का प्रयास कियाा। इसके बाद अटेंडर ने मामले की जानकारी केशकाल बीएमओ डॉ. डीके बिसेन को फोन पर दी।

इस दौरान मीडियाकर्मी भी अस्पताल पहुंचे, तो डॉक्टर उनके साथ भी हाथापाई करने की कोशिश की। वहीं, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई। इस दौरान वह पुलिसकर्मियों से छुड़ाकर जाने की कोशिश करता नजर आया। इस पूरे मामले में वसीम मेमन थाने में आरोपी डॉक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने जांच कर रही है।

कौशलनार में गहराया पेयजल संकट नाले का पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

बीजापुर। जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक अंतर्गत स्थित कौशलनार गांव भले ही नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुका हो, लेकिन आज भी यहां के ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कठिन जीवन जीने को मजबूर हैं। गांव की सबसे बड़ी समस्या पेयजल को लेकर सामने आ रही है, जहां लोग साफ पानी के लिए रोजाना संघर्ष कर रहे हैं। हालात इतने खराब हैं कि ग्रामीणों को नाले के किनारे रेत हटाकर निकलने वाले पानी को पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

गांव में लगभग 50 से अधिक परिवार रहते हैं, गर्मी बढने् के साथ ही सभी हैंडपंप और दूसरे जल स्त्रोत लगभग सूख चुके हैं। ऐसे में ग्रामीण सुबह-सुबह बर्तन लेकर नाले के पास पहुंचते हैं और रेत हटाकर धीरे-धीरे इकट्ठा होने वाले पानी को भरकर अपने घर ले जाते हैं। ये प्रक्रिया स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन चुकी है। गांव में पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। लिहाजा जिस जल स्त्रोत से ग्रामीण पानी पीते हैं,उसी से मवेशी भी पानी पीते हैं। यानी एक ही जगह का पानी मवेशी और इंसान दोनों ही पी रहे हैं. इस कारण से गंभीर संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। स्थानिय ग्रामीण कवसी नंदा ने बताय कि गंदा पानी पीने के कारण बच्चों और बुजुर्गों में पेट संबंधी बीमारियां आम हो गई हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से कई बार स्थायी समाधान की मांग की गई है। यदि समय रहते शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

परिवहन समितियों से परेशान 150 वाहन मालिक प्रशासन को अपना वाहन सौंपेंगे

जगदलपुर। बस्तर जिले के जगदलपुर में स्थित नगरनार प्लांट में परिवहन समितियों की अनियमितता से परिवहन व्यवसायी परेशान हो गये है। परिवहन व्यवसाईयों का कहना है कि एक पाई जोड़कर परिवहन का व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए फाइनेंस में वाहन खरीदा गया था। अब उस वाहन का क़िस्त पटाने के लिये भी उनके पास कोई विकल्प नही बचा है। इसे लेकर 150 से अधिक वाहन मालिकों ने समितियों से परेशान होकर गुरूवार को बैठक कर जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन को पत्र लिखकर अवगत कराया है। बैठक में सभी वाहनों के मालिकों ने 15 दिवस के भीतर सभी अनियमितताओं को ठीक करने की गुहार लगाई है, साथ ही यह निर्णय लिया कि यदि 15 दिवस में व्यवस्था दुरुस्त नही होने पर वाहन मालिक जिला प्रशासन को अपनी वाहन सौंप देंगे। नगरनार प्लांट से परिवहन हेतु जय झाड़ेश्वर परिवहन समिति, बस्तर परिवहन संघ, बस्तर ट्रेलर - ट्राला संघ, परिवहन का कार्य कर रहीं है।

जिसके अंतर्गत अनेको वाहन परिवहन कार्य मे लगे हुए है, लेकिन इन परिवहन समितियों के कार्य प्रणाली के कारण वाहन मालिकों को अब अपनी वाहन चलाने में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन सभी विषयों को ले कर 150 से अधिक वाहन मालिकों ने समितियों से परेशान होकर आज गुरूवार को बैठक कर बस्तर सांसद, जगदलपुर विधायक एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सहित जिला प्रशासन, को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि (1) पैनल में चल रही वाहनों का संचालन सही ढंग से नही किया जा रहा है। (2) समितियों द्वारा तय निर्धारित दर पर गाडी मालिको को भाड़ा नही दिया जा रहा है। (3) समितियों द्वारा निर्धारित की गई समय सीमा के अंदर वाहन मालिकों को भाड़ा नही दिया जा रहा है।

नवा तरिया और आजीविका डबरी से मजबूत होगा जल संरक्षण का आधार

एमसीबी। जिले में जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के समन्वय में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत जिलेभर में 40 से अधिक नवीन तालाब (नवा तरिया) तथा लगभग 300 आजीविका डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत कराए गए हैं, जिन्हें जून 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन जल संरचनाओं के निर्माण से वर्षा जल का व्यापक स्तर पर संग्रहण संभव होगा, जिससे भविष्य में जल संकट की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद मिलेगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य केवल जल संरचनाओं का निर्माण करना नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुरक्षा और सतत विकास की मजबूत नींव तैयार करना है।

खेतों में बढ़ेगी सिंचाई, सुधरेगा भू-जल स्तर

नवा तरिया एवं डबरी निर्माण से वर्षा का पानी गांवों में ही संरक्षित होगा, जिससे भू-जल स्तर में सुधार आएगा और सिंचाई के लिए अतिरिक्त जल स्त्रोत उपलब्ध होंगे। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा तथा फसल उत्पादन बढने् की संभावना भी मजबूत होगी। विशेष रूप से छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए आजीविका डबरी महत्वपूर्ण साबित होगी। किसान अपने खेतों में वर्षा जल का संग्रहण कर आवश्यकता पडने् पर सिंचाई कर सकेंगे, जिससे खेती अधिक लाभकारी और टिकाऊ बन सकेगी।

राजनांदगांव जिला चिकित्सालय प्रदेश में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में अग्रणी : डॉ. सिंह

6.42 करोड़ रुपए के स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मजबूत अधोसंरचना विकसित की गई है। विधानसभा अध्यक्ष ने जिला चिकित्सालय राजनांदगांव में स्वास्थ्य अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के लिए 6 करोड़ 42 लाख 70 हजार रुपए की लागत से किए गए विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने 3 करोड़ 56 लाख 70 हजार रुपए की लागत से निर्मित जिला चिकित्सालय भवन के प्लिंथ अपग्रेडेशन एवं ऊंचाई विस्तार कार्य का लोकार्पण तथा 2 करोड़ 86 लाख रुपए की लागत से बनने वाले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

6.42 करोड़ रुपए के स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने राजनांदगांव जिला चिकित्सालय की अग्रणी भूमिका

जिला चिकित्सालय एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने वाले मरीजों की सकारात्मक प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सक्रियता और सजगता के साथ कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राजनांदगांव जिला चिकित्सालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है। 6.42 करोड़ रुपए के स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

जिला चिकित्सालय में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराए जा रहे हैं

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि शिशु मृत्यु दर एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाना स्वास्थ्य विभाग की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। राजनांदगांव जिले में इस दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जिले की मातृ मृत्यु दर राज्य के औसत से कम होना एक सुखद संकेत है। उन्होंने जिला चिकित्सालय में छत मरम्मत, लिफ्ट सुधार कार्य, जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से दो स्त्री रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति, डेंटल एक्स-रे मशीन एवं सेपरेटर मशीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने की घोषणा की। साथ ही राज्य बजट से अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया।

6.42 करोड़ रुपए के स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि जिला चिकित्सालय अब नए स्वरूप और आधुनिक सुविधाओं के साथ जिलेवासियों को समर्पित हुआ है। उन्होंने चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि अस्पताल में आवश्यक उन्नयन कार्यों के पूर्ण होने से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय में सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

कार-बोलेरो की आमने-सामने भिड़ंत में पांच घायल

जगदलपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर ग्राम चपका के पास दो वाहनों में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें 112 नंबर की मदद से भानपुरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। भानपुरी थाना प्रभारी हर्ष धुरंधर ने बताया कि कार सवार रायपुर से आंध्रप्रदेश की ओर किसी काम से जा रहे थे। वहीं, बोलेरो चालक जगदलपुर से फरसागुड़ा की तरफ आ रहा था।

जैसे ही दोनों वाहन ग्राम चपका के पास दोनों वाहनों में आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस भिड़ंत में कार और बोलेरो में सवार कुल पांच लोगों को गंभीर चोटें आई है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम और भानपुरी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सड़क के बीचों-बीच खड़ी क्षतिग्रस्त गाड़ियों को तत्काल किनारे हटाया गया। घटना के बाद सभी पांच घायलों की स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है। उन्हें भानपुरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बेहतर उपचार प्रदान किया जा रहा है।

भारतीय शेयर बाजार करीब सपाट बंद, एनर्जी और कंज्यूमर स्टॉक्स में रही तेजी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में करीब सपाट बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 13.84 अंक की मामूली तेजी के साथ 74,360.01 और निफ्टी 10.95 अंक की बढ़त के साथ 23,416.55 पर था।

सत्र के दौरान लार्जकैप में सीमित दायरे में कारोबार हुआ, लेकिन मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 279.45 अंक या 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 60,966.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 89 अंक या 0.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,121.05 पर बंद हुआ।

सूचकांकों में निफ्टी मीडिया 2.19 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.18 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 0.62 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.47 प्रतिशत, निफ्टी कंजप्शन 0.45 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.41 प्रतिशत और निफ्टी फार्मा 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। वहीं, निफ्टी मेटल 0.73 प्रतिशत, निफ्टी आईटी 0.29 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 0.21 प्रतिशत और निफ्टी इन्फ्रा 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में टाइटन, इटरनल, आईटीसी, टेक महिंद्रा, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक,बीईएल, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स और एचडीएफसी बैंक गेनर्स थे।

इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एचयूएल, सन फार्मा, एलएंडटी, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, पावर ग्रिड और ट्रेंट लूजर्स थे।

एसबीआई सिक्योरिटीज के फंडामेंटल रिसर्च के प्रमुख सन्नी अग्रवाल ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सुस्त रुख के साथ बंद हुए, क्योंकि निवेशकों ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 5 जून, 2026 को घोषित की जाने वाली मौद्रिक नीति से पहले सतर्कता बरती।

उन्होंने आगे कहा कि निफ्टी और सेंसेक्स दिन भर सीमित दायरे में कारोबार करते रहे, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पूंजीगत वस्तुएं, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स, बैंकिंग और एनर्जी शेयरों में खरीदारी ने गिरावट को सहारा दिया।

हालांकि, आईटी और मेटल शेयरों में लगातार कमजोरी ने किसी भी महत्वपूर्ण तेजी को सीमित कर दिया।

व्यापक बाजारों ने प्रमुख सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में बढ़त दर्ज की गई।

जो नीति संबंधी अनिश्चितता के बीच चुनिंदा जोखिम लेने की प्रवृत्ति और विशिष्ट शेयरों में खरीदारी का संकेत देती है।

भारत में बढ़ी अमीर लोगों की संख्या, उच्च संपत्ति वाले व्यक्तियों की आबादी 3 प्रतिशत बढ़ी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में उच्च संपत्ति वाले व्यक्तियों यानी हाई-नेट-वर्थ इंडिविजुअल (एचएनडब्ल्यूआई) की संख्या वर्ष 2025 में सालाना आधार पर 3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 3.9 लाख हो गई। वहीं, इन लोगों की कुल वित्तीय संपत्ति 4.6 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.64 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई।

कैपजेमिनी रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में निवेशकों की प्राथमिकताओं में बदलाव देखने को मिल रहा है। अब निवेशक व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार निवेश समाधान, वैकल्पिक निवेश विकल्पों और एआई-आधारित वेल्थ मैनेजमेंट सेवाओं पर अधिक ध्यान दे रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2025 में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रही और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस वृद्धि को विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन का समर्थन मिला।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में दुनिया भर के उच्च संपत्ति वाले लोगों की कुल संपत्ति में तेज वृद्धि हुई। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में संपत्ति 10.5 प्रतिशत और एचएनडब्ल्यूआई आबादी 9.4 प्रतिशत बढ़ी, जो दुनिया में सबसे अधिक रही।

जापान और चीन इस मामले में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल रहे। जापान में 4.36 लाख और चीन में 1.54 लाख नए करोड़पति जुड़े। वहीं भारत और ऑस्ट्रेलिया में भी वृद्धि दर्ज की गई, जहां एचएनडब्ल्यूआई की संख्या क्रमशः 11,300 और 18,100 बढ़ी।

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 में वैश्विक उच्च संपत्ति वाले लोगों की कुल संपत्ति 8.7 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 98.3 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गई, जो वर्ष 2018 के बाद एक साल में हुई सबसे बड़ी वृद्धि है।

मजबूत शेयर बाजार और महंगाई में कमी के चलते वर्ष 2025 में अमीरों की संपत्ति में तेजी से बढ़ोतरी हुई, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक स्तर पर करोड़पतियों की संख्या लगभग 20 लाख बढ़कर 2.53 करोड़ हो गई।

डॉलर में कमजोरी और भू-राजनीतिक तनाव के बीच सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। डॉलर में कमजोरी और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण कमोडिटी बाजार में गुरुवार के कारोबारी सत्र में कीमती धातुओं (सोने-चांदी) की कीमतों में तेजी देखने को मिली। वहीं, निवेशक अमेरिका और ईरान के बीच संभावित कूटनीतिक समाधान से जुड़े घटनाक्रमों पर भी नजर बनाए हुए हैं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 5 अगस्त डिलीवरी वाला सोने का वायदा भाव खबर लिखे जाने तक (दोपहर 12.31 बजे के करीब) 646 रुपए यानी 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,59,165 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था।

कारोबार के दौरान पीली धातु में और तेजी आई तथा यह 981 रुपए या 0.61 प्रतिशत बढ़कर दिन के उच्चतम स्तर 1,59,500 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई। वहीं, इसका दिन का निचला स्तर 1,58,701 रुपए रहा, जो पिछले बंद भाव से 182 रुपए या 0.11 प्रतिशत अधिक था।

दूसरी ओर, 3 जुलाई डिलीवरी वाली चांदी का वायदा भाव 1,366 रुपए या 0.51 प्रतिशत बढ़कर दिन के उच्चतम स्तर 2,64,324 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। हालांकि बाद में सफेद धातु में कुछ कमजोरी देखने को मिली और यह 667 रुपए या 0.25 प्रतिशत गिरकर 2,62,291 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखी। सत्र के दौरान इसका निचला स्तर 2,61,596 रुपए रहा।

दिन की शुरुआत में एमसीएक्स पर सोना 1,59,366 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,63,146 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर खुली थी।

विश्लेषकों का कहना है कि सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग और भू-राजनीतिक अनिश्चितता की वजह से कीमती धातुओं को समर्थन मिल रहा है। हालांकि, तेजी के मजबूत संकेतों के लिए कीमतों को प्रमुख प्रतिरोध स्तरों के ऊपर टिकना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, एमसीएक्स सोने के लिए रेजिस्टेंस लेवल लगभग 1,57,300 से 1,57,400 रुपए के बीच है, जबकि चांदी के लिए यह 2,66,000 से 2,67,000 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास माना जा रहा है। हाल के सैन्य घटनाक्रमों ने निवेशकों को सतर्क बनाए रखा है। अमेरिकी सेना ने बताया कि बहरीन, कुवैत और अन्य क्षेत्रीय ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए ईरानी मिसाइल हमले या तो रोक दिए गए या फिर अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके।

ऊर्जा संकट के बावजूद भारतीय कंपनियों के मुनाफे में हुई 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2026 का समापन मजबूत प्रदर्शन के साथ किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीएसई 500 कंपनियों के शुद्ध मुनाफे यानी कर पश्चात लाभ (पीएटी) में वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछली तिमाही के प्रदर्शन के लगभग समान रही।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत राजस्व वृद्धि, विभिन्न क्षेत्रों की व्यापक भागीदारी, स्वस्थ नकदी प्रवाह और मजबूत बैलेंस शीट ने वित्त वर्ष 2027 के लिए आय वृद्धि की संभावनाओं को और बेहतर बनाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, गैर-वित्तीय कंपनियों की आय में तेजी आई है। इन कंपनियों की कुल राजस्व वृद्धि बढ़कर 12.3 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछली तिमाही में यह 9.2 प्रतिशत थी।

हालांकि परिचालन लाभ मार्जिन (ईबीआईटीडीए मार्जिन) मामूली रूप से घटकर 16.4 प्रतिशत रह गया, लेकिन कंपनियों की कमाई की गुणवत्ता मजबूत बनी रही, जो भारतीय कॉरपोरेट क्षेत्र की बुनियादी मजबूती को दर्शाती है।

रिपोर्ट में बताया गया कि चौथी तिमाही के दौरान विभिन्न कंपनियों और क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर वृद्धि देखने को मिली। बीएसई 500 की लगभग 59 प्रतिशत कंपनियों ने अपने मुनाफे में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की, जबकि 39 प्रतिशत कंपनियों की आय में 25 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही की तुलना में बड़ा सुधार है और यह दर्शाता है कि कमाई में सुधार केवल कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक स्तर पर देखने को मिल रहा है।

कॉरपोरेट आय बाजार की अपेक्षाओं से भी बेहतर रही। निफ्टी की 48 प्रतिशत कंपनियों ने अनुमान से बेहतर नतीजे दिए, जबकि पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 32 प्रतिशत था। इससे संकेत मिलता है कि कंपनियों की बुनियादी स्थिति अनुमान से अधिक मजबूत बनी हुई है।

उपभोक्ता विवेकाधीन (कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी) क्षेत्र की कंपनियां सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहीं। इस क्षेत्र की आय में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे उपभोक्ता मांग में सुधार और खर्च बढ़ने का समर्थन मिला।

उपभोक्ता आवश्यक वस्तु (कंज्यूमर स्टेपल्स) क्षेत्र में 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई।

भारत का क्रूड स्टील का उत्पादन मई में 14.21 मिलियन टन रहा : केंद्र

नई दिल्ली। भारत के स्टील सेक्टर में मई वृद्धि देखने को मिली है और क्रूड स्टील का उत्पादन सालाना आधार पर 2.9 प्रतिशत बढ़कर 14.21 मिलियन टन हो गया है। यह जानकारी सरकार की ओर से गुरुवार को दी गई।

होट मेटल के उत्पादन में 2.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिग आयरन उत्पादन (0.77 मिलियन टन) में 1.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

मई में तैयार स्टील का उत्पादन 7.7 प्रतिशत बढ़कर 13.94 मिलियन टन हो गया। मई में तैयार स्टील की खपत 14.33 मिलियन टन रही, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 9.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

स्टील मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल-मई के दौरान क्रूड स्टील का उत्पादन 28.04 मिलियन टन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.7 प्रतिशत अधिक है। वहीं, अप्रैल-मई 2025 में यह उत्पादन 27.30 मिलियन टन था।

होट मेटल के उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिग आयरन के उत्पादन (1.50 मिलियन टन) में पिछले वर्ष की तुलना में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

इसके अलावा, तैयार स्टील का उत्पादन 27.36 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.4 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, अप्रैल-मई 2026 में तैयार स्टील की खपत 27.36 मिलियन टन रही, जो निर्माण, अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्रों से निरंतर मांग के कारण पिछले वर्ष की तुलना में 8.7 प्रतिशत अधिक है।

मई में स्टील का आयात 0.69 मिलियन टन और निर्यात 0.51 मिलियन टन रहा, जो मई 2025 के 0.42 मिलियन टन और 0.39 मिलियन टन के स्तर की तुलना में क्रमशः 62.5 प्रतिशत और 29.9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है।

अप्रैल-मई 2026 के दौरान आयात 1.37 मिलियन टन और निर्यात 0.98 मिलियन टन रहा, जिससे भारत इस अवधि के दौरान शुद्ध आयातक बना रहा।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की कुल क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता लगभग 220 एमटीपीए तक पहुंच गई, जिससे उद्योग 2030 तक राष्ट्रीय इस्पात नीति के 300 एमटीपीए टन प्रति वर्ष के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है।

सेल ने अपने भिलाई स्टील प्लांट की वर्तमान 6.8 एमटीपीए की क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 10.2 एमटीपीए करने की मंजूरी दे दी है।

इसके अलावा, जेएसडब्ल्यू स्टील ने मई 2026 में ओडिशा के पारादीप में अपने एकीकृत स्टील प्लांट का निर्माण शुरू किया - यह एक चरणबद्ध विकास परियोजना है जिसकी नियोजित क्षमता 13.2 एमटीपीए है।

'ग्रीन स्टील इनिशिएटिव' के तहत, 15 राज्यों के 94 उत्पादकों को ग्रीन स्टील प्रमाणपत्र जारी किए गए थे (31 मई, 2026 तक), जिनमें से अधिकांश प्रमाणित उत्पादों ने सर्वोच्च 5-स्टार रेटिंग प्राप्त की - जो द्वितीयक और मध्यम आकार के स्टील उत्पादकों के बीच इस पहल की मजबूत स्वीकृति को दर्शाता है।

अप्रैल 2026 की तुलना में मई 2026 में कच्चे माल की कीमतों में और मजबूती आई।

मारुति सुजुकी ने भारत में 100 प्रतिशत एथेनॉल पर चलने वाली पहली गाड़ी वैगनआर फ्लेक्स-फ्यूल को किया लॉन्च

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी ने गुरुवार को भारत में फ्लेक्स-फ्यूल पर चलने वाली पहली गाड़ी वैगनआर फ्लेक्स-फ्यूल को लॉन्च किया। यह गाड़ी ऐसे समय पर पेश की गई है, जब कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। इससे देश को स्वच्छ ऊर्जा की तरफ ट्रांजिशन में मदद मिलेगी।

यह नया मॉडल ई20 से लेकर ई100 तक के एथेनॉल-पेट्रोल मिश्रण पर चलने में सक्षम है, जिससे यह भारत में 100 प्रतिशत एथेनॉल पर चलने के लिए डिजाइन किया गया पहला यात्री वाहन बन गया है।

कंपनी ने कहा कि यह लॉन्च भारत के पारंपरिक पेट्रोल पर निर्भरता कम करने और परिवहन क्षेत्र में जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ाने के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है।

इस लॉन्च कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी उपस्थित थे, जिन्होंने स्वच्छ परिवहन समाधानों को बढ़ावा देने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों के बारे में बताया।

उन्होंने बताया कि सरकार अपनी वैकल्पिक ईंधन रणनीति के तहत 15 प्रतिशत आइसोब्यूटेनॉल मिश्रित डीजल पेश करने की योजना बना रही है। गडकरी ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और हीरो मोटोकॉर्प जैसी ऑटोमोबाइल कंपनियों से पुराने वाहनों को फ्लेक्स-फ्यूल मॉडल में बदलने और उन्हें यूरो 6 मानकों सहित सख्त उत्सर्जन मानकों के अनुरूप बनाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि ऐसे उपाय वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करेंगे और पुराने, अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को सड़कों से हटाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे वाहन स्क्रैपेज कार्यक्रम को समर्थन देंगे।

लॉन्च पर बोलते हुए, गडकरी ने ऑटोमोबाइल क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख विकास चालक बताया और कहा कि भारत में अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल उद्योग है, जो जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी ताकेउची ने यह भी बताया कि कंपनी कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) परियोजनाओं में निवेश कर रही है और हाइड्रोजन ईंधन जैसी अन्य स्वच्छ तकनीकों की खोज कर रही है।

वहीं, कंपनी के विपणन और बिक्री के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी पार्थो बनर्जी ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में इंडस्ट्री में बिकने वाले लगभग आधे ग्रीन वाहन मारुति सुजुकी के थे।

सरकार 2027 तक 5,000 ई85 फ्यूल स्टेशन शुरू करेगी: हरदीप पुरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश में फ्लेक्स-फ्यूल को बढ़ावा देने के लिए चरणबद्ध तरीके से ई85 ईंधन स्टेशन शुरू करने जा रही है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे प्रमुख शहरी क्षेत्रों में सबसे पहले लगभग 100 ई85 फ्यूल डिस्पेंसिंग स्टेशन यानी ईंधन वितरण स्टेशन शुरू किए जाएंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में मारुति सुजुकी वैगनआर फ्लेक्स फ्यूल मॉडल के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ई85 एक ऐसा ईंधन मिश्रण है जिसमें 85 प्रतिशत तक एथेनॉल होता है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के मानकों के तहत इसे फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए मानक ईंधन के रूप में निर्धारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि ई85 को देश के सबसे स्वच्छ ईंधन विकल्पों में से एक माना जा रहा है, और कई मामलों में यह इलेक्ट्रिक वाहनों की तुलना में भी अधिक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प साबित हो सकता है। यह भारत के वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ते कदम का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पुरी ने आगे बताया कि फ्लेक्स-फ्यूल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। दिसंबर 2026 तक ई85 ईंधन उपलब्ध कराने वाले स्टेशनों की संख्या बढ़ाकर 500 की जाएगी, जबकि 2027 के अंत तक देश के प्रमुख शहरों में ऐसे 5,000 स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

मंत्री ने कहा कि भारत में मोबिलिटी सेक्टर तेजी से बदल रहा है। फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक अब केवल दोपहिया वाहनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि चारपहिया वाहनों में भी इसका इस्तेमाल शुरू हो चुका है। इससे पूरे फ्लेक्स-फ्यूल इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार होगा।

उन्होंने बताया कि यदि देश में बिकने वाले नए दोपहिया और चारपहिया वाहनों में से 50 प्रतिशत फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक अपनाते हैं, तो इससे 311.8 करोड़ लीटर अतिरिक्त एथेनॉल की मांग पैदा होगी। इसके साथ ही किसानों की आय में लगभग 12,403 करोड़ रुपए की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो सकती है और करीब 66.4 लाख मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन कम किया जा सकता है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यह पहल न केवल भारत के ऊर्जा आयात बिल को कम करने में मदद करेगी, बल्कि किसानों को आय का एक नया और स्थायी स्रोत भी उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा, 'इससे हमारे किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि ऊर्जादाता भी बनेंगे।'

कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले समय में और अधिक वाहन निर्माता कंपनियां फ्लेक्स-फ्यूल सेगमेंट में प्रवेश करेंगी।

झील, जंगल और घाट...

गर्मियों में राहत का पूरा पैकेज है उत्तर प्रदेश

इन जगहों पर सुकून संग मिलेगी ठंडक

कुसुम सरोवर, गोवर्धन, मथुरा

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। तपन, चिलचिलाती धूप और लू की वजह से खानपान से लेकर घूमना-फिरना तक मुश्किल हो चुका है। ऐसे में जो शब्द सबसे खास है वो है ठंडक... फिर वो खाने की चीज हो या घूमने की जगह।

ऐसे में गर्मी के मौसम में पर्यटकों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र बनकर उत्तर प्रदेश उभर रहा है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था, वन्यजीव पर्यटन और शांत वातावरण का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है।

राज्य के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद पर्यटन स्थल लोगों को गर्मी से राहत देने के साथ यादगार अनुभव भी प्रदान कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग भी लोगों को इन खास स्थलों की यात्रा के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। यूपी में जहां एक तरफ चिलचिलाती धूप है, वहीं दूसरी तरफ कई पर्यटन स्थल हैं, जो प्राकृतिक ठंडक, हरी-भरी वादियां, शीतल जलाशय और आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं।

उत्तर प्रदेश में हर सफर कुछ नया लेकर आता है। खूबसूरत नजारों से लेकर ताजगी भरी जगहों तक, हर कोना एक नया अनुभव और यादें देता है।

यूपी क्यों है बेस्ट डेस्टिनेशन

- प्राकृतिक सौंदर्य और ठंडक से भरपूर स्थल
- आध्यात्मिक शांति और धार्मिक आस्था का केंद्र
- वन्यजीवों को करीब से देखने का मौका
- ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों की भरमार
- परिवार, दोस्तों और सोलो ट्रैवल—हर किसी के लिए परफेक्ट

> “उत्तर प्रदेश में प्रकृति, आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम है। यहां के पर्यटन स्थल न केवल गर्मी से राहत देते हैं, बल्कि आत्मिक शांति और यादगार अनुभव भी प्रदान करते हैं।
>
> — उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग

गर्मी में ठंडक देने वाले यूपी के प्रमुख पर्यटन स्थल

1. कुसुम सरोवर, गोवर्धन, मथुरा

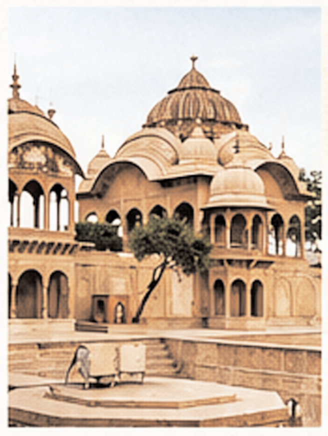

राधा-कृष्ण की लीलाओं से जुड़ा पवित्र स्थल कुसुम सरोवर 450 फीट लंबा और 60 फीट गहरा तालाब है। चारों ओर फूलों और हरियाली से घिरा यह सरोवर राजस्थानी शैली के घाट और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध हैं।

2. सूर सरोवर पक्षी अभयारण्य (कीथम झील), आगरा

1991 में अभयारण्य धोषित यह जगह 126 से अधिक जलपक्षी प्रजातियों का घर है। हॉग हिरण, चित्तीदार हिरण और मॉनिटर छिपकली यहां आसानी से दिख जाते हैं। हरे-भरे जंगलों और शांत झील के किनारे गर्मी की थकान उत्तर जाती है। आगरा से मात्र 20 किमी दूर यह जगह बेहद खास है।

3. रामगढ़ ताल, गोरखपुर

पूर्वांचल का मरीन ड्राइव कहे जाने वाले रामगढ़ ताल की खूबसूरती गर्मियों में और भी निखर जाती है। 678 हेक्टेयर में फेंली यह झील शाम को बेहद मनमोहक लगती है। योगी सरकार ने इसे विकसित किया है। यह ताल गोरखपुर घूमने वालों के लिए प्रमुख आकर्षण बन गया है।

4. खजूरी डैम (दूधिया फॉल), मिर्जापुर

मिर्जापुर से मात्र 7 किलोमीटर दूर स्थित खजूरी डैम भारी बारिश में ओवरफ्लो होने पर दूधिया फॉल बन जाता है। सफेद झरने का नजारा और ठंडे पानी में स्नान के लिए पर्यटक दूर-दूर से आते हैं। पिकनिक के लिए यह जगह बेस्ट है।

5. दुधवा नेशनल पार्क, लखीमपुर खीरी

भारत-नेपाल सीमा के पास स्थित यह पार्क 490 वर्ग किलोमीटर में फेंला है। बाघ, हाथी, तेंदुआ और बारहसिंगा का घर यह पार्क गर्मियों में भी वन्यजीवों को देखने का शानदार मौका देता है।

6. रामघाट, चित्रकूट

भगवान राम के वनवास से जुड़ा यह स्थान आध्यात्मिक और प्राकृतिक सुंदरता का संगम है। हरे-भरे जंगलों, प्राकृतिक जलप्रपात और मंदिरों के बीच यहां की शांति मन को सुकून देती है।

7. गंगा आरती, वाराणसी

दशाश्वमेध घाट ही नहीं बल्कि चौरासी घाट हर सुबह-शाम गंगा आरती से जगमगा उठता है। शंखनाद, मंत्रोच्चार और दीपों की रोशनी गर्मी की सुबह हो या रात दोनों को यादगार बना देती है।

8. त्रिवेणी संगम, प्रयागराज

गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम पर संगम स्नान और नौका विहार का मजा गर्मी को भुला देता है। यहां इलाहाबाद किला, अशोक स्तंभ, पातालपुरी मंदिर और अक्षय वट भी आकर्षण का केंद्र हैं।

9. सन इको पॉइंट (सोन व्यू पॉइंट), सोनभद्र

रॉबर्ट्सगंज से 6 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर स्थित यह पॉइंट मनोरम सोन घाटी का खूबसूरत नजारा पेश करता है। मानसून में यहां छोटे झरने भी देखने को मिलते हैं। प्रकृति प्रेमियों की लिए पिकनिक स्पॉट के रूप में यह जगह खास है.

10. अन्य आकर्षण

कामादगिरी मंदिर, हनुमान धारा, भरत मिलाप मंदिर, इलाहाबाद किला, अशोक स्तंभ, पातालपुरी मंदिर और अक्षय वट जैसे धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल भी गर्मियों में पर्यटकों को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराते हैं।

संघर्ष के बाद मिला इंडस्ट्री में खास मुकाम, कभी जिंदगी से 'हार' मान चुके थे अमित साध

मुंबई। फिल्मों में सिर्फ लीड एक्टर ही कहानी को यादगार नहीं बनाते, बल्कि कई सहायक कलाकार भी अपने दमदार अभिनय से दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ते हैं। ऐसे ही कलाकारों में अमित साध का नाम शामिल है। अपने गंभीर और प्रभावशाली किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले अमित ने मनोरंजन जगत में एक अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उनकी सफलता का सफर आसान नहीं रहा।

अमित के जीवन में एक दौर ऐसा भी आया जब निजी संघर्षों और मुश्किल परिस्थितियों ने उन्हें पूरी तरह तोड़ दिया था। लेकिन तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए उन्होंने खुद को संभाला और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया।

5 जून 1983 को जन्मे अमित साध का शुरुआती जीवन आसान नहीं रहा। उनका परिवार मूल रूप से पंजाब से जुड़ा है, जबकि उनका जन्म दिल्ली में हुआ। पढ़ाई-लिखाई लखनऊ में हुई, जहां उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। किशोरावस्था में ही उनके जीवन में एक बड़ा झटका तब लगा, जब 16 वर्ष की उम्र में उनके पिता का निधन हो गया। उनके पिता राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी थे और परिवार का मजबूत सहारा भी थे।

पिता के निधन के बाद अमित की जिंदगी पूरी तरह बदल गई। परिवार की परिस्थितियां कठिन हो गईं और उन्हें कम उम्र में ही कई जिम्मेदारियों का सामना करना पड़ा। इस दौर में उन्हें आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की चुनौतियों से गुजरना पड़ा। संघर्ष के दिनों में उन्होंने छोटे-मोटे काम भी किए, ताकि जीवन आगे बढ़ सके।

अमित ने कई इंटरव्यू में खुलकर स्वीकार किया है कि युवावस्था के दौरान वह गहरे मानसिक तनाव से गुजरे। उन्होंने बताया था कि कई बार उन्होंने जिंदगी को खत्म करने का प्रयास किया। हालांकि, बाद में उन्होंने खुद को संभाला और जीवन को एक नई दिशा देने का फैसला किया। यही वह दौर था जिसने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया।

अभिनय के प्रति उनका झुकाव उन्हें मनोरंजन जगत की ओर ले आया। उन्होंने टेलीविजन से अपने करियर की शुरुआत की और लोकप्रिय टीवी शोज का हिस्सा रहे। शुरुआती सफलता मिलने के बाद उन्हें लगा कि अब उनका सफर आसान हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इंडस्ट्री में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा और एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें काम मिलना लगभग बंद हो गया।

अमित ने बाद में बताया था कि कुछ परिस्थितियों के कारण उन्हें टेलीविजन इंडस्ट्री में लगातार अवसर नहीं मिल रहे थे, उन्हें वहां बहिष्कार को भी झेलना पड़ा। लेकिन उन्होंने इसे अपनी हार नहीं बनने दिया। उन्होंने अपने गुस्से, निराशा और संघर्ष को अपनी ताकत बनाया और फिल्मों की ओर रुख किया।

साल 2010 में उन्होंने फिल्म 'फूंक 2' से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद उनकी प्रतिभा को असली पहचान फिल्म 'काई पो छे' से मिली। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने सराहा। इसके बाद उन्होंने 'सुल्तान', 'गोल्ड', 'सरकार 3', 'गुड्डू रंगीला' और कई अन्य फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं।

फिल्मों के अलावा, अमित साध ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। वेब सीरीज 'ब्रीद: इनटू द शैडोज' में उनके पुलिस अधिकारी के किरदार को काफी पसंद किया गया। उनकी अभिनय शैली में गंभीरता और वास्तविकता का मेल देखने को मिलता है, जो उन्हें अलग पहचान दिलाता है।

अमित रियलिटी शोज का भी हिस्सा रह चुके हैं।

कम जगह में उगा सकते हैं ये 6 पौष्टिक फल, मार्केट से खरीदने का झंझट होगा खत्म, पैसे भी बचेंगे

आप फलों का सेवन हर दिन करते होंगे. मार्केट में बेहद ही महंगे फल मिलते हैं. ऐसे में कुछ फलों को तो आप घर के आंगन, बगीचे में बेहद कम स्पेस में भी उगा सकते हैं. ये एक-दो साल में आपको फल देने लगेंगे और आपके पैसों की भी बचत होगी. आप आराम से ताजे और केमिकल-फ्री फल खाने का आनंद भी उठा सकेंगे.

फलों का सेवन आप हर दिन करते होंगे. फल खाने से सेहत को कई तरह के फायदे होते हैं. तरह-तरह के मौसमी फल मार्केट में मिलते हैं. कुछ सस्ते तो कुछ महंगे होते हैं, जिन्हें हर किसी के लिए हर दिन खरीद कर खा पाना संभव नहीं होता है. ऐसे में क्यों न कुछ ऐसे फल अपने घरों के बगीचे, छत पर ही उगा लें. एक बार के थोड़े से खर्चे से आप हर साल खा सकते हैं घर के ताजे और केमिकल-फ्री फल वह भी बिना खर्च किए. आज भी गांवों और छोटे शहरों में लोग अपने घर के आंगन, गार्डन, छत पर ही फूल, सब्जियों, फलों के उगा लेते हैं. आप भी अपने छोटे से बगीचे में फलदार पेड़ लगा सकते हैं. सही चयन के साथ तेजी से बढ़ने वाले फलदार पेड़ छोटे से स्थान को भी हरे-भरे और उपयोगी बगीचे में बदल सकते हैं. आप अपने घर के छोटे से बगीचे में निम्न फलों को उगा सकते हैं. ये जल्दी बढ़ने वाले एक फलदार पेड़ हैं.

केला- केला एक ऐसा फल है, जिसे आप सबसे ज्यादा खरीद कर खाना पसंद करते हैं. आप इसे अपने आंगन, घर के गार्डन एरिया या छत पर भी उगा सकते हैं।

ये बहुत अधिक स्पेस नहीं लेता है. केले का पौधा बहुत तेजी से बढ़ने वाला भी माना जाता है. इसे भरपूर धूप और नियमित पानी की जरूरत होती है।

सही देखभाल मिलने पर यह लगभग एक साल के भीतर फल देने लग सकता है.

पपीता- इसे पेट के लिए एक बेहतरीन फल माना गया है. यह छोटे बगीचों में लगाना एक बेस्ट ऑप्शन है. पपीता का पौधा काफी तेजी से बढ़ता है. आपको इसमें फल लगभग 8 से 12 महीनों में दिखने लग जाएगा. इसकी देखभाल भी अपेक्षाकृत आसान होती है.

अमरूद- काफी लोग अपने गार्डन या घर के बैक साइड जमीन में अमरूद का पेड़ लगाते हैं. ये कम जगह में भी उग सकता है।

हालांकि, अमरूद का पेड़ काफी बड़ा और मजबूत होता है. साथ ही ये विभिन्न परिस्थितियों में आसानी से बढ़ भी जाता है. अमरूद का पेड़ जल्दी बढ़ने के साथ ही फल भी ढेर सारे देता है. ये एक बार बढ़ जाता है, तो खूब फल देता है.

नींबू- काफी लोग अपने घर के छत, बालकनी में गमले में नींबू का पेड़ लगाते हैं. ये गमले के साथ ही जमीन में भी उगाया जा सकता है. नींबू बेहद कम जगह में भी उग सकता है. आपको कुछ ही साल में घर के ताजे नींबू खाने का मिलने लगेगा.

अंजीर- ये फल बेहद ही पौष्टिक होता है और बहुत तेजी से बढ़ता है. अंजीर एक बेहद ही स्वादिष्ट और हेल्दी फल है, जिसके सेवन से काफी फायदे होते हैं. ये महंगा भी होता है, इसलिए सही देखभाल करके एक बार अंजीर का पेड़ आपके आंगन में लग गया तो मार्केट से इसे लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. यह अलग-अलग प्रकार की मिट्टी और जलवायु में भी अच्छी तरह अनुकूलित हो जाता है.

शहतूत- शहतूत भी कम जगह में ही तेजी से बढ़ने वाला और कम देखभाल मांगने वाला पेड़ है. इसके मीठे फल एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं. एक बार पेड़ बड़ा हो जाए तो आपको एक बार में ही ढेरों शहतूत खाने को मिलेगा.

घर पर फलदार पेड़ लगाने के फायदे

आप फ्रेश और केमिकल-फ्री फल खा सकते हैं.

मार्केट से महंगे भाव में फल खरीद खाने से खर्च कम होगा।

सिनेमा जगत की 'सुजाता':

मां की फिल्म से अभिनय सफर की शुरुआत, 16 साल की उम्र में बनीं 'मिस इंडिया'

मुंबई, । भारतीय सिनेमा जगत की उन अभिनेत्रियों की बात करें जिन्होंने अपने अभिनय के दम पर दर्शकों के दिलों में स्थायी जगह बनाई तो नूतन जरूर आएगा। नूतन आज भी बेहतरीन अभिनय और सादगी की पर्याय मानी जाती हैं। 4 जून 1936 को जन्मीं नूतन ने बेहद कम उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रखा और आगे चलकर भारतीय सिनेमा को कई यादगार फिल्में दीं।

हिंदी सिनेमा की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में शामिल नूतन का नाम भारतीय फिल्म इतिहास में हमेशा सम्मान के साथ लिया जाता है। अपने सहज अभिनय, प्रभावशाली संवाद अदायगी और भावनाओं को पर्दे पर जीवंत करने की अद्भुत क्षमता के कारण उन्होंने दर्शकों और समीक्षकों दोनों का दिल जीता। 'सुजाता', 'सीमा', 'बंदिनी' और 'मिलन' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को आज भी मिसाल माना जाता है।

कला का माहौल मिला घर से

4 जून 1936 को अभिनेत्री शोभना समर्थ और निर्देशक-कवि कुमार सेन समर्थ के घर जन्मीं नूतन चार भाई-बहनों में सबसे बड़ी थीं। कला और अभिनय का माहौल उन्हें परिवार से ही मिला था। उनकी मां शोभना समर्थ अपने दौर की प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं और पौराणिक फिल्मों में सीता के किरदार के लिए विशेष रूप से जानी जाती थीं।

14 साल की उम्र में की फिल्मी दुनिया में एंट्री

नूतन का फिल्मी सफर बेहद कम उम्र में शुरू हो गया था। साल 1950 में उनकी मां ने फिल्म 'हमारी बेटी' का निर्माण किया और इसी फिल्म के साथ नूतन ने अ[illegible]नये की दुनिया में कदम रखा।उस समय उनकी उम्र केल 14 वर्ष थी। किशोरावस्था में ही उन्होंने अपनी प्रतिभा और व्यक्तित्व से लोगों का ध्यान आकर्षित और कम उम्र में ही मिसद्य इंडिया का खिताब भी अपने

हर किरदार में ढाला खुद को

गंभीर और भावनात्मक भूमिकाओं के साथ-साथ नूतन ने रोमांटिक और हल्की-फुल्की फिल्मों में भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने देव आनद के साथ 'पेईंग गेस्ट' और राज कपूर के साथ 'अनाड़ी' और 'छलिया' जैसी सफल फिल्मों में काम किया। 1958 की 'सोने की चिड़िया' और 'तेरे घर के सामने' में भी उनकी अदाकारी को खूब सराहा गया।

निजी जिंदगी और शादी

साल 1959 में नूतन ने इंडियन नेवी के कमांडर रजनीश बहल से विवाह किया। शादी के बाद भी उन्होंने अपने अभिनय करियर को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया। 1967 में 'मिलन' और 1978 की 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' के लिए उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।

यादगार फिल्में और उपलब्धियां

1955: 'सीमा' से पहचान
इस फिल्म में उनके दमदार अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। उन्हें पहला फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।

1959: 'सुजाता' बनी क्लासिक
सामाजिक भेदभाव पर आधारित इस फिल्म में नूतन ने चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला।

1963: 'बंदिनी' से नई ऊंचाई
महिला मन की जटिल भावनाओं को बेहद प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर उतारा। यह फिल्म आज भी उनके करियर की श्रेष्ठ प्रस्तुतियों में गिनी जाती है।

अन्य प्रमुख फिल्में
पेईंग गेस्ट, अनाड़ी, छलिया, सोने की चिड़िया, तेरे घर के सामने, मेरी जंग, करमा आदि।

फिल्मफेयर सम्मान
नूतन ने कुल पांच बार फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता, जो उस दौर में बड़ी उपलब्धि थी।

चार दशक का शानदार सफर

मुख्य अभिनेत्री के रूप में सफलता पाने के बाद नूतन ने कैरेक्टर किरदारों में भी अपनी छाप छोड़ी। 'मेरी जंग' और 'करमा' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को काफी सराहा गया। अपने चार दशक लंबे करियर में उन्होंने 70 से ज्यादा फिल्मों में काम किया।

बचपन की यादों में खोई तृप्ति डिमरी, कहा- 'बहुत मार खाई है'

मुंबई। अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की फिल्म 'मां बहन' नेटफ्लिक्स पर (4 जून) रिलीज हो चुकी है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त तृप्ति ने अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए मजेदार किस्से सुनाए।

मीडिया से बातचीत में तृप्ति ने कहा,

"मुझे लगता है कि हर किसी को अपने माता-पिता से कभी न कभी तो मार पड़ी होगी। बड़े होते समय मुझे तो काफी मार पड़ी थी।'

उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में जोड़ा,

"जिस दिन मुझे मार नहीं पड़ती थी, उस दिन भी मुझे मार पड़ जाती थी... मैं घर जाती थी और कोई कहता था, 'क्या हुआ? तुम आज बहुत खुश लग रही हो।'

तृप्ति ने बताया कि बचपन में सजा मिलना उनके लिए आम बात थी, लेकिन आज वे उन दिनों को प्यार से याद करती हैं।

फिल्म में तीनों किरदार हैं मजबूत

बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने कहा कि फिल्म में मौजूद तीनों मुख्य किरदार अपने-अपने तरीके से मजबूत हैं और सभी के हिस्से में बराबर की मुश्किलें और हंगामे आते हैं। उनके अनुसार, फिल्म का परिवार काफी बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है, लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी खासियत भी है। कहानी में तीनों किरदार एक ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें हालात संभालने के लिए लगातार नए तरीके अपनाने पड़ते हैं।

सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा 'मां बहन' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म में तृप्ति के साथ माधुरी दीक्षित नेने, धारना दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कहानी रेखा नाम की एक महिला के इर्द-गिर्द घुमती है, जिसकी रसोई में अचानक एक लाश मिल जाती है। इसके बाद उसकी दो बेटियों जया और सुष्मा के साथ मिलकर उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में कॉमेडी, सस्पेंस और परिवार की मजबूती को खूबसूरती से दिखाया गया है।

'पेड्डी' की रिलीज पर तिरुपति बालाजी के दर पहुंचीं जान्हवी कपूर, किए दर्शन

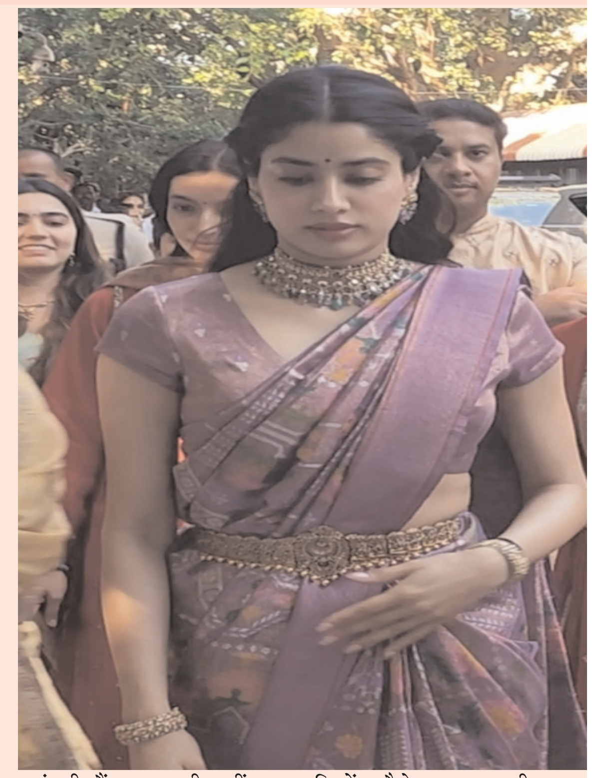

मुंबई। अभिनेत्री जान्हवी कपूर की बहु प्रतीक्षित दक्षिण भारतीय फिल्म 'पेड्डी' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इस खास अवसर पर अभिनेत्री आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर (श्रीवारी मंदिर) में दर्शन कर भगवान का आशीर्वाद लिया।

मंदिर पहुंचीं जाह्नवी कपूर ने श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की और भगवान के सामने माथा टेककर फिल्म की सफलता की कामना की। मंदिर परिसर में वह पारंपरिक अंदाज में नजर आईं।

खास बात है कि अभिनेत्री मंदिर तक नंगे पैर पहुंचीं। दर्शन के बाद जब वह मंदिर से निकलीं तो उन्होंने प्रवेश द्वार पर रुककर सिर झुकाया और श्रद्धा स्वरूप अपना माथा टेककर भगवान को प्रणाम किया।

इस दौरान जाह्नवी पारंपरिक भारतीय परिधान में नजर आईं। उन्होंने गहरे बैंगनी रंग की सिल्क साड़ी पहनी थी, जिस पर खूबसूरत फूलों की डिजाइन बनी हुई थी। अपने लुक को उन्होंने सोने का कमरबंद, चोकर नेकलेस, झुमकों और पारंपरिक चूड़ियों के साथ पूरा किया।

जान्हवी कपूर अक्सर तिरुपति बालाजी के दर्शन को मंदिर आती रहती हैं। वह लगभग हर साल अपने जन्मदिन के मौके पर भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने तिरुमाला पहुंचती हैं। इतना ही नहीं, वह अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी के जन्मदिन पर भी मंदिर जाकर पूजा-अर्चना करती हैं।

उनकी फिल्म 'पेड्डी' की बात करें तो यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। फिल्म में जान्हवी कपूर के साथ दक्षिण भारतीय सुपरस्टार राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, फिल्म में बोमन ईरानी, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

फिल्म की कहानी एक ऐसे युवा की है जो खेलों के माध्यम से अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करता है। क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाने वाला यह किरदार कई चुनौतियों, प्रतिद्वंद्विता और सामाजिक दबावों का सामना करता है। राम चरण इस फिल्म में एक बहुमुखी खिलाड़ी की भूमिका निभा रहे हैं।

जब वेफर्स खाते-खाते मिल गई फिल्म, अरुणा ईरानी ने सुनाया दिलीप कुमार के सामने दिए पहले ऑडिशन का किस्सा

मुंबई। अनुभवी अभिनेत्री अरुणा ईरानी आज हिंदी सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने पांच दशक से ज्यादा समय तक दर्शकों का मनोरंजन किया। हाल ही में उन्होंने अपने पहले ऑडिशन से जुड़ी यादें साझा कीं और बताया कि कैसे वेफर्स खाते और ठंडा पीते हुए उन्हें ऐसा मौका मिला, जिसने उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी।

रियलिटी शो 'तुम हो ना- घर की सुपरस्टार' के एक एपिसोड में अरुणा ईरानी ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने कहा, ''जब मैं छोटी थीं, तब एक कास्टिंग टीम मेरे रेजिडेंशियल बिल्डिंग में बच्चों की तलाश में आई थी। टीम ने वहां रहने वाले बच्चों को बताया कि जो भी अभिनय में दिलचस्पी रखता है, वह ऑडिशन देने आ सकता है। बच्चों को बुलाने के लिए उन्होंने वेफर्स और कोल्ड ड्रिंक्स की भी व्यवस्था की थी। यह सुनकर मैं काफी उत्साहित हो गई और मैंने अपने दोस्तों को भी अपने साथ चलने के लिए मना लिया। अरुणा ने हंसते हुए बताया, ''ऑडिशन के दौरान मैं आराम से कोने में खड़ी होकर कोल्ड ड्रिंक पी रही थी और वेफर्स वेफर्स खा रही थीं। तभी किसी की नजर मुझ पर पड़ी और उन्होंने मुझे अपने पास बुलाया। जब मैं वहां पहुंचीं, तब मुझे पता चला कि सामने हिंदी सिनेमा के महान अभिनेता दिलीप कुमार बैठे हैं।''

इस यादगार पल को याद करते हुए अरुणा ने बताया, ''दिलीप कुमार ने मुझे अपने पास बुलाकर पूछा कि क्या तुम डायलॉग बोल लेती हो।

आमिर खान की तीसरी शादी पर बोलीं सुचित्रा कृष्णमूर्ति- 'फिर से प्यार करना एक खूबसूरत अहसास'

मुंबई। अभिनेता आमिर खान तीसरी बार शादी करने जा रहे हैं। इस फैसले पर अभिनेत्री और गायिका सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने खुशी जताई है। उन्होंने आमिर और उनकी होने वाली पत्नी गौरी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि फिर से प्यार करना एक खूबसूरत बात है।

"सुचित्रा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, "बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह उनकी खुबसूरती है। मैं उन्हें ढेरों शुभकामनाएं देती हूं। मुझे लगता है कि अपना दिल फिर से खोलना और फिर से प्यार करना एक बहुत ही खुबसूरत बात है। यह एक खास अवसर है और मैं उन्हें ढेरों शुभकामनाएं देते हुए प्यार और सफलता की कामना करती हूं।""

5 जुलाई को होगी शादी

जानकारी के अनुसार, आमिर खान और गौरी स्प्रैट की शादी इस साल 5 जुलाई को मुंबई में घर पर होने वाली है। यह एक निजी समारोह होगा, जिसमें केवल करीबी लोग ही शामिल होंगे।

• आज शादी मजबूरी नहीं, विकल्प बन गई है

सुचित्रा ने आधुनिक समय की शादियों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि आज शादी कोई मजबूरी नहीं बल्कि एक विकल्प बन गई है।

• मैंने कला से शादी कर ली है

फिल्म निर्माता शेखर कपूर से तलाक के बाद अकेले रहने का फैसला करते हुए उन्होंने बताया, "जब तक आप अपने मन में पूरी तरह स्पष्ट नहीं होते, तब तक किसी रिश्ते को ठीक नहीं कर सकते। लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं अकेली क्यों हूं, तो मैं कहती हूं कि मैंने कला से शादी कर ली है।"

• हर कोई बर्दाश्त नहीं कर सकता मेरी कला को

उन्होंने कहा कि कभी-कभी उनकी कला जहरीली, आर्थिक रूप से अस्थिर और अप्रत्याशित होती है, जिसे हर साथी बर्दाश्त नहीं कर सकता। इसलिए जब तक कोई पूरी तरह निश्चित न हो कि वह बाकी जीवन किसी खास व्यक्ति के साथ बिताना चाहता है, तब तक शादी करने की जरूरत नहीं है।

• शादी से पहले परिवार को समझना जरूरी

सुचित्रा ने एक और महत्वपूर्ण सलाह दी कि शादी से पहले दूसरे व्यक्ति के परिवार को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए, क्योंकि परिवार और जोड़े के बीच के टकराव अक्सर रिश्तों में दिक्कतें पैदा कर देते हैं।

'बेबी डॉल' के निर्माता अमित खान ने बताई अपनी ख्वाहिश, बोले-अच्छी कहानियों की मांग बहुत ज्यादा

मुंबई। लेखक-निर्माता अमित खान इन दिनों अपनी माइक्रो ड्रामा सीरीज 'बेबी डॉल' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। निर्माता का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में 'स्टार वैल्यू' का महत्व हमेशा रहेगा।

उन्होंने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया, 'सिनेमा की दुनिया हमेशा से ही जाने-पहचाने चेहरों के ईर्द-गिर्द घूमती रही है। चाहे बीते जमाने के सुपरस्टार्स हों या आज के दौर के सितारे, फैंस के बीच उनका जादू कभी कम नहीं हो सकता है।'

अमित खान ने कहा कि अच्छा और बुरा कंटेंट हर दौर में रहा है, लेकिन आज के समय सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि अच्छी कहानियों की मांग बहुत ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने कहा, 'ओटीटी और वेब सीरीज के आने से एक ऐसा माहौल बना है, जहां लेखन को सबसे ज्यादा अहमियत दी जा रही है। आज फिल्म इंडस्ट्री को पहले से भी ज्यादा लेखक की आवश्यकता है। लेखन अब एक फायदेमंद करियर है। फिल्मों और वेब सीरीज के अलावा ऑडियोबुक और डिजिटल पब्लिशिंग (जैसे ई-बुक्स) में कहानियों का एक बहुत बड़ा मार्केट तैयार हो गया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'लोग अक्सर कहते हैं कि किताबों को पढ़ने वालों की संख्या कम हो गई है, लेकिन मैं इससे पूरी तरह सहमत नहीं हूं। पढ़ने की पारंपरिक आदतें शायद बदल गई हों, लेकिन फिर भी पाठक ई-बुक्स और ऑडियोबुक्स के जरिए कहानियां पढ़ते रहते हैं। मेरी अपनी किताबें भी डिजिटल फॉर्मेट में बड़े पैमाने पर पढ़ी जाती हैं, और उनमें से कई को ऑडियो कंटेंट में भी अडैप्ट किया गया है।'

अमित खान ने आज के समय अगर किसी के द्वारा लिखी गई कहानी में है, तो उनके लिए मौकों की कमी नहीं है। उन्होंने कहा, 'आज लेखकों के पास कई अवसर हैं। एक कहानी ई-बुक बन सकती है, अलग-अलग भाषाओं में अनुवादित हो सकती है, ऑडियोबुक में अडैप्ट हो सकती है, वेब सीरीज में बदल सकती है, या आखिरकार एक फिल्म के रूप में विकसित हो सकती है।'

मीडिया ने लेखक-निर्माता अमित खान से सवाल पूछते हुए कहा, 'क्या कोई ऐसा एक्टर है जिसके साथ काम करने का आप सपना देखते हैं?' तो उन्होंने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए बताया कि वे जीवन में एक बार शाहरुख खान के साथ काम करना चाहते हैं।

उन्होंने बताया, 'शाहरुख खान हमेशा से मेरे पसंदीदा एक्टर रहे हैं। उनके साथ काम करना मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा होगा। मेरे पास एक ऐसा सब्जेक्ट है जो मुझे लगता है कि उन पर बिल्कुल सही बैठेगा और मैं किसी दिन उन्हें वह सब्जेक्ट दिखाने का मौका पाना चाहूंगा। वह मौका मिलेगा या नहीं, यह तो सिर्फ वक्त ही बता सकता है, लेकिन हां शाहरुख खान के साथ मिलकर काम करना मेरी सबसे बड़ी ख्वाहिशों में से एक है।

झूठे आरोपों पर ट्रोल हुईं शिल्पा शिंदे, वीडियो शेयर कर बोलीं- 'मैं खुद को सही साबित करने नहीं आई'

मुंबई। टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान कबूल की थी कि 2016 में भाबीजी घर पर है के प्रोड्यूसर पर उन्होंने यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाए थे, जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर भारी विरोध देखने को मिल रहा है। गुरुवार को अभिनेत्री ने अपने बचाव पर प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर की, जिसमें वह कहती हैं कि उन्हें पता है कि उन्होंने जो किया है वह सही है और नकारात्मक टिप्पणियों से उन्हें बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा, 'बहुत से लोगों ने पॉडकास्ट के सिर्फ एक क्लिप के आधार पर, पूरे संदर्भ को समझे बिना ही मेरे बारे में राय बना ली। मैं आमतौर पर टिप्पणियां पढ़ती हूं क्योंकि मुझे पता है कि मेरे फैंस मुझे क्या लिखते हैं। अगर आप भाती और हर्ष का पॉडकास्ट देखेंगे, तो आपको वहां भी टिप्पणियां देखने को मिलेगी। इस पीआर कैंपेन और आ रही टिप्पणियों के बाद, मैं उन लोगों से कहना चाहती हूं कि आप जैसा बोते हैं, वैसा ही काटते हैं।'

अभिनेत्री ने स्पष्ट करते हुए बताया कि कुछ लोग हालात को समझे बिना तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे पता था कि ऐसा होने वाला है क्योंकि दुनिया कभी भी किसी अच्छी चीज की सराहना नहीं करती। आप जैसे लोग, जो आज कमेंट कर रहे हैं, उन्हें लगता है कि मुझे यह कहने की जरूरत नहीं थी। मैं यह बात दस साल पहले भी कह सकती थी, जब मैं वह शो कर रही थी लेकिन मैंने इसे अब कहने का फैसला किया।'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं यहां पर खुद को साबित करने के लिए नहीं आई हूं, बल्कि अपनी अंतरात्मा के सामने सही होना चाहती थी क्योंकि वह बात एक झूठ थी। मुझसे किसी ने ऐसा करने के लिए नहीं बोला था लेकिन मैं उस झूठ के बोझ के साथ जी नहीं सकती थी। उस समय मैं किस मुश्किल दौर से गुजरी, यह कोई नहीं जानता। भगवान न करे कि ऐसी परिस्थिति का सामना आपको या आपके परिवार को करना पड़े।'

इजरायल और लेबनान के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में युद्धविराम पर बनी सहमति

वॉशिंगटन। इजरायल और लेबनान ने वॉशिंगटन में दो दिनों तक चली अमेरिका की मध्यस्थता वाली बातचीत के बाद युद्धविराम लागू करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने आगे भी सीधे बातचीत जारी रखने और सुरक्षा व्यवस्था को आगे बढ़ाने का वादा किया है, ताकि दक्षिण लेबनान में किसी भी गैर-सरकारी सशस्त्र समूह की वापसी रोकी जा सके।

यह समझौता दो और तीन जून को अमेरिकी विदेश विभाग में हुई अमेरिका, इजरायल और लेबनान की चौथी उच्च स्तरीय त्रिपक्षीय बैठक के बाद सामने आया।

इस फैसले की घोषणा करते हुए अमेरिकी विदेश विभाग के काउंसलर डैन हॉलर ने कहा, 'अमेरिका के नेतृत्व में हुई बातचीत के नतीजे के तौर पर इजरायल और लेबनान ने युद्धविराम लागू करने पर सहमति दी है।' तीनों देशों के संयुक्त बयान के मुताबिक, यह युद्धविराम इस शर्त पर लागू होगा कि 'हिज्?बुल्लाह की ओर से पूरी तरह से गोलीबारी बंद हो और उसके सभी लड़ाके दक्षिण लिटानी क्षेत्र से हट जाएं।'

यह भी तय हुआ है कि जल्द ही कुछ 'पायलट जोन' बनाए जाएंगे, जहां लेबनान की सेना पूरी तरह नियंत्रण संभालेगी। डैन हॉलर ने कहा, 'दोनों पक्षों ने अमेरिका के मार्गदर्शन में इस बात पर सहमति दी है कि ऐसे पायलट जोन जल्दी बनाए जाएंगे, जहां लेबनानी सेना पूरी तरह नियंत्रण रखेगी और किसी भी गैर-सरकारी सशस्त्र समूह की मौजूदगी नहीं होगी।'

बयान में कहा गया कि ये कदम आगे चलकर दोनों देशों के बीच 'एक व्यापक शांति और सुरक्षा समझौते' की स्थिति बनाने में मदद करेंगे। तीनों देशों ने इस बात पर जोर दिया कि इजरायल और लेबनान के भविष्य के रिश्ते उनकी अपनी सरकारों की ओर से तय किए जाने चाहिए, किसी बाहरी ताकत की ओर से नहीं। डैन हॉलर ने कहा कि सभी देशों ने इस बात की पुष्टि की कि इजरायल और लेबनान के भविष्य के संबंध दोनों संप्रभु सरकारों की ओर से तय किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी देश या गैर-सरकारी ताकत को लेबनान के भविष्य को बंधक बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इजरायल और लेबनान ने अपने बयान में कहा कि उनके बीच 'कोई शत्रुता का इरादा नहीं है' और उन्होंने सीधे बातचीत जारी रखने का वादा किया है, ताकि भरोसा बढ़ाया जा सके, पुराने विवाद सुलझाए जा सकें और एक बड़े समझौते की दिशा में आगे बढ़ा जा सके।

इंडो-पैसिफिक में एक्शन-ओरिएंटेड भूमिका निभा रहा है क्वाड : मार्को रुबियो

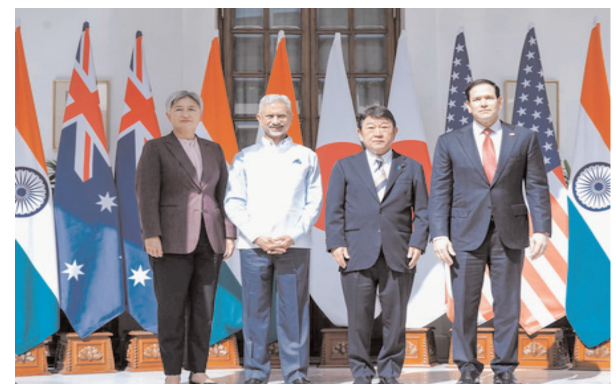

वॉशिंगटन। अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया अब सिर्फ कूटनीतिक बातचीत तक सीमित नहीं रह रहे हैं, बल्कि समुद्री सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और क्षेत्रीय मजबूती से जुड़े व्यावहारिक काम भी शुरू कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यह बात कही है।

कांग्रेस की एक सुनवाई में बुधवार को रुबियो ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की इंडो-पैसिफिक रणनीति में क्वाड अब एक बहुत अहम स्तंभ बनता जा रहा है। उनकी बात से साफ संकेत मिलता है कि क्वाड अब इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में ज्यादा 'एक्शन-ओरिएंटेड' भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह समूह पहले से कई बैठकें कर चुका है और इस साल आगे और भी उच्च-स्तरीय बैठकें होने की तैयारी है।रुबियो ने बताया कि उन्होंने हाल ही में भारत में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया था। उनका कहना था कि अब चारों देश सिर्फ चर्चा नहीं कर रहे, बल्कि ठोस और लागू किए जा सकने वाले प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास कुछ ऐसे काम हैं जिन पर हम ध्यान दे रहे हैं।'

इनमें से एक बड़ा प्रस्ताव समुद्री 'मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस' को बेहतर बनाना है, यानी समुद्र में क्या हो रहा है उस पर बेहतर नजर रखना। इसका मकसद इंडो-पैसिफिक में जहाजों की आवाजाही, संभावित खतरों और अहम समुद्री रास्तों की निगरानी को मजबूत करना है। रुबियो ने कहा कि चारों देश मिलकर अपनी संसाधनों को जोड़ रहे हैं ताकि समुद्र में होने वाली गतिविधियों पर बेहतर नजर रखी जा सके। इसमें संदिग्ध गतिविधियों, प्रतिबंधों से बचने की कोशिशों और समुद्री केबल्स जैसी अहम संरचनाओं को खतरे जैसी चीजों पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर ये चार देश अपनी ताकत और संसाधन मिलाकर काम करें, तो इससे पूरे क्षेत्र को फायदा होगा।

संक्षिप्त खबर

हत्या के मामले में अवामी लीग नेता और पूर्व सांसद शेख मुजीबुर रहमान जेल भेजे गए

ढाका। हत्या के एक मामले में बुधवार को बांग्लादेश की एक अदालत ने पूर्व सांसद और अवामी लीग के नेता शेख मुजीबुर रहमान को जेल भेज दिया है। यह मामला जुलाई 2024 में ढाका के उत्तरा इलाके में हुए प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी की घटना से जुड़ा है। अभियोजन विभाग के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद शमीम ने बताया कि अतिरिक्त मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट जाकिर हुसैन ने बुधवार को जांच अधिकारी की याचिका पर यह आदेश जारी किया। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, रहमान को मंगलवार देर रात उत्तरा वेस्ट पुलिस स्टेशन के तहत सेक्टर-11 स्थित घर से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद जांच अधिकारी शाहीन महमूद ने उन्हें अदालत में पेश किया और पूछताछ के लिए हिरासत में लेने की मांग की। रिकॉर्ड के मुताबिक 19 जुलाई 2024 को प्रदर्शन के दौरान उत्तरा के सेक्टर-7 में असदुल्लाह नामक व्यक्ति को गोली लगी थी। घटना के बाद पत्नी ने तुराग पुलिस स्टेशन में एक सामान्य डायरी (जीडी) दर्ज कराई थी। 11 अगस्त 2024 को परिवार ने ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मुर्दाघर में उनकी पहचान की और इस घटना को लेकर हत्या का मामला दर्ज कराया। पिछले महीने अवामी लीग ने जुलाई 2024 के प्रदर्शनों से जुड़े मामलों की विश्वसनीयता को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। पार्टी का आरोप है कि इनमें से कई मामले 'झूठे और मनगढ़ंत' हैं।

हिंदू शाही काल का सदियों पुराना किला उपेक्षा और अतिक्रमण से हो रहा खंडहर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हिंदू शाही काल से जुड़े एक सदियों पुराने ऐतिहासिक किले की हालत लगातार खराब होती जा रही है। उपेक्षा, अतिक्रमण और पर्यावरणीय क्षति के कारण यह महत्वपूर्ण धरोहर धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील हो रही है, जबकि यह पाकिस्तान के 1975 के प्राचीन स्मारक संरक्षण कानून के तहत संरक्षित है। सऊदी अरब के अंग्रेजी दैनिक अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद से करीब 40 किलोमीटर दूर सोआन नदी और पोठोहार क्षेत्र की पहाड़ियों से घिरे एक ऊबड़-खाबड़ पठारी इलाके में स्थित यह किला कभी भारतीय उपमहाद्वीप में आने-जाने वाले प्रमुख मार्गों की सुरक्षा के लिए रणनीतिक चौकी के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। इतिहासकारों का मानना है कि किले की मूल संरचना हिंदू शाही काल की है, जबकि बाद में 10वीं से 15वीं शताब्दी के बीच गाखड़ जनजाति ने इसका विस्तार किया। इसे क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहरों में से एक माना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, किले की दीवारों और प्रवेश द्वारों पर झाड़ियां और वनस्पतियां उग आई हैं। खंडहरों के बीच पशु घूमते दिखाई देते हैं, जबकि आसपास प्लास्टिक कचरा और मानवीय गतिविधियों के निशान भी मौजूद हैं।

टैरिफ चोरी रोकने के लिए ट्रंप का नया आदेश आयातकों और विदेशी कंपनियों की होगी गहन जांच

वॉशिंगटन। अमेरिका में सामान भेजने वाली विदेशी कंपनियों की अब कड़ी जांच होगी। टैरिफ चोरी और नकली या अवैध सामान पर सख्त कार्रवाई होगी और नियम तोड़ने वालों के लिए अमेरिका में व्यापार करना मुश्किल हो सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक व्यापक कार्यकारी आदेश (एग्जीक्यूटिव ऑर्डर) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका मकसद अमेरिका में आने वाले विदेशी सामानों की कड़ी जांच करना और टैरिफ (आयात शुल्क) चोरी रोकना है।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि कई विदेशी कंपनियां नियमों की कमियों का फायदा उठाकर शुल्क चोरी करती हैं और अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचाती हैं। इसलिए, सरकार व्यापार नियमों को सख्ती से लागू करना चाहती है। इस आदेश के तहत अमेरिका में सामान भेजने वाली कंपनियों को अब ज्यादा जानकारी देनी होगी। कंपनियों को बताना होगा कि उनके असली मालिक कौन हैं। जो कंपनियां गलत जानकारी देंगी या शुल्क चोरी करेंगी, उन पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। आयातकों से ज्यादा वित्तीय गारंटी (बॉन्ड) मांगी जा सकती है। कस्टम्स विभाग ऑडिट और जांच को और सख्त करेगा। अगर कोई भारतीय या अन्य विदेशी कंपनी अमेरिका को सामान बेचती है तो उसे नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। गलत जानकारी देने पर कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

आदेश के तहत अमेरिका को निर्यात करने वाली विदेशी कंपनियों की ज्यादा जांच होगी। विदेशी कंपनियां कुछ आसान आयात प्रक्रियाओं का फायदा नहीं उठा पाएंगी। अमेरिका को सामान भेजने के लिए अतिरिक्त नियमों का पालन करना होगा। इस आदेश के तहत संघीय एजेंसियों को कस्टम्स प्रक्रियाओं में बदलाव करने, आयातकों से अधिक जानकारी लेने, ऑडिट और जुर्माने को सख्त करने तथा उन खामियों को बंद करने का निर्देश दिया गया है, जिनकी वजह से कंपनियां शुल्क से बच निकलती हैं, अपनी वास्तविक मालिकाना संरचना छिपाती हैं और अमेरिकी व्यापार कानूनों को दरकिनार करती हैं।

ईरान के परमाणु हथियार प्रदर्शन की चेतावनी वाली खबरों को रुबियो ने बताया बेबुनियाद

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन खबरों को खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने अमेरिका को एक संदेश भेजकर चेतावनी दी थी कि अगर मौजूदा संघर्ष और बढ़ा, तो ईरान अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन कर सकता है। रुबियो ने साफ कहा कि ट्रंप प्रशासन तक ऐसा कोई संदेश नहीं पहुंचा था।

यह मामला बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की सुनवाई के दौरान सामने आया। प्रतिनिधि स्कॉट पेरी ने रुबियो से पूछा कि क्या पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से यह संदेश दिया था कि यदि तनाव और बढ़ता है, तो ईरान परमाणु हथियार होने का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। ऐसी खबरें सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। इस पर रुबियो ने दावे को नकार दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देखी है और मुझे ऐसे किसी संदेश की जानकारी भी नहीं है।' जब पेरी ने दोबारा सवाल किया और मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया, तब भी रुबियो ने इस बात से खुद को अलग रखा। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा कोई संदेश भेजा गया होता, तो मुझे हैरानी होती। अगर ऐसा हुआ होता, तो मुझे इसकी जानकारी जरूर होती।' यह बातचीत उस समय हुई जब कांग्रेस में ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर भी सवाल पूछे जा रहे थे।

दक्षिण लेबनान में मोर्टार हमला, यूएन शांति सैनिक की मौत

बेरूत। दक्षिणी लेबनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन यूएनआईएफआईएल ने पुष्टि की है कि एक शांति सैनिक की मोर्टार हमले में मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए।

यह हमला दक्षिण लेबनान के मरजायौन क्षेत्र के पास तड़के हुआ, जब मोर्टार गोले शांति सैनिकों के एक ठिकाने पर गिरे। हमले में गंभीर रूप से घायल सैनिक ने बाद में दम तोड़ दिया।

यूएनआईएफआईएल के बयान के अनुसार, मृतक शांति सैनिक की राष्ट्रीयता या हमले के लिए जिम्मेदार पक्ष की पहचान तुरंत स्पष्ट नहीं की गई है। संगठन ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है। हमले में दो अन्य शांति सैनिक भी घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत को लेकर विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। दक्षिण लेबनान में लंबे समय से सुरक्षा स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, जहां इजरायल और लेबनान सीमा के पास समय-समय पर झड़पें और हमले होते रहे हैं। बुधवार को अमेरिका की मध्यस्थता में अहम बैठक हुई जिसमें सीजफायर को लेकर सहमति भी बनी।

द टाइम्स ऑफ इजरायल ने इस पर प्रकाश डाला। जिसके अनुसार, हिज्बुल्लाह को लिटानी नदी के दक्षिण से हटना होगा, दोनों देशों की सरकारों ने 22 जून को आगे की सीधी वार्ता के लिए फिर से मिलने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही दोनों ने बतौर संप्रभु राष्ट्र लेबनान का भविष्य खुद तय करने की बात कही और ईरान या अन्य समूहों के हस्तक्षेप को खारिज किया।

सहमति के बावजूद गुरुवार को हमले जारी रहे। इजरायल के रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने भी कहा, 'संघर्ष विराम के बावजूद लेबनान के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रहेगा।'

लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी एनएनए ने बताया कि बेका के सोहमोर शहर पर हुए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। दक्षिणी लेबनान के हद्दाथा, तिबनिन, हारिस, कफर और हारिन शहरों पर भी और हमले हुए।

संघर्ष विराम के बावजूद फिलहाल लेबनान में अभियान जारी रखेगा इजरायल : रक्षा मंत्री काट्ज़

तेल अवीव/बेरूत। इजरायल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार को कहा कि संघर्ष विराम के बावजूद फिलहाल दक्षिणी लेबनान पर हमले जारी रहेंगे। उनके अनुसार सैन्य अभियान जारी रहेगा और विस्थापित लेबनानी नागरिकों को अभी वापस लौटने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उनकी यह टिप्पणी उस घोषणा के एक दिन बाद आई, जिसमें लेबनान और इजरायल ने वाशिंगटन में हुई वार्ताओं के दौरान युद्धविराम लागू करने पर सहमति जताई थी। यह समझौता हिज्बुल्लाह के गोलीबारी बंद किए जाने की शर्त पर आधारित है।

एक बयान में काट्ज ने कहा कि इजरायली सैनिक दक्षिणी लेबनान में स्थापित तथाकथित 'सुरक्षा क्षेत्र' में बने रहेंगे, जिसमें ब्यूफोर्ट किले का इलाका भी शामिल है। लगभग 900 वर्ष पुराने इस किले पर इजरायल ने शनिवार (30 मई) को कब्जा किया था।

उन्होंने कहा कि इजरायल क्षेत्र में 'आतंकी ढांचे को ध्वस्त' करने की कार्रवाई जारी रखेगा। साथ ही, अमेरिका के समर्थन से इजरायल को बेरूत में इजरायली क्षेत्रों पर होने वाले किसी भी हमले के जवाब में कार्रवाई करने की स्वतंत्रता प्राप्त होगी। वहीं, इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्वीर ने अमेरिका की मध्यस्थता से हुए इजरायल-लेबनान समझौते की आलोचना करते हुए इसे 'बड़ी गलती' बताया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता उन सलाहकारों की 'कल्पनाओं' का परिणाम है जो प्रधानमंत्री को गलत निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। बेन-ग्वीर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हिज्बुल्लाह केवल और अधिक मजबूत होगा, और उसे पराजित करने के बजाय इजरायल उसके अस्तित्व को स्वीकार कर रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'कुछ अवसर ऐसे होते हैं जब अमेरिका के राष्ट्रपति को भी 'नहीं' कहना आवश्यक होता है।'

ट्रंप प्रशासन को बड़ा राजनीतिक झटका, अमेरिकी संसद में ईरान युद्ध खत्म करने का प्रस्ताव पास

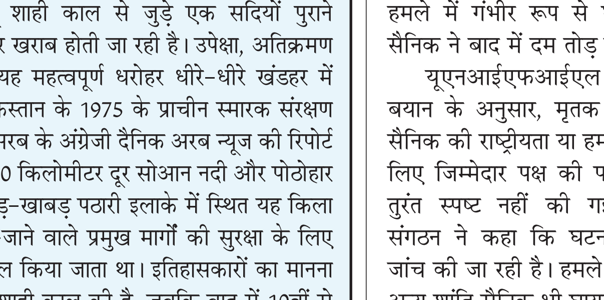

वॉशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक द्विदलीय 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन' पारित किया है, जिसका मकसद ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को खत्म करना है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक राजनीतिक झटका माना जा रहा है, क्योंकि इस संघर्ष को लेकर आलोचना बढ़ती जा रही है।

यह प्रस्ताव बुधवार (स्थानीय समय) को पेश किया गया था। इसे हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने पेश किया था और इसे एडम स्मिथ और जिम हाइम्स जैसे वरिष्ठ डेमोक्रेट्स का समर्थन मिला। यह प्रस्ताव बहुत ही करीबी अंतर 215-208 से पास हुआ। मीक्स ने इसे एक बड़ा मोड़ बताते हुए कहा, 'मेरे 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन' का पास होना राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान के खिलाफ अवैध और महंगे युद्ध पर एक अहम द्विदलीय विरोध है और इसे पूरी तरह खत्म करने की दिशा में पहला कदम है।' इस वोट से साफ है कि कांग्रेस में इस युद्ध को लेकर विरोध बढ़ रहा है। आलोचकों का कहना है कि इस संघर्ष ने अपने बताए गए लक्ष्य

मालवीय नगर अग्निकांड में जान गंवाने वाले 12 विदेशियों में से 9 की हुई शिनाख्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मालवीय नगर अग्निकांड में जान गंवाने वाले 12 विदेशी नागरिकों में से नौ की शिनाख्त कर ली है।

मालवीय नगर स्थित होटल 'फ्लोरिश स्टेज' में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। इनमें नौ भारतीय नागरिक थे, जबकि 12 विदेशी नागरिक थे। ये विदेशी नागरिक बांग्लादेश, लाइबेरिया, नाइजीरिया और मोजाम्बिक जैसे देशों के रहने वाले थे।

अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने सभी विदेशी नागरिकों की सूची विदेश मंत्रालय को भेज दी है, ताकि उनके शवों को उनके संबंधित देशों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में मदद मिल सके।

इन विदेशी नागरिकों की पहचान घटनास्थल से मिले पासपोर्ट और अन्य दस्तावेजों के आधार पर की गई। पुलिस ने सभी विदेशी नागरिकों की डीएनए प्रोफाइलिंग पूरी कर ली है। अधिकारियों के अनुसार, यह प्रक्रिया संबंधित देशों के दूतावासों से आवश्यक अनुमति मिलने के बाद पूरी की गई। अधिकारियों ने बताया कि सभी विदेशी नागरिकों के शवों का पोस्टमॉर्टम उनके संबंधित दूतावासों से अनुमति मिलने के बाद किया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, आग से इमारत का बेसमेंट, भूतल और ऊपर की पांच मंजिलें गर्मी और धुएं की चपेट में आ गईं। फिलहाल, घटना के कारणों की जांच जारी है। आग सुबह लगी और देखते ही देखते बहुमंजिला इमारत की कई मंजिलों में फैल गई। बचाव दल ने इमारत से 47 लोगों को निकाल लिया। 26 घायल लोगों का शहर के अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने उस होटल के मालिक लवकेश बजाज को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने लवकेश बजाज को उस समय हिरासत में लिया, जब अधिकारी उनकी और उनकी पत्नी की तलाश कर रहे थे। दोनों के खिलाफ पहले ही लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया जा चुका था।

तेज आंधी-तूफान और झमाझम बारिश से मौसम सुहावना, जलभराव और गिरे पेड़ों ने बढ़ाई परेशानी

नोएडा। दिल्ली समेत नोएडा और आसपास के इलाकों में 4 जून को तेज आंधी-तूफान के साथ हुई झमाझम बारिश ने भीषण गर्मी से लोगों को बड़ी राहत दिलाई। दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली और काले बादलों के साथ तेज हवाएं चलने लगीं। इसके बाद शुरू हुई बारिश ने तापमान में गिरावट ला दी, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली।

हालांकि, इस बारिश ने शहर की व्यवस्थाओं की पोल भी खोलकर रख दी। तेज आंधी के कारण शहर के कई इलाकों में पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आईं। सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिर गया, जिससे यातायात प्रभावित हो गया। सड़क पर पेड़ गिरने के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को काफी देर तक जाम का सामना करना पड़ा।

वहीं, बरौला हनुमान मूर्ति रोड पर भी भारी जाम की स्थिति बन गई, जहां वाहन

रेंगते हुए नजर आए। बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव की समस्या भी देखने को मिली। सेक्टर-58 की मुख्य सड़क पर पानी भर जाने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। वहीं, सेक्टर-62 अंडरपास में भी जलभराव होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कई दोपहिया वाहन पानी में फंस गए, जबकि चारपहिया वाहनों को भी सावधानीपूर्वक गुजरना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल मानसून और बारिश से पहले नालों और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के दावे किए जाते हैं, लेकिन पहली ही तेज बारिश में व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति सामने आ जाती है। कई स्थानों पर नालियां चोक होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर जमा हो गया और उसकी निकासी नहीं हो सकी। इससे लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश ने जहां एक ओर मौसम को खुशनुमा बना दिया और गर्मी से राहत दी, वहीं दूसरी ओर नोएडा अथॉरिटी की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए। शहर के विभिन्न इलाकों में जलभराव और यातायात अव्यवस्था ने यह साफ कर दिया कि बरसात से निपटने के लिए किए गए इंतजाम अभी भी पर्याप्त नहीं हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दिनों में भी आंधी, तेज हवाओं और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है।

योगी सरकार का धरना प्रदर्शन के खिलाफ बड़ा एक्शन, यमुना एक्सप्रेस-वे 'नो प्रोटेस्ट जोन' घोषित

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर यातायात व्यवस्था को सुरक्षित, सुचारू और बाधा रहित बनाए रखने के लिए गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के 22 मई के निर्देशों के अनुपालन में यमुना एक्सप्रेस-वे के गौतमबुद्धनगर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 0 किलोमीटर से 41 किलोमीटर तक के पूरे हिस्से को 'नो प्रोटेस्ट जोन' घोषित कर दिया गया है।

इस निर्णय के तहत अब एक्सप्रेस-वे के उक्त क्षेत्र में किसी भी प्रकार के राजनीतिक, गैर-राजनीतिक अथवा अन्य संगठनों द्वारा धरना-प्रदर्शन, विरोध प्रदर्शन, रैली या आंदोलन की अनुमति नहीं होगी। पुलिस प्रशासन का कहना है कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य एक्सप्रेस-वे पर यातायात को प्रभावित होने से बचाना तथा आम नागरिकों और वाणिज्यिक वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करना है। यमुना एक्सप्रेस-वे देश के प्रमुख और व्यस्ततम मार्गों में से एक है, जहां प्रतिदिन हजारों वाहन दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और आगरा के बीच आवागमन करते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार के प्रदर्शन या धरने के कारण यातायात बाधित होने की संभावना बनी रहती है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है।

गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा इस संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। एक्सप्रेस-वे के प्रमुख स्थानों, पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय तथा संबंधित थाना परिसरों में सूचना बोर्ड लगाए जा रहे हैं, ताकि लोगों को इस आदेश की जानकारी मिल सके। साथ ही विभिन्न संचार माध्यमों के जरिए भी आमजन को नियमों से अवगत कराया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यमुना एक्सप्रेस-वे का लगभग 41 किलोमीटर क्षेत्र गौतमबुद्धनगर जनपद के अंतर्गत आता है। इस पूरे हिस्से में 'नो प्रोटेस्ट जोन' का आदेश प्रभावी रहेगा।

संक्षिप्त खबर

बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्रियों को बेचने में शामिल शख्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने एक ऐसे शख्स के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज की है, जो बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्रियों को बेचा करता था। आरोपी को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पुलिस अब उससे यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वो कब से इस काम में जुटा हुआ है? पुलिस का स्पष्ट कहना है कि इस आरोपी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके खिलाफ हर कीमत पर कार्रवाई होकर रहेगी। लेकिन, उससे पहले के लिए इस मामले के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी होना जरूरी हो जाता है। इसी को देखते हुए इस मामले में पुलिस विभिन्न बिंदुओं के संदर्भ में पूछताछ कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुलिस को आरोपी के बारे में टेलीग्राम से पता चला था। इसके बाद उसके खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपी के पास से है, जिसे बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्रियों को बेचने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पुलिस आरोपी के मोबाइल फोन की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अब तक इसका किन -किन चीजों में उपयोग किया गया है? वहीं, पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मामला नवी मुंबई के एनआरआई पुलिस स्टेशन को भेजा दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, बच्चों के योन शोषण से जुड़ी सामग्रियों को बेचने जैसी गतिविधियों में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता, 21 साल से फरार इनामी डकैत को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़े अंतरराज्यीय अपराधी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है। आरोपी धर्मपाल उर्फ धर्मपाल बावरिया उर्फ धर्म सिंह उर्फ पेटू बावरिया पिछले 21 वर्षों से फरार चल रहा था। हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस ने इसके सिर पर 30,000 रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। आरोपी कुख्यात 'हवा सिंह बावरिया' गिरोह का प्रमुख सदस्य था। उसे हरियाणा के भिवानी जिले के बहल लुहारू क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि वह 'धर्म चंद' नाम से छिपकर रह रहा था। डीसीपी हर्ष इंदौरा के निर्देश पर बनी विशेष टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ा। धर्मपाल पर हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में डकैती, लूट और अन्य गंभीर अपराधों के 11 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वह 2005 में हरियाणा की एक अदालत में पेशी के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस की हिरासत से फरार हो गया था। फरार होने के बाद उसने अपनी पहचान, नाम और ठिकाना बार-बार बदल लिया। उसने हर्ष विहार (गाजियाबाद), कनीना (महेंद्रगढ़), डाबरी (दिल्ली) और बहल (हरियाणा) जैसे कई स्थानों पर रहकर पुलिस की नजर बचाई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह 1990 के दशक के अंत से हवा सिंह बावरिया गिरोह से जुड़ा हुआ था। यह गिरोह मुख्य रूप से उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में गोदामों, ट्रकों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर डकैतियां करता था। गैंग के सदस्य रेकी करते थे, सुरक्षा गार्डों को बंधक बनाते थे और सामान लूटकर दूसरे राज्यों में भेज देते थे।

संयुक्त राष्ट्र महिला की नई प्रतिनिधि ने भारत में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। भारत में संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन विमेन) की नई देश प्रतिनिधि के रूप में शोकू इशिकावा ने अपना परिचय पत्र विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सीबी जॉर्ज को प्रस्तुत किया। यह औपचारिक प्रक्रिया नई प्रतिनिधि के भारत में आधिकारिक कार्यकाल की शुरुआत को दर्शाती है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कुछ तस्वीरों के साथ ये जानकारी दी। इस अवसर पर सचिव (पश्चिम) ने उन्हें भारत में सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में भारत और संयुक्त राष्ट्र महिला के बीच सहयोग और मजबूत होगा।

यह औपचारिक प्रक्रिया किसी भी अंतरराष्ट्रीय संगठन के प्रतिनिधि के लिए आवश्यक होती है, जिसके माध्यम से वे किसी देश में आधिकारिक रूप से अपने कार्यों की शुरुआत करते हैं।

यूएन विमेन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार ये एक ऐसी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है, जो दुनिया भर में लैंगिक समानता और महिलाओं-लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए काम करती है। भारत में यह संस्था सरकार और विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक भागीदारी और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों के लिए काम करती है।

नई प्रतिनिधि शोकू के कार्यभार संभालने से भारत में चल रहे कई कार्यक्रमों और परियोजनाओं को और गति मिलने की उम्मीद है। इनमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना, हिंसा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना, और सामाजिक-आर्थिक विकास में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना शामिल है।

आधिकारिक साइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, भारत में अपनी नई जिम्मेदारी संभालने से पहले इशिकावा न्यूयॉर्क स्थित यूएन विमेन के नीति, कार्यक्रम और अंतर-सरकारी मामलों के प्रभाग में उप-निदेशक के पद पर कार्यरत थीं। इस भूमिका में उन्होंने वैश्विक स्तर पर महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता से जुड़े कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। साथ ही, उन्होंने यूएन विमेन की 2026-2029 की रणनीतिक योजना तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शोकू इशिकावा बांग्लादेश और वियतनाम में यूएन विमेन की देश प्रतिनिधि के रूप में भी कार्य कर चुकी हैं। इन देशों में उन्होंने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने, लैंगिक संवेदनशील शासन व्यवस्था, शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों तथा मानवीय सहायता कार्यक्रमों का सफल नेतृत्व किया।

उन्होंने पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की कार्यवाहक क्षेत्रीय निदेशक के रूप में भी सेवाएं दी हैं। उनका संयुक्त राष्ट्र करियर यूनिफेम (संयुक्त राष्ट्र महिला विकास कोष) से शुरू हुआ था।

किर्गिस्तान समेत ये पांच देश यूएनएससी के गैर-स्थायी सदस्य चुने गए

संयुक्त राष्ट्र। ऑस्ट्रिया, किर्गिस्तान, पुर्तगाल, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा जिम्बाब्वे को बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का गैर-स्थायी सदस्य चुना गया। इनका कार्यकाल दो साल का होगा। यह पहली बार है जब किर्गिस्तान सुरक्षा परिषद का सदस्य बनेगा।

नए चुने गए सदस्य डेनमार्क, ग्रीस, पाकिस्तान, पनामा और सोमालिया की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल खत्म हो रहा है। ये देश 1 जनवरी 2027 से अपनी सीट संभालेंगे और 31 दिसंबर 2028 तक परिषद में रहेंगे।

सुरक्षा परिषद की गैर-स्थायी सीट जीतने के लिए, किसी भी उम्मीदवार देश को संयुक्त राष्ट्र महासभा में मौजूद और मतदान करने वाले सदस्य देशों के कम से कम दो-तिहाई वोट हासिल करने होते हैं। अगर सभी 193 सदस्य देश मौजूद हों और मतदान करें, तो जीत के लिए कम से कम 129 वोट जरूरी होते हैं। जो देश मतदान से दूर रहते हैं, उन्हें वोटिंग में शामिल नहीं माना जाता।

सिंधिया के संसदीय क्षेत्र गुना के राम जानकी मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 20 लाख मंजूर

गुना। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संसदीय क्षेत्र गुना के ग्राम पाटई स्थित ऐतिहासिक राम जानकी मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 20 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई है। दरअसल, राम जानकी मंदिर की स्थिति अच्छी नहीं है और यहां के लोग जीर्णोद्धार की मांग लंबे समय से कर रहे थे।

लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की धर्मपत्नी प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया ने 25 अप्रैल 2024 को ग्राम पाटई के प्रवास के दौरान मंदिर के जीर्णोद्धार का आश्वासन दिया था। अब इस कार्य के लिए राशि स्वीकृत हो चुकी है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया गुना संसदीय क्षेत्र से सांसद हैं और वे लगातार क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों के संरक्षण को भी प्राथमिकता देते रहे हैं। राम जानकी मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य क्षेत्र की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। मंदिर के जीर्णोद्धार की स्वीकृति मिलने पर ग्राम पाटई एवं आसपास के क्षेत्र के ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने कहा कि मंदिर के विकास से धार्मिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। ग्रामीणों ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्रीय मंत्री सिंधिया के मार्गदर्शन में क्षेत्र में विकास और जनआस्था से जुड़े कार्य आगे भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेंगे। गुना संसदीय क्षेत्र की हम बात करें तो इस इलाके में लगातार विकास परियोजनाएं आकार ले रही हैं, वहीं शिक्षा और रोजगार की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। इतना ही नहीं केंद्रीय मंत्री सिंधिया लगातार यहां प्रवास कर विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए आमजन से सीधे संवाद करते हैं और समस्याओं के निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को भी देते हैं।

सरकार 2027 तक 5,000 ई85 फ्यूल स्टेशन शुरू करेगी : हरदीप पुरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश में फ्लेक्स-फ्यूल को बढ़ावा देने के लिए चरणबद्ध तरीके से ई85 ईंधन स्टेशन शुरू करने जा रही है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे प्रमुख शहरी क्षेत्रों में सबसे पहले लगभग 100 ई85 फ्यूल डिस्पेंसिंग स्टेशन यानी ईंधन वितरण स्टेशन शुरू किए जाएंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में मारुति सुजुकी वैगनआर फ्लेक्स फ्यूल मॉडल के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ई85 एक ऐसा ईंधन मिश्रण है जिसमें 85 प्रतिशत तक एथेनॉल होता है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के मानकों के तहत इसे फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए मानक ईंधन के रूप में निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि ई85 को देश के सबसे स्वच्छ ईंधन विकल्पों में से एक माना जा रहा है, और कई मामलों में यह इलेक्ट्रिक वाहनों की तुलना में भी अधिक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प साबित हो सकता है। यह भारत के वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ते कदम का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पुरी ने आगे बताया कि फ्लेक्स-फ्यूल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। दिसंबर 2026 तक ई85 ईंधन उपलब्ध कराने वाले स्टेशनों की संख्या बढ़ाकर 500 की जाएगी, जबकि 2027 के अंत तक देश के प्रमुख शहरों में ऐसे 5,000 स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने कहा कि भारत में मोबिलिटी सेक्टर तेजी से बदल रहा है। फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक अब केवल दोपहिया वाहनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि चारपहिया वाहनों में भी इसका इस्तेमाल शुरू हो चुका है।

पांच दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचीं वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज

नई दिल्ली। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज बुधवार को पांच दिवसीय भारत दौरे पर नई दिल्ली पहुंचीं। उनकी यह यात्रा भारत और वेनेजुएला के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि रोड्रिगेज की यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और गहरा करने में मदद करेगी। दौरे के दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगी। दोनों नेताओं के बीच ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार एवं निवेश, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा समेत भारत-वेनेजुएला संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'नई दिल्ली आगमन पर वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज का हार्दिक स्वागत है। उनकी यह यात्रा भारत-वेनेजुएला साझेदारी को नई गति प्रदान करेगी और द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत बनाएगी।' रोड्रिगेज के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है, जिसमें वेनेजुएला के विदेश, अर्थव्यवस्था एवं वित्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संचार एवं सूचना तथा परिवहन मंत्री शामिल हैं।

सीएम माझी ने बैठक में आपदा जोखिम कम करने पर ब्रिक्स के बीच सहयोग की अपील की

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गुरुवार को पवित्र शहर पुरी में ब्रिक्स आपदा जोखिम कम करने वाले कार्य समूह (डीआरआरडी) की तकनीकी बैठक का उद्घाटन किया।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं से पैदा हो रही बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय और राज्यों के बीच सहयोग बढ़ाने की अपील की।

मुख्यमंत्री माझी ने ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और मेहमानों का स्वागत करते हुए इस बैठक को वैश्विक स्तर पर आपदा जोखिम कम करने के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने बताया कि इस बैठक का विषय 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' है। यह विषय

अधिक सहयोग के माध्यम से लोगों की जान, आजीविका और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की तात्कालिक प्राथमिकताओं को दर्शाता है। सीएम माझी ने सत्र को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि आपदा जोखिम कम करना अब केवल एक अलग क्षेत्रीय मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह सतत विकास, आर्थिक स्थिरता और मानवीय सुरक्षा का एक मुख्य आधार बन गया है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, तेजी से हो रहा शहरीकरण और पर्यावरण का क्षरण दुनिया भर में आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता, दोनों को बढ़ा रहे हैं, जिसके लिए मजबूत तैयारी और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने ओडिशा के विश्व स्तर पर प्रशंसित आपदा प्रबंधन मॉडल पर भी प्रकाश डाला, जो 'जीरो कैजुअल्टी' के मार्गदर्शक सिद्धांत पर आधारित है। सीएम माझी ने कहा कि राज्य ने साक्ष्य-आधारित योजना, उन्नत प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, लचीले बुनियादी ढांचे, संस्थागत क्षमता निर्माण और समावेशी शासन तंत्र के माध्यम से अपनी आपदा तैयारियों को लगातार मजबूत किया है।

मंगल के वातावरण पर शोध करने वाला नासा का पहला मिशन मेवेन खत्म, अंतरिक्ष यान से टूटा संपर्क

लॉस एंजिल्स। नासा का मंगल ग्रह के वातावरण और उसके बदलावों का अध्ययन करने वाला पहला मिशन 'मार्स एटमॉस्फियर एंड वोलाटाइल इवोल्यूशन' (मेवेन) अब आधिकारिक रूप से खत्म हो गया है। एजेंसी ने बताया कि पिछले दिसंबर उसका अंतरिक्ष यान से संपर्क टूट जाने के बाद यह निर्णय लिया गया।

नासा ने बताया कि यह अंतरिक्ष यान 18 नवंबर 2013 को लॉन्च हुआ था और 21 सितंबर 2014 को मंगल की कक्षा में पहुंच गया था। शुरुआत में इसे सिर्फ एक साल के लिए काम करने के लिए बनाया गया था, लेकिन यह 11 साल से भी ज्यादा समय तक चलता रहा और अपनी तय उम्र से कहीं ज्यादा समय तक काम करता रहा।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिक्ष यान से आखिरी बार 6 दिसंबर 2025 को संपर्क हुआ था, जब मंगल के पीछे से गुजरने के बाद अचानक इसका सिग्नल चला गया।

इसके बाद, नासा ने फरवरी में एक जांच बोर्ड बनाया, ताकि समस्या का कारण पता लगाया जा सके और यह समझा जा सके कि इसे ठीक किया जा सकता है या नहीं।

नासा ने बुधवार (स्थानीय समय) को यह जानकारी दी कि जांच बोर्ड ने निष्कर्ष निकाला है कि 'मेवेन' अंतरिक्ष यान को अब ठीक नहीं किया जा सकता और यह अपनी वैज्ञानिक और डाटा भेजने वाली भूमिका निभाने में सक्षम नहीं है।

शुरुआती जांच में पता चला है कि मंगल के पीछे से गुजरने के बाद अंतरिक्ष यान में तेज घुमाव शुरू हो गया, जिससे इसकी कक्षा और दिशा बिगड़ गई और धीरे-धीरे इसकी बैटरियां खत्म हो गईं। पावर खत्म होने की वजह से इसका संचार सिस्टम भी बंद हो गया और यह पृथ्वी से संपर्क नहीं कर सका।

एजेंसी ने बताया कि इस समस्या की असली वजह अभी भी जांच के दायरे में है और इसकी अंतिम रिपोर्ट इस साल के अंत तक आने की उम्मीद है।

नासा ने अब इस मिशन को औपचारिक रूप से बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और पूरे मिशन के डाटा को वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष अनुसंधान समुदाय के लिए सुरक्षित किया जा रहा है।

भीषण गर्मी में खुद को रखें सुरक्षित, हीटवेव से बचाव के लिए युवा अपनाएं ये हेल्थ टिप्स

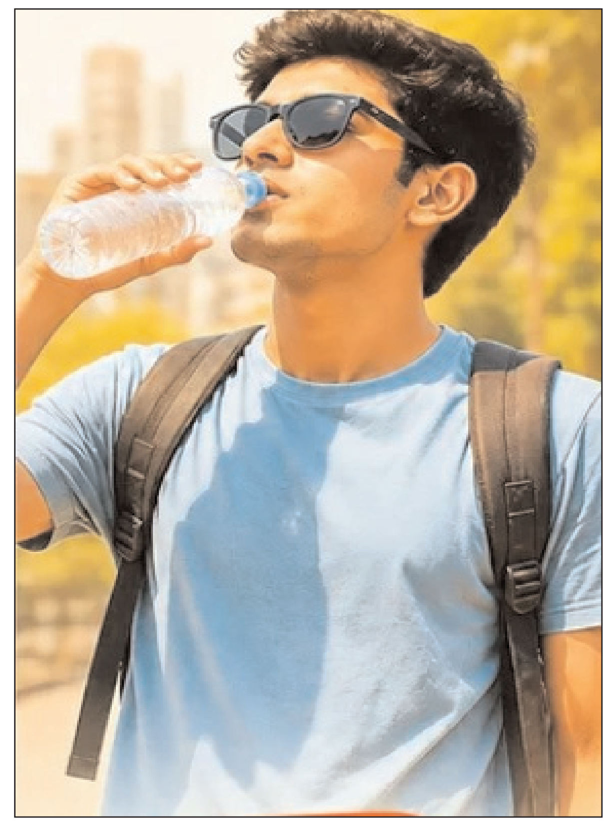

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी और हीटवेव का प्रकोप जारी है। बढ़ते तापमान और तेज धूप के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में युवाओं को विशेष रूप से सतर्क रहने और अपनी सेहत का ध्यान रखने की जरूरत है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने हीटवेव से बचाव के लिए युवाओं को खासकर क्योंकि व्यस्त दिनचर्या और आउटडोर गतिविधियों के कारण वे इस गर्मी में सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुझाव दिए हैं, जिनका पालन करके गर्मी से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

एनएचएम के अनुसार,सबसे महत्वपूर्ण है खुद को हाइड्रेटेड रखना है। बाहर निकलते समय पानी की बोतल साथ जरूर रखें और छोटे-छोटे घूंट लेकर बार-बार पानी पीते रहें। सादे पानी के अलावा नींबू पानी, नारियल पानी या ताजे फलों के जूस का भी सेवन करें। एनर्जी ड्रिंक्स से बचें क्योंकि वे शरीर को और भी डिहाइड्रेट कर सकते हैं।

धूप में निकलते समय सिर और चेहरे को अच्छी तरह ढकें। कपड़े का स्कार्फ, टोपी या छाता इस्तेमाल करें। आंखों की सुरक्षा के लिए यूवी प्रोटेक्शन वाला चश्मा जरूर पहनें। दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक तेज धूप में अनावश्यक आउटडोर एक्टिविटी जैसे खेलकूद, दौड़ना या लंबी यात्रा से बचें। अगर बाहर जाना बहुत जरूरी हो तो हल्के रंग के ढीले और सूती कपड़े पहनें जो पसीने को सोख सके।

हीटवेव के दौरान शरीर के संकेतों पर नजर रखें। अगर चक्कर आना, ज्यादा थकान, उल्टी जैसा महसूस होना, सिरदर्द या पसीना न आना जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत ठंडी जगह पर आराम करें और डॉक्टर से संपर्क करें। लू लगने पर खुद को नजरअंदाज न करें। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, युवाओं को चाहिए कि वे दिन की शुरुआत हल्के व्यायाम से करें लेकिन उसे भी सुबह के ठंडे समय में सीमित रखें। रात को अच्छी नींद लें और पौष्टिक भोजन करें जिसमें ज्यादा पानी वाली चीजें जैसे खरबूजा, खीरा, तरबूज शामिल हों।

'अनसेफ फूड' बना काल, हर साल 15 लाख लोगों की जा रही जान : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 'अनसेफ फूड' यानी असुरक्षित और दूषित भोजन को हर साल 15 लाख लोगों की मौत का कारण बताया है। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के हवाले से चेतावनी दी है कि इस समस्या का सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर पड़ता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार ये आज भी वैश्विक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

रिपोर्ट में वर्ष 2000 से 2021 के बीच 194 देशों के आंकड़ों का अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि हर साल लगभग 88.6 करोड़ लोग असुरक्षित भोजन खाने से बीमार पड़ते हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में यह खतरा अन्य लोगों की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा, 'खाद्य सुरक्षा केवल एक स्वास्थ्य मुद्दा नहीं है, बल्कि यह हर परिवार और हर व्यक्ति के दैनिक जीवन से जुड़ा विषय है। सुरक्षित भोजन सभी लोगों का अधिकार है। इसके लिए सरकारों और समाज को मिलकर काम करना होगा।'

रिपोर्ट के अनुसार, दूषित भोजन से होने वाली बीमारियों के मामले पिछले दो दशकों में कुछ कम हुए हैं, लेकिन दुनिया के कई क्षेत्रों में स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इन दोनों क्षेत्रों में खाद्यजनित बीमारियों के लगभग 75 प्रतिशत मामले और 60 प्रतिशत मौतें होती हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि बैक्टीरिया और वायरस जैसे जैविक कारक अधिकांश बीमारियों के लिए जिम्मेदार हैं। वहीं, आर्सेनिक और सीसा जैसे रासायनिक तत्वों से दूषित भोजन कई गंभीर मौतों का कारण बन रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन और एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति बढ़ता प्रतिरोध इस समस्या को और गंभीर बना रहा है। बढ़ते तापमान और बदलते मौसम के कारण भोजन के दूषित होने का खतरा बढ़ रहा है, जबकि दवाओं का असर कम होने से संक्रमण का इलाज कठिन होता जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, खाद्यजनित बीमारियों के कारण वर्ष 2021 में वैश्विक अर्थव्यवस्था को लगभग 647 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। डब्ल्यूएचओ ने सभी देशों से खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और लोगों को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की है।

न शॉवर, न हेयर ड्रायर स्पेस में कैसे करते हैं हेयरवॉश, एस्ट्रोनॉट सोफी अडेंनॉट ने बताया पूरा तरीका

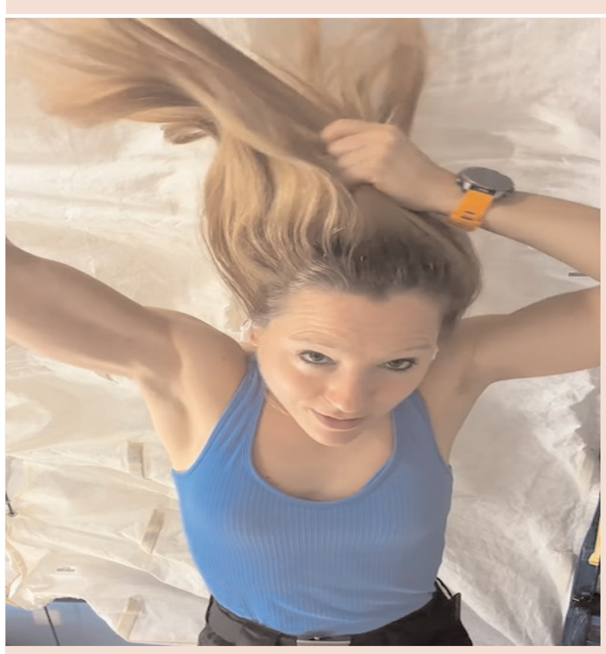

नई दिल्ली। स्पेस की लाइफ पृथ्वी से काफी अलग होती है। वहां रोजमर्रा के साधारण काम भी विशेष तरीके से करने पड़ते हैं। यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) की एस्ट्रोनॉट सोफी अडेंनॉट ने हाल ही में बताया कि स्पेस में हेयरवॉश कैसे किया जाता है और इसके लिए किन खास तरीकों का इस्तेमाल किया जाता है।

सोफी अडेंनॉट ने इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पहली नजर में स्पेस में हेयरवॉश की प्रक्रिया पृथ्वी जैसी ही लग सकती है। पानी लगाना, शैम्पू करना और बालों को सुखाना- ये सभी चरण समान हैं। लेकिन माइक्रोग्रैविटी यानी बेहद कम गुरुत्वाकर्षण वाले वातावरण में यह प्रक्रिया पूरी तरह अलग अनुभव बन जाती है।

उन्होंने बताया कि बाल धोने की शुरुआत हेयरब्रश से बालों को सुलझाने से होती है। इसके बाद एक छोटे पानी के बैग की मदद से बालों और सिर की त्वचा पर थोड़ा-थोड़ा पानी लगाया जाता है। पानी को पूरे सिर में फैलाने के लिए अच्छी तरह मालिश की जाती है ताकि हर हिस्से तक नमी पहुंच सके।

सोफी ने बताया कि एस्ट्रोनॉट्स के लिए विशेष प्रकार का 'नो-रिंस' शैम्पू उपलब्ध कराया जाता है। इस शैम्पू को इस्तेमाल करने के बाद अधिक पानी से धोने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें एक विशेष साबुन की टिकिया का उपयोग करना पसंद है, जिससे उन्हें अतिरिक्त सफाई का एहसास होता है। वह साबुन और शैम्पू को बालों की जड़ों तक अच्छी तरह पहुंचाने के लिए मालिश करती हैं।

बाल साफ करने के बाद तौलिए की मदद से अतिरिक्त शैम्पू और नमी को सोख लिया जाता है। इसके लिए बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है। सोफी के अनुसार, लगभग 250 मिलीलीटर पानी से पूरे बाल धोए जा सकते हैं, जो पृथ्वी पर इस्तेमाल होने वाले पानी की तुलना में काफी कम है।

उन्होंने बताया कि इस्तेमाल किए गए तौलिए को बाद में सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है। तौलिए में मौजूद नमी को अंतरिक्ष स्टेशन की जल पुनर्चक्रण प्रणाली के जरिए फिर से उपयोग योग्य बनाया जाता है। यह पानी शुद्ध होकर दोबारा पीने योग्य पानी में बदल दिया जाता है।

ंतरिक्ष में हेयर ड्रायर जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होतीं, इसलिए बालों को प्राकृतिक रूप से सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है। सोफी अडेंनॉट ने कहा कि अंतरिक्ष में बाल धोना भले ही अलग अनुभव हो, लेकिन सही तकनीक और सीमित संसाधनों के साथ यह प्रक्रिया आसानी से पूरी की जा सकती है।

सर्वांगासन बढ़ती उम्र की समस्याओं को दूर करने में कारगर, अभ्यास के कई फायदे

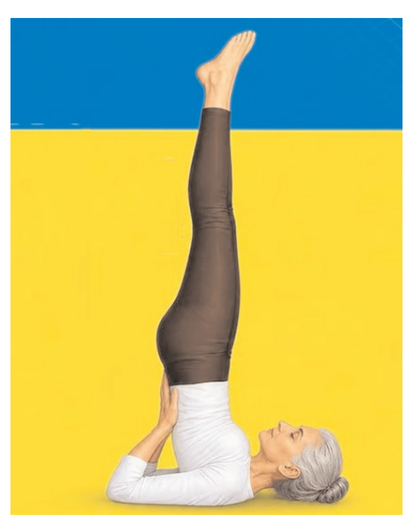

नई दिल्ली। बढ़ती उम्र के साथ कई स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करने लगती हैं, लेकिन योग के नियमित अभ्यास से इनसे काफी हद तक पार पाया जा सकता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने वृद्धावस्था में स्वस्थ जीवन के लिए सर्वांगासन यानी शोल्डर स्टैंड को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी है।

विश्व योग दिवस 2026 के अवसर पर स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग थीम को अपनाया जा रहा है। मंत्रालय का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि योग सिर्फ युवाओं के लिए नहीं, बल्कि हर उम्र के लोगों खासकर बुजुर्गों के लिए भी लाभकारी है। सर्वांगासन जैसी क्रियाएं अपनाकर बढ़ती उम्र में भी सेहतमंद रहा जा सकता है।

यह आसन पाचन संबंधी समस्याओं को कम करने और शरीर के एंडोक्राइन सिस्टम को संतुलित रखने में मददगार साबित होता है। सर्वांगासन को योग की महत्वपूर्ण मुद्राओं में से एक माना जाता है। इसमें शरीर को कंधों के बल पर उल्टा किया जाता है। यह आसन थायरॉइड ग्रंथि को सक्रिय करता है, जिससे हार्मोन बैलेंस बना रहता है। साथ ही यह पेट की समस्याओं जैसे कब्ज, अपच और गैस को दूर करने में भी सहायक होता है।

यही नहीं, यह रक्त संचार सुधारने और मस्तिष्क को ऑक्सीजन पहुंचाने का भी यह अच्छा तरीका है।

योग एक्सपर्ट्स का मानना है कि स्वस्थ बुढ़ापा केवल शारीरिक गतिविधि तक सीमित नहीं है, बल्कि शरीर के अंदरूनी संतुलन को बनाए रखने से जुड़ा है। आज अगर हम छोटी-छोटी अच्छी आदतें अपनाते हैं तो आने वाले वर्षों में स्वस्थ और सक्रिय वृद्धावस्था सुनिश्चित की जा सकती है।

नियमित योग अभ्यास से उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कमजोरी, थकान और कई पुरानी बीमारियों से बचाव होता है।

हालांकि, शुरुआत में इस आसन को सही तरीके से सीखना जरूरी है। विशेषज्ञों की देखरेख में अभ्यास करने से चोट लगने का खतरा कम रहता है। योग एक्सपर्ट की सलाह के साथ इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें, खासकर जिन्हें गर्दन, पीठ या उच्च रक्तचाप की समस्या हो।

पीठ-कमर दर्द से राहत, तो दूर शरीर की जकड़न दूर करने में कारगर ये योगासन, आयुष मंत्रालय की सलाह

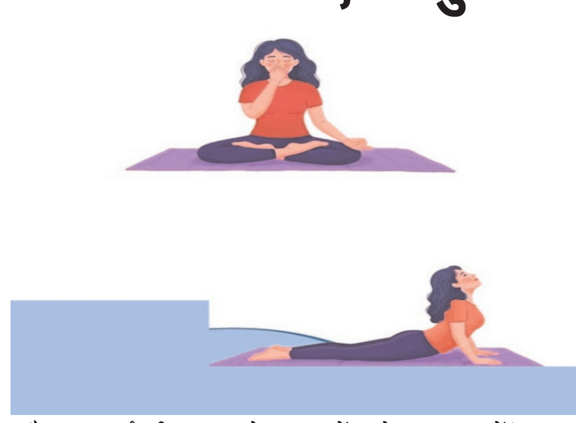

नई दिल्ली । विश्व योग दिवस को अब एक महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय रोजाना लोगों को योग का महत्व बताते हुए इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की सलाह दे रहा है। मंत्रालय का कहना है कि नियमित योगाभ्यास कमर के निचले हिस्से में होने वाले दर्द जैसी आम समस्याओं से राहत दिलाने में मददगार साबित हो सकता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, लंबे समय तक बैठकर काम करने की आदत और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग पीठ और कमर दर्द की समस्या से जूझ रहे हैं। आयुष मंत्रालय ने ऐसे लोगों के लिए योग को एक प्राकृतिक और प्रभावी उपाय बताया है। मंत्रालय के अनुसार, 'योग-युक्त रहें, रोग-मुक्त रहें' का मंत्र अपनाकर लोग अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं और कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव कर सकते हैं।

योग विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित योगाभ्यास शरीर की कोर मसल्स और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इससे रीढ़ की हड्डी को बेहतर सहारा मिलता है और दर्द की समस्या कम हो सकती है। योग शरीर में लचीलापन बढ़ाने, मांसपेशियों की जकड़न दूर करने और तनाव कम करने में भी सहायक होता है। साथ ही यह शरीर की मुद्रा को सुधारता है, जिससे चलने-फिरने और रोजमर्रा के काम करने में आसानी होती है।

आयुष मंत्रालय ने पीठ और कमर दर्द से राहत पाने के लिए कुछ विशेष योगासनों और प्राणायाम का सुझाव दिया है।

बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी, सात और बच्चों की मौत; मृतकों की संख्या 600 के पार

ढाका। बांग्लादेश में खसरे (मीजल्स) का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। बुधवार को इस बीमारी से सात और बच्चों की मौत हो गई, जिसके बाद 15 मार्च से अब तक खसरे से हुई पुष्ट और संदिग्ध मौतों की कुल संख्या बढ़कर 601 पहुंच गई है।

बांग्लादेश के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, बुधवार सुबह तक के पिछले 24 घंटों में ये मौतें दर्ज की गईं। ताजा सातों मौतों को संदिग्ध श्रेणी में रखा गया है।

आंकड़ों के मुताबिक, अब तक खसरे से 90 मौतों की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है, जबकि 511 मौतों को संदिग्ध माना गया है।

पिछले 24 घंटों में 1,210 नए संदिग्ध मामलों की पहचान हुई, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 74,572 हो गई है। वहीं, 55 नए पुष्ट मामले सामने आने के बाद कुल पुष्ट मामलों की संख्या 9,191 तक पहुंच गई है।

देश में स्वास्थ्य संकट लगातार गहराता जा रहा है। केवल मई महीने में ही खसरे और उससे जुड़े लक्षणों के कारण 309 लोगों की मौत दर्ज की गई। यह स्थिति तब है जब सरकार द्वारा चलाया गया डेढ़ महीने का विशेष खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान 20 मई को अपने प्रारंभिक चरण में समाप्त हो चुका है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मई महीने में अधिकांश दिनों में प्रतिदिन 1,000 से अधिक नए मामले सामने आए। केवल 9, 16 और 23 मई को यह संख्या 1,000 से कम रही।

इस बीच, मई में यूनिसेफ ने खुलासा किया था कि उसने देश की तत्कालीन अंतरिम सरकार, जिसका नेतृत्व मुहम्मद यूनुस कर रहे थे, को वैक्सीन की कमी को लेकर कई बार चेतावनी दी थी।

यूनिसेफ के बांग्लादेश प्रतिनिधि राना फ्लावर्स ने बताया कि 2024 से ही स्वास्थ्य अधिकारियों को पत्रों और बैठकों के माध्यम से आगाह किया जा रहा था कि टीकों की कमी बड़े स्वास्थ्य संकट का कारण बन सकती है।

फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में गोल करने वाले 5 सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 11 जून से होने जा रहा है। लियोनेल मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना इस बार अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी।

आइए आपको उन 5 खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिन्होंने सबसे अधिक उम्र में विश्व कप में गोल किए हैं। इस लिस्ट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम भी शामिल है।

रोजर मिला: फीफा विश्व कप के इतिहास में सबसे अधिक उम्र में गोल करने का रिकॉर्ड रोजर मिला के नाम है। कैमरून की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम से खेलते हुए रोजर ने 1994 में 42 साल और 39 दिन की उम्र में रूस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में गोल दागा था। हालांकि, इस मैच में कैमरून को रूस के खिलाफ 6-1 से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

पेपे: पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी पेपे विश्व कप में गोल करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी रहे हैं।

पेपे ने साल 2022 में कतर में हुए वर्ल्ड कप में स्विट्जरलैंड के खिलाफ 39 साल 283 दिन की उम्र में गोल किया था। इस मुकाबले में पुर्तगाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्विट्जरलैंड को 6-1 से मात दी थी।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो: फीफा विश्व कप में गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो रहे हैं। रोनाल्डो ने साल 2022 में कतर में खेले गए वर्ल्ड कप के दौरान ग्रुप चरण के मैच में घाना के खिलाफ 37 साल 292 दिन की उम्र में गोल किया था। रोनाल्डो का यह गोल निर्णायक साबित हुआ था और पुर्तगाल घाना को 3-2 से हराने में सफल रही थी।

गुन्नार ग्रेन: फीफा विश्व कप के इतिहास में सबसे अधिक उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में गुन्नार ग्रेन चौथे नंबर पर हैं। स्वीडन की ओर से खेलते हुए गुन्नार ने 37 साल और 236 दिन की उम्र में पश्चिमी जर्मनी के खिलाफ खेले गए मुकाबले में गोल किया था। इस गोल की बदौलत स्वीडन 3-1 से जीत दर्ज करने में सफल रही थी।

कुआउतेमोक ब्लैंको: मेक्सिको के खिलाड़ी कुआउतेमोक ब्लैंको फीफा विश्व कप में गोल करने वाले पांचवें सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

उन्होंने साल 2010 में ग्रुप स्टेज के मुकाबले में फ्रांस के खिलाफ 37 साल और 151 दिन की उम्र में गोल किया था। मेक्सिको ने इस मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को 2-0 से हराया था।

वर्ल्ड बॉक्सिंग रैंकिंग: जैस्मीन नंबर 1 पर पहुंचीं, विश्व और प्रिया टॉप 3 में शामिल

नई दिल्ली। वर्ल्ड बॉक्सिंग रैंकिंग में भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा देखने को मिल रहा है। जैस्मीन लंबोरिया महिलाओं की 57 किग्रा कैटेगरी में दुनिया की नंबर वन मुक्केबाज बन गई हैं। एशियाई चैंपियन प्रिया घांघस (60 किग्रा) और विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा) अपनी-अपनी कैटेगरी में टॉप तीन में पहुंच गए हैं। खास बात यह है कि भारतीय बॉक्सर महिलाओं की 10 में से नौ वेट कैटेगरी और पुरुषों की 10 में से आठ कैटेगरी में टॉप 10 में शामिल हैं।

महिलाओं के वर्ग में, मीनाक्षी ने 48 किग्रा कैटेगरी में वर्ल्ड नंबर 1 के तौर पर अपना दबदबा बनाए रखा है, जबकि प्रीति नंबर 3 पर पहुंच गई हैं। अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा), और नूपुर (+80 किग्रा) सभी वर्ल्ड नंबर 2 पर हैं। निकहत जरीन (51 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने भी दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाए रखी। यह भारी वेट कैटेगरी में भारत की बढ़ती ताकत को दिखाता है।

पुरुषों की टीम ने भी वैसी ही निरंतरता दिखाई। सचिन और नरेंद्र लगातार अंतरराष्ट्रीय सफलता के बाद टॉप 5 में शामिल हो गए, जबकि हितेश गुलिया (70 किग्रा) ने अपनी नंबर 6 रैंकिंग बनाए रखी और अविनाश जमवाल (65 किग्रा) दुनिया में आठवें स्थान पर रहे। आकाश (75 किग्रा) और लोकेश (85 किग्रा) भी टॉप 10 में शामिल हो गए।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'ये रैंकिंग उन मजबूत ढांचों और प्रणालियों को दिखाती हैं जिन्हें पिछले कुछ सालों में लागू किया गया है। जमीनी स्तर के विकास से लेकर हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनिंग तक, हमारा ध्यान प्रतिभाओं की एक टिकाऊ पाइपलाइन बनाने पर रहा है। यह देखकर हौसला बढ़ता है कि आज, लगभग हर वेट कैटेगरी में वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत मौजूदगी है, जिससे भारत दुनिया के अग्रणी बॉक्सिंग देशों में से एक के तौर पर मजबूती से स्थापित हो गया है। भारत अभी दुनिया भर में टॉप-10 रैंक वाले एथलीटों के मामले में कुल मिलाकर तीसरे स्थान पर है, जबकि महिला मुक्केबाजी में एक मजबूत ताकत के तौर पर उभर रहा है, जहां वह दूसरे स्थान पर है, और पुरुषों की श्रेणी में मजबूत चौथे स्थान पर काबिज है। टॉप-3 की एलीट श्रेणी में, भारत कुल मिलाकर तीसरे स्थान पर है, लेकिन महिलाओं की श्रेणी में दुनिया में सबसे आगे है।

टॉप-10 के अलावा, महिलाओं में परवीन (60 किग्रा) 13वें स्थान पर हैं, अंकुशिता बोरो (65 किग्रा) 11वें स्थान पर रहकर टॉप-10 में जगह बनाने से बस जरा सा चूक गईं, जबकि स्वीटी (75 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), संजू (60 किग्रा), और नीरज फोगाट (65 किग्रा) वैश्विक रैंकिंग में अपनी प्रतिस्पर्धी स्थिति बनाए हुए हैं।

पुरुषों की रैंकिंग में, अंकुश (80 किग्रा) 11वें स्थान पर और दीपक (70 किग्रा) 12वें स्थान पर रहे। जुगनू (85 किग्रा) 14वें स्थान पर रहे, हर्ष चौधरी (90 किग्रा) 10वें स्थान, सुमित (75 किग्रा) और कुमार नवीन (90 किग्रा) दोनों 18वें स्थान पर रहे। निखिल दुबे (75 किग्रा) और विशाल (90 किग्रा) अपनी-अपनी श्रेणियों में 22वें स्थान पर रहे।

बेरेटिनी की चोट से फ्रेंच ओपन में बड़ा उलटफेर, 104वीं रैंकिंग वाले अर्नाल्डी ने बनाई अंतिम चार में जगह

पेरिस। इटली के खिलाड़ी मैटेओ अर्नाल्डी ने फ्रेंच ओपन 2026 के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। अर्नाल्डी पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। हिप इंजरी के कारण मैटेओ बेरेटिनी को क्वार्टर फाइनल मुकाबला बीच में ही छोड़ना पड़ा, जिसके चलते अर्नाल्डी को विजेता घोषित किया गया।

मैच के समय अर्नाल्डी 7-5, 5-2 से आगे चल रहे थे। दूसरे सेट में बेरेटिनी की चोट गंभीर हो गई और उन्हें मुकाबले से हटना पड़ा। इस तरह अर्नाल्डी अपने करियर में पहली बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए। आधुनिक युग में विपक्षी खिलाड़ी के रिटायर होने के कारण क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीतने वाले अर्नाल्डी महज दूसरे खिलाड़ी बने हैं। मुकाबले की शुरुआत बेरेटिनी ने शानदार अंदाज में की थी। उन्होंने शुरुआती तीन गेम में दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी। ऐसा लग रहा था कि अनुभवी खिलाड़ी मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए हुए हैं। हालांकि, अर्नाल्डी ने धैर्य नहीं खोया और धीरे-धीरे मुकाबले में वापसी की।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और कड़ी टक्कर देखने को मिली। 76 मिनट तक चले इस सेट में कई रोमांचक रैलियां हुईं। बेरेटिनी ने एक गेम में पांच ब्रेक प्वाइंट बचाए, लेकिन सेट के अंतिम गेम में वह अपनी सर्विस नहीं बचा सके और अर्नाल्डी ने 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया। पहला सेट हारने के बाद बेरेटिनी की परेशानी बढ़ने लगी। दूसरे सेट में 2-1 से पीछे होने पर उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया। कुछ देर इलाज के बाद वे कोर्ट पर लौटे और खेलने की कोशिश की, लेकिन दर्द लगातार बढ़ता गया। आखिरकार उन्होंने मुकाबला छोड़ने का फैसला किया।

मैच के बाद बेरेटिनी ने बताया कि उन्हें पहले सेट के दौरान ही हिप में परेशानी महसूस होने लगी थी। उन्होंने दर्द को नजरअंदाज कर खेल जारी रखने की कोशिश की, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा और उन्हें ज्यादा सर्विस तथा फोरहैंड शॉट लगाने पड़े, दर्द बढ़ता गया।

रमेश कृष्णन: पिता से विरासत में मिला टेनिस का खेल, विश्व के नंबर एक खिलाड़ी को हराकर बनाई पहचान

नई दिल्ली। कुछ खिलाड़ियों को खेल विरासत में मिलता है और उनके कंधों पर उस विरासत को आगे ले जाने की बड़ी जिम्मेदारी और दबाव दोनों होता है। ऐसा ही कुछ रमेश कृष्णन के साथ भी था। पिता रामनाथन कृष्णन मशहूर टेनिस खिलाड़ी थे। हालांकि, रमेश ने पिता से भी अधिक उपलब्धियां अपने करियर में हासिल कीं और संघर्ष के दम पर अपनी खुद की पहचान बनाई।

रमेश कृष्णन का जन्म 5 जून, 1961 को चेन्नई में हुआ। पिता टेनिस खिलाड़ी थे और धीरे-धीरे रमेश का भी इस खेल के प्रति लगाव बढ़ता गया। रमेश ने जल्द ही टेनिस की बारीकियां सीख लीं और जूनियर स्तर पर अपनी काबिलियत से हर किसी का ध्यान खींचने लगे। 1979 का साल रमेश के लिए बेहद अहम साबित हुआ। इस साल उन्होंने जूनियर स्तर पर विंबलडन का खिताब अपने नाम किया। इसके बाद वह जूनियर स्तर पर फ्रेंच ओपन के टाइटल को भी अपने नाम करने में सफल रहे।

साल 1981 और 1987 में रमेश यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में सफल रहे। वहीं, 1986 में उन्होंने विंबलडन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, उनके करियर का सबसे ऐतिहासिक साल 1989 साबित हुआ। ऑस्ट्रेलियन ओपन में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए उन्होंने तत्कालीन नंबर एक खिलाड़ी मैट्स विलेंडर को सीधे सेटों में हराते हुए पूरे विश्व को चौंका दिया। इस जीत ने रमेश को इंटरनेशनल स्तर पर पहचान दिलाई। रमेश ने 1987 में डेविस कप में भारतीय टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने डेविस कप में भारत की अगुवाई भी की। रमेश ने अपनी काबिलियत और शानदार खेल के दम पर भारत को भी टेनिस में पहचान दिलाई।

रमेश का करियर उपलब्धियों से भरा रहा। उन्होंने 8 एटीपी एकल खिताब जीते। 1993 में संन्यास लेने के बाद रमेश ने कोचिंग में अपना करियर शुरू किया। 1995 में उन्होंने कृष्णन टेनिस अकादमी की स्थापना की और कई युवा खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दी। उनकी देखरेख में टेनिस से कई दमदार खिलाड़ी उभरे, जिन्होंने विश्व स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करके दिखाया। टेनिस के खेल में अहम योगदान देने के लिए रमेश को साल 1998 में पद्मश्री पुरस्कार से भी नवाजा गया।

अफगानिस्तान टेस्ट भारतीय युवा खिलाड़ियों को आजमाने का एक बड़ा अवसर : सबा करीम

न्यू चंडीगढ़। भारत और अफगानिस्तान के बीच 6 जून से न्यू पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में एकमात्र टेस्ट खेला जाएगा। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सबा करीम ने कहा है कि इस टेस्ट में टीम इंडिया के पास टेस्ट क्रिकेट की अपनी कमियों को दूर करने और भविष्य की नींव रखने का एक बड़ा अवसर है।

जियोहॉटस्टार पर सबा करीम ने कहा, 'भारत-अफगानिस्तान टेस्ट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल का हिस्सा नहीं है, लेकिन शुभमन गिल की कप्तानी में नए तरीके से तैयार हो रही टीम के लिए इस टेस्ट में भविष्य की नींव रखने का बड़ा मौका होगा। टीम इंडिया अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की दिक्कतों को ठीक कर सकती है।'

करीम ने कहा, 'भारतीय टीम को घरेलू मैदानों पर फिर से अपना दबदबा कायम करने की जरूरत है, और इस मैच को उभरती हुई प्रतिभाओं को परखने के एक मंच के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'भारत अब ऐसे मोड़ पर आ गया है, जहां उसे अपने टेस्ट क्रिकेट पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है।

आकाश चोपड़ा ने बताई वजह, क्यों भारतीय टी20 टीम में अभी वैभव सूर्यवंशी को जगह मिलना मुश्किल

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन के बाद 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में शामिल करने की मांग उठ रही है। हालांकि पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि अभी वैभव को टी20 टीम में जगह मिल पाना मुश्किल है। आकाश चोपड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में बताया कि संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की मौजूदगी में वैभव को भारत की टी20 टीम में जगह मिल पाना मुश्किल है। आकाश ने कहा कि सैमसन का प्रदर्शन टी20 विश्व कप 2026 में लाजवाब रहा था और वह 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे थे। ऐसे में सैमसन की जगह पर वैभव को टीम में लाना उचित नहीं होगा।

पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि अभिषेक शर्मा भी क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। अभिषेक लंबे समय से टी20 में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। यही वजह है कि उनकी जगह पर वैभव को टीम में अभी मौका देना सही नहीं होगा।

आकाश चोपड़ा ने माना कि 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव होनदार और शानदार बल्लेबाज हैं, लेकिन अभी उन्हें भारतीय टी20 टीम में आने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

गौरतलब है कि वैभव को श्रीलंका में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इस सीरीज की शुरुआत 9 जून से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 21 जून को खेला जाना है। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस सीरीज में वैभव का प्रदर्शन कैसा रहता है।

आईपीएल 2026 में वैभव का बल्ला खूब गरजा और उन्होंने 16 मुकाबलों में 237 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 776 रन बनाए। वह ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने एलिमिनेटर और फिर दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी की। वैभव ने टूर्नामेंट के दौरान क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा और वह एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने।

फीफा विश्व कप में खेलने वाली पिता और बेटे की 5 जोड़ियां

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 11 जून से होने जा रहा है। फुटबॉल के इस मेगा इवेंट में कई खिलाड़ी ऐसे रहे हैं, जिन्होंने अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाया है। आइए आपको पिता-बेटे की ऐसी 5 जोड़ियां बताते हैं, जो अपने नेशनल टीम की ओर से विश्व कप में हिस्सा ले चुकी हैं।

लुइस पेरेज और मारियो पेरेज: मेक्सिको की तरफ से लुइस और मारियो पेरेज दोनों ही फीफा विश्व कप खेल चुके हैं। पिता लुइस 1930 में हुए वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा रहे थे। वहीं, उनके बेटे और मिडफील्डर खिलाड़ी मारियो 1950 में खेले गए विश्व कप में मेक्सिको की ओर से खेलते हुए नजर आए थे। हालांकि,पिता और बेटे दोनों ही पूरे विश्व कप में एक गोल तक नहीं कर सके थे।

मार्टी और जोस वैंटोलरा: पिता मार्टी वैंटोलरा और बेटे जोस वैंटोलरा विश्व कप में खेल चुके हैं। पिता मार्टी 1934 में खेले गए फीफा विश्व कप में स्पेन टीम का हिस्सा रहे थे। वहीं, जोस वैंटोलरा 1970 में हुए वर्ल्ड कप में मेक्सिको टीम की ओर से खेलते हुए नजर आए थे। हालांकि, 4 मुकाबलों में वह एक गोल भी नहीं कर सके थे, जबकि पिता भी गोल करने में नाकाम रहे थे।

डोमिंगोस और अदेमिर दा गुइया: पिता डोमिंगोस और बेटे अदेमिर दा गुइया फीफा वर्ल्ड कप में ब्राजील की ओर से हिस्सा ले चुके हैं। डोमिंगोस ने 1938 में खेले गए वर्ल्ड कप में 4 मुकाबले खेले थे, लेकिन वह कोई भी गोल नहीं कर सके थे। वहीं, अदेमिर को 1974 में हुए वर्ल्ड कप में ब्राजील की तरफ से एक मैच खेलने का मौका मिला था।

रोजर-पैट्रिस रियो: पिता रोजर और बेटे पैट्रिस रियो फ्रांस की ओर से फीफा वर्ल्ड कप में खेल चुके हैं। रोजर 1934 में हुए विश्व कप में फ्रांस की तरफ से एक मैच खेले थे, जहां वह कोई भी गोल नहीं कर सके थे। पैट्रिस रियो 1978 में ब्राजील टीम का हिस्सा रहे थे, लेकिन उन्हें गोल करने में सफलता हाथ नहीं लग सकी थी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415